अब हर
रोज दर्पण
⏩ 3

जबलपुर रविवार 13 सितंबर 2026 > शक संवत 1948, भाद्रपद शुक्ल पक्ष, द्वितीया

वर्ष 32 अंक 76 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

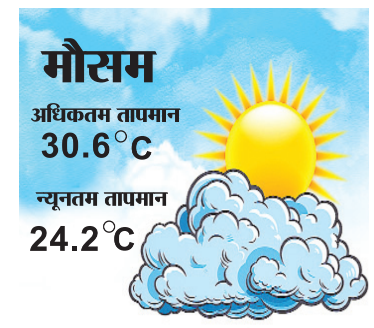

सूर्योदय - 5.56 | सूर्यास्त - 6.16

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

बीएमओ पर गंभीर आरोप वीडियो में... ⏩ 4

रोहित सराफ तीन अलग किरदारों में आएंगे... ⏩ 7

सिवनी के संगई से वैश्विक मंच तक निपुण सिंह की ... ⏩ 8

वैश्विक नेताओं की मुलाकात...शांति और तरक्की की बात

ब्रिक्स का साझा घोषणापत्र जारी, प्रधानमंत्री मोदी बोले- संकल्पों को नतीजों में बदलना है

नई दिल्ली

नई दिल्ली में आयोजित 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन कई ऐतिहासिक और बड़े फैसलों के साथ संपन्न हुआ। इसके समापन पर जारी किए गए नई दिल्ली घोषणापत्र में विश्व राजनीति और व्यापार से जुड़े कई गंभीर मुद्दों को उठाया गया। घोषणापत्र में साफ कहा गया है कि किसी भी रूप में हिंसा, सीमा पार आतंकवाद और युद्ध को किसी भी सूरत में सही नहीं ठहराया जा सकता। इसके साथ ही, मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एकतरफा व्यापार नीतियों, टैरिफ और आर्थिक पाबंदियों पर गहरा ऐतराज जताया गया है। ब्रिक्स समूह ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आईएमएफ और विश्व बैंक जैसी पुरानी वैश्विक संस्थाओं का स्वरूप अब बदलना चाहिए, ताकि ग्लोबल साउथ यानी विकासशील देशों को उनका वाजिब हक और उचित प्रतिनिधित्व मिल सके।

नई दिल्ली घोषणा में ब्रिक्स देशों ने युद्धविराम के लगातार उल्लंघन और लेबनान की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की निंदा की। समूह ने इस्राइल से लेबनान की सरकार के साथ हुए समझौते की शर्तों का सम्मान करने और लेबनान के उन सभी क्षेत्रों से अपनी कब्जे वाली सेनाएं वापस बुलाने का आह्वान किया, जहां वे अभी भी मौजूद हैं।

ब्रिक्स देशों ने सभी पक्षों से गाजा में युद्धविराम बनाए रखने और मानवीय सहायता की पूर्ण एवं निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने का आग्रह किया। अक्टूबर 2025 के युद्धविराम समझौते के बावजूद जारी हिंसा पर उन्होंने गहरी चिंता जताई। ब्रिक्स ने गाजा से फलस्तीनियों को जबरन विस्थापित करने की नीतियों का भी विरोध किया। समूह ने इस्राइल-फलस्तीन संघर्ष के शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान तथा फलस्तीनी लोगों के वैध अधिकारों के समर्थन की पुष्टि की। इनमें आत्मनिर्णय और वापसी का अधिकार भी शामिल है। ब्रिक्स ने फलस्तीन को संयुक्त राष्ट्र की पूर्ण सदस्यता दिए जाने के समर्थन को दोहराया। साथ ही दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन किया, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त 1967 की सीमाओं के भीतर गाजा और पश्चिमी तट समेत एक स्वतंत्र एवं संप्रभु फलस्तीनी राज्य हो और पूर्वी यरुशलम उसकी राजधानी हो। ब्रिक्स देशों ने आपसी सम्मान और समझ, संप्रभु समानता, एकजुटता,

लोकतंत्र, खुलेपन, समावेशिता, सहयोग और आम सहमति की ब्रिक्स भावना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। ब्रिक्स देशों ने कहा कि ब्रिक्स के दो दशकों के अनुभव के आधार पर विस्तारित ब्रिक्स में राजनीतिक एवं सुरक्षा, आर्थिक एवं वित्तीय तथा सांस्कृतिक एवं लोगों के बीच संपर्क के तीन स्तंभों के तहत सहयोग को और मजबूत किया जाएगा। नई दिल्ली घोषणा में कहा गया कि शांति, अधिक प्रतिनिधित्व वाली और निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, मजबूत एवं सुधारित बहुपक्षीय प्रणाली, सतत विकास और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देकर लोगों के हित में रणनीतिक साझेदारी को मजबूत किया जाएगा। ब्रिक्स देशों ने 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरीच/ब्रिक्स प्लस संवाद सत्र की मेजबानी के लिए भारत की सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे अंतरराष्ट्रीय सहयोग और एकजुटता को मजबूत करने के प्रयासों को नई गति मिली है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर जताई चिंता

ब्रिक्स देशों ने खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए अधिकतम संयम बरतने का आह्वान किया। समूह ने आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा पर जोर दिया। ब्रिक्स ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के सुरक्षा उपायों के तहत आने वाली शांतिपूर्ण परमाणु सुविधाओं पर किए गए हमलों को लेकर चिंता जताई। समूह ने कहा कि सशस्त्र संघर्ष के दौरान भी परमाणु सुरक्षा, संरक्षा और आईएईए के सुरक्षा उपायों का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

ट्रंप की टैरिफ नीतियों पर ब्रिक्स की आपत्ति

ब्रिक्स नेताओं ने किसी देश का नाम लिए बिना लेकिन मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की ओर इशारा करते हुए मनमाने टैरिफ और गैर-टैरिफ रुकावटों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। समूह ने कहा कि पर्यावरण या राष्ट्रीय सुरक्षा के बहाने संरक्षणवादी नीतियां अपनाना और विश्व व्यापार संगठन के नियमों को दरकिनार कर टैरिफ थोपना अंतरराष्ट्रीय व्यापार को तबाह कर रहा है। इससे वैश्विक सप्लाई चेन पूरी तरह बाधित हो रही है और गरीब तथा विकासशील देशों की आर्थिक तरक्की पर गहरा संकट मंडरा रहा है। ब्रिक्स देशों ने घोषणापत्र में दो टूक कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्पष्ट मंजूरी के बिना लगाए जाने वाले सभी एकतरफा आर्थिक प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सीधा उल्लंघन हैं। ऐसे दंडात्मक कदमों और सेकेंडरी प्रतिबंधों का सबसे बुरा असर आम नागरिकों के मानवाधिकारों, स्वास्थ्य सेवाओं, खाद्य सुरक्षा और विकास के अधिकार पर पड़ता है। इस तरह के मनमाने प्रतिबंधों से कमजोर और गरीब तबके को सबसे ज्यादा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है, इसलिए इन्हें तुरंत खत्म किया जाना चाहिए।

बंगाल सरकार अब छात्रों को मोबाइल के पैसे नहीं देगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार क्लास 11 और 12 के छात्रों को मोबाइल खरीदने के लिए मिलने वाली 10 हजार की मदद बंद करेगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को इसकी घोषणा की। यह एकमुश्त मदद पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार की 'तरुणेर स्वप्नो' योजना के तहत दी जाती थी। अधिकारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार छात्रों की पढ़ाई के लिए आधुनिक शैक्षणिक ढांचा उपलब्ध कराने पर ज्यादा पैसा खर्च करेगी। उन्होंने साफ कहा, लेकिन हम मोबाइल फोन नहीं देंगे। साल 2025 में बंगाल सरकार ने इस योजना के तहत 15 लाख स्टूडेंट्स को 1500 करोड़ रुपए दिए थे।

26 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी में 13 करोड़ की संपत्ति अटैच

इंदौर। प्रवर्तन निदेशालय ने इंदौर में बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने आलोक शारदा और अन्य से जुड़े मामले में 13 करोड़ रुपए मूल्य की 18 अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच की हैं। यह कार्रवाई 10 सितंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत की गई। ईडी के मुताबिक यह जांच ईओडब्ल्यू भोपाल द्वारा दर्ज दो एफआईआर के आधार पर शुरू की गई थी। मामला आईडीबीआई बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी किसान धन एग्री फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ कथित धोखाधड़ी और जालसाजी से संबंधित है।

कांग्रेस की सदस्यता मेरे खून में

हरीश रावत की प्रदेश कार्यकारिणी तथा कांग्रेस कार्य समिति से इस्तीफे की पेशकश

देहरादून

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सदस्यता मेरे खून और हड्डियों में है। हरीश रावत जो कुछ भी है, उस सबका निर्माण करती है। वह तो मेरे साथ ही स्वर्ग में भी जाएगी। सोशल मीडिया पर लिखी पोस्ट में उन्होंने कहा कि यदि कल-परसों देहरादून में ईडी का जो पाखंडपूर्ण चकल्लस हुई है और मैंने यह कहा है कि यदि उससे कांग्रेस पार्टी के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने के नैरेटिव पर कोई असर पड़ता है, तो पार्टी के जो पद मेरे पास हैं, प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य और एआईसीसी की वर्किंग कमेटी के सदस्य मैं उन पदों से त्यागपत्र देना चाहूंगा। कांग्रेस नेता हरीश रावत ने पार्टी के दो अहम पदों, उत्तराखंड प्रदेश कार्यकारिणी तथा पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति से इस्तीफा देने की पेशकश कर दी है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पद के दौरान उनके ओएसडी रहे करीबी सहयोगी चंदन सिंह जीना पर प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई में बड़ी मात्रा में नकदी और आभूषण बरामद होने के बाद श्री रावत ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के बीच इस तरह के आरोपों से पार्टी को नुकसान हो सकता है इसलिए उन्होंने प्रदेश कार्यकारिणी और कांग्रेस कार्य समिति सदस्य पद से हटने का निर्णय लिया है। श्री रावत ने अपने इस्तीफे की खबरों के बीच शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, मीडिया के कुछ हिस्सों में यह समाचार दिया जा रहा है कि हरीश रावत ने कांग्रेस पार्टी से त्यागपत्र दे दिया। भैया, कांग्रेस पार्टी की सदस्यता मेरे खून और हड्डियों में है, हरीश रावत जो कुछ भी है, उस सबका निर्माण करती है। वह तो मेरे साथ ही स्वर्ग में भी जायेगी। उन्होंने आगे लिखा, हाँ, यदि कल-परसों देहरादून में ईडी का जो पाखंडपूर्ण चकल्लस हुई है और मैंने यह कहा है कि यदि उससे कांग्रेस पार्टी के भ्रष्टाचार के

खिलाफ लड़ने के नैरेटिव पर कोई असर पड़ता है, तो पार्टी के जो पद मेरे पास हैं-प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य और एआईसीसी की वर्किंग कमेटी के सदस्य-मैं उन पदों से त्यागपत्र देना चाहूँगा।

शराबकांड के हर केस में दर्ज हो अलग एफआईआर : दिग्विजय

सागर

सागर के बंडा में हुए शराबकांड के पीड़ित परिवारों से मिलने के लिए शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सागर पहुंचे। उन्होंने बंडा के गांवों में पहुंच कर मृतकों के परिवारों से मुलाकात की। घटनाक्रम की जानकारी ली। जिसके बाद में बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती शराब सेवन से पीड़ित मरीजों से मिले। उनसे बात की। बातचीत में मरीजों ने बताया कि उन्होंने गांव में बिक रही शराब खरीद कर पी थी। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि अवैध शराब का जो धंधा है, वह बहुत व्यापक रूप ले चुका है। इस पूरे मामले की विधिवत जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा यह शराब अगस्त के तीसरे सप्ताह से शुरू हुई, और 3 से 5 सितंबर के बीच बनी और दुकानों तक पहुंची। यह शर्मनाक घटना है कि पूरे देश में खुले आम शराब बिक रही है, लेकिन इस की ओर कोई

अधिकृत कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व में हमारे शासनकाल में अगर 50 प्रतिशत महिलाएं लिख कर दे देती थी तो हम वहां की शराब दुकान बंद करवा देते थे। आगे उन्होंने ने कहा कि शराब कांड के हर केस में अलग-अलग एफआईआर दर्ज होना चाहिए और उसकी निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाए। अब तक मामले में मृतकों के परिवारों को मुआवजा नहीं मिला है। सरकार यह भी स्पष्ट करे कि मुआवजा जिनका संबल कार्ड है उनको मिलेगा या सभी को।

गुजरात का 90% पानी पीने लायक नहीं: खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुजरात की बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। उनका आरोप है कि राज्य में अपने 27 सालों के शासन के दौरान बीजेपी ने सिर्फ झूठे दावे किए और प्रोपेगैंडा फैलाया। खड़गे ने एक्स पर पोस्ट करते हुए गुजरात सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कैग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि कुछ गांवों में पानी के दूषित होने की बात सामने आई थी। उन्होंने कहा, पीएम मोदी के हर घर जल के दावे दूषित पानी में बह गए हैं। खड़गे का दावा है कि राज्य में 90 प्रतिशत पानी के नमूने पीने लायक भी नहीं पाए गए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी पोस्ट में कहा, जब मोदी जी सीएम थे, तब 2004 में सुजलाम-सुफलाम योजना का बहुत शोर-शराबा किया गया लेकिन आज भी गुजरात के लोग पानी की एक बूंद के लिए तरस रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष का आरोप है कि कैग ने 2022 में 100 प्रतिशत नल कनेक्शन के बीजेपी सरकार के दावे की पोल खोली है। उनका दावा है कि 14 लाख परिवार अब भी पानी का इंतजार कर रहे हैं।

जीएसटी विभाग ने जब्त किया 5 करोड़ का माल

नई दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली सरकार के वस्तु एवं सेवा कर विभाग ने रेलवे अधिकारियों के समन्वय से हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब पांच करोड़ रुपये मूल्य का माल जब्त किया है। जीएसटी विभाग ने आज बताया कि विभाग को खुफिया जानकारी मिली थी कि रेलवे नेटवर्क के जरिए अनिवार्य दस्तावेजों के बिना माल का परिवहन किया जा रहा है। इसी सूचना के आधार पर जीएसटी विभाग ने रेलवे अधिकारियों के साथ मिलकर जांच अभियान चलाया। यह खेप आंध्र प्रदेश के रेणिगुंटा से रवाना हुई ट्रेन में मिली।

गणेश उत्सव में शराब पर रोक एकतरफा, इसके आदी बीमार होकर अस्पताल में भीड़ लगा देंगे: बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुणे प्रशासन को गणेश उत्सव के दौरान 10 दिन तक शराब पर रोक लगाने के लिए फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा जो व्यक्ति शराब का आदी है उसे 10 दिनों तक शराब पीने को नहीं मिली, तो वे अस्पतालों में भीड़ लगा देंगे। चीफ जस्टिस एमसी त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की बेंच ने सुनवाई के दौरान पूछा कि सिर्फ पुणे को चुनने के पीछे क्या तर्क है? हम ऐसी प्रथा की निंदा करते हैं। यह पुणे के निवासियों के लिए एक कलंक है। बॉम्बे हाईकोर्ट की फटकार के बाद पुणे प्रशासन ने गणेशोत्सव के दौरान 10 दिन की शराबबंदी घटाकर 2 दिन कर दी है। अब 14 सितंबर को शाम 4 बजे तक और 25 सितंबर को पूरे दिन शराब की बिक्री व सेवन पर रोक रहेगी। कोर्ट ने कहा कि बिना किसी तर्कसंगत आधार के व्यापक प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। त्योहार के दौरान कोई व्यक्ति शराब का सेवन कर उत्साह में सड़कों पर निकलता है, तो सिर्फ इस आधार पर यह नहीं माना जा सकता कि वह कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा करेगा। हालांकि, अदालत ने साथ ही स्पष्ट किया कि शराब पी हो या नहीं, यदि कोई व्यक्ति कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाली स्थिति पैदा करता है तो उसे कानून के मुताबिक कार्रवाई का सामना करना ही होगा। शराबबंदी पूरे महाराष्ट्र में नहीं बल्कि केवल पुणे जिले के लिए लागू की गई। इस पर अदालत ने सवाल उठाया कि केवल एक शहर या जिले के खिलाफ ऐसा आदेश जारी करने से सरकार आखिर क्या संदेश देना चाहती है। क्या प्रशासन किसी विशेष त्योहार या आयोजन पर शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगा सकता है? कोर्ट ने कहा कि प्रशासन कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष अवसरों पर ड्राई डे घोषित कर सकता है, लेकिन यह निर्णय मनमाना नहीं होना चाहिए। नागरिकों और व्यवसायियों को यह अधिकार है कि वे प्रशासन के किसी भी अनुचित या एकतरफा आदेश को अदालत में चुनौती दे सकें।

पश्चिम बंगाल में बनेगा डीआरडीओ का नया मिसाइल टेस्टिंग सेंटर

नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल सरकार ने पूर्वी मेदिनीपुर जिले के जुनपुट गांव में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ के नए परीक्षण सुविधा केंद्र को मंजूरी दे दी है। यह सुविधा विशेष रूप से ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए बनाई जा रही है। जुनपुट चांदीपुर से महज 70 किमी दूर बंगाल की खाड़ी के किनारे स्थित है। यहां 8.73 एकड़ जमीन पर यह केंद्र विकसित होगा। समुद्री किनारे की यह जगह तटीय परीक्षण गलियारों तक सीधी पहुंच प्रदान करेगी। लंबे समय से अटकी यह परियोजना अब राज्य सरकार और डीआरडीओ के समन्वय से आगे बढ़ने लगी है। चांदीपुर का एकीकृत परीक्षण रेंज भारत के मिसाइल परीक्षण का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां लंबे समय से विभिन्न प्रकार की मिसाइलों और हथियार प्रणालियों का परीक्षण होता आया है। लगातार बढ़ते परीक्षणों के कारण यहां काम का बोझ बहुत ज्यादा हो गया था। समय पर परीक्षण पूरे करने में देरी होने लगी थी। नई सुविधा इसी समस्या का समाधान करेगी। जुनपुट में छोटी रेंज वाली मिसाइलों और रडार प्रणालियों का परीक्षण किया जाएगा। चांदीपुर लंबे रेंज और रणनीतिक मिसाइलों पर फोकस करेगा। इससे दोनों जगहों पर काम का बंटवारा हो जाएगा और कुल परीक्षण क्षमता बढ़ेगी। यह परियोजना कई सालों से चर्चा में थी। डीआरडीओ ने चांदीपुर के अतिरिक्त परिचालन क्षेत्र के रूप में जुनपुट को चुना था। भूमि अधिग्रहण और पर्यावरण मंजूरी की प्रक्रियाएं पहले पूरी हो चुकी थीं। लेकिन राज्य स्तर पर कुछ प्रशासनिक बाधाओं और स्थानीय चिंताओं के कारण काम रुका रहा।

अन्नदाताओं को दी जा रही हैं आवश्यक सुविधाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्नत कृषि करने वाले किसानों और जनप्रतिनिधियों से किया संवाद

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धरती पुत्र परिश्रम से फसल उगाते हैं, जो सभी को उपलब्ध होता है। अन्नदाता किसानों की समस्याओं को दूर कर उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली प्रवास के दौरान शनिवार को बलराम कृषि महोत्सव छतरपुर में वर्चुअल रूप से जुड़कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रगतिशील किसानों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड हीरों की धरती है। यहां की जमीन में हीरा निकलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले में होने वाली पिपरमेंट की खेती का भी जिक्र किया। साथ ही फर्नीचर की क्वालिटी को बेहतर बताया। छतरपुर जिले के किसानों को रबी सीजन की फसलों की नवीनतम तकनीक, उन्नत कृषि पद्धतियों एवं आधुनिक कृषि संसाधनों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हुए बलराम कृषि महोत्सव के रूप में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई केन-बेतवा लिंक परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना से बुंदेलखंड सहित संबंधित क्षेत्रों के किसानों को सिंचाई का भरपूर लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सिंचाई की सुविधा बढ़ने से कृषि क्षेत्र को नई गति मिलेगी और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

उन्होंने किसानों एवं उपस्थित लोगों से सामाजिक आयोजनों में अनावश्यक खर्च कम करने तथा सामूहिक विवाह को बढ़ावा देने की अपील की। कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने जिले के 10 प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। साथ ही प्रावीण्य सूची में आए कृषकों के बच्चों को भी सम्मानित किया गया। बलराम कृषि महोत्सव में कृषि वैज्ञानिक एवं विषय विशेषज्ञ किसानों को रबी मौसम की प्रमुख फसलों की उन्नत किस्मों, नवीनतम कृषि तकनीक, बेहतर कृषि पद्धतियों, फसल प्रबंधन तथा समसामयिक कृषि विषयों की जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को आधुनिक तकनीक अपनाकर उत्पादन और कृषि आय बढ़ाने के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया।

मुख्यमंत्री को बताए कृषि क्षेत्र के नवाचार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को किसानों ने कृषि क्षेत्र के नवाचारों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छतरपुर जिले के प्रगतिशील किसान सलीम खान से संवाद किया। सलीम ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती के साथ होलेस्टिक फार्मिंग एवं औषधीय फसल उत्पादन एवं कृषि के साथ अन्य कृषकों को प्राकुतिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने के संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बिजावर निवासी कृषक सौरभ भटनागर ने बताया कि वे जैविक एवं प्राकृतिक खेती के साथ फल और सब्जी उत्पादन कार्यक्रम तथा होलेस्टिक फार्मिंग करते हैं। जनजाति समाज की श्रीमती हब्बीबाई ग्राम सलैया ने बताया कि उनके द्वारा कोदो, कुटकी, रागी, बाजरा, ज्वार एवं अन्य लघु धान्य फसलों का उत्पादन करते हुए प्रोसेसिंग के साथ बाजार में बेचा जाता है।

सतना की सड़कों पर कब्जा शहर बना पार्किंग स्टैंड जाम से जूझ रही जनता

सतना ब्यूरो।

सतना शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सड़कों पर बेतरतीब खड़े चार पहिया और दो पहिया वाहनों ने शहर की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। स्थिति यह है कि सड़कें अब चलने के लिए नहीं बल्कि वाहनों की पार्किंग बन चुकी हैं। यह समस्या किसी एक मोहल्ले या चौराहे की नहीं है बल्कि पूरे सतना शहर का यही हाल है। मुख्य बाजार से लेकर गली.मोहल्लों तक अतिक्रमण और अवैध पार्किंग ने आम लोगों का चलना मुश्किल कर दिया है।

हर मुख्य मार्ग पर जाम का झाम

सेमरिया चौक बिरला रोड नजीराबाद मैहर रोड मुख्तारगंज रीवा रोड बस स्टैंडए कोठी रोड अस्पताल चौक स्टेशन रोड पन्नीलाल चौक बिहारी चौक लालता चौक जयस्तम चौक गल्ला

मंडी रोड सुभाष पार्क हनुमान चौक सर्किट हाउस रोड से लेकर धवारी रोड तक हर जगह यही नजारा देखने को मिलता है। शहर के अन्य क्षेत्र में भी चार पहिया और दो पहिया वाहन सड़क पर खड़े रहते है। इसी तरह से दुकानदारों ने दुकानों के सामने तक अपना सामान रखकर आधा रोड घेर रखा है तो ग्राहकों ने बिना सोचे.समझे सड़क पर ही अपनी बाइक और कार खड़ी कर कर देते है। दो पहिया वाहन चालक तो सड़क को अपनी निजी संपत्ति समझते हैं। जरा सी जगह मिली नहीं कि बाइक खड़ी कर दी। वहीं चार पहिया वाहनों ने तो सड़क की एक पूरी लेन ही कब्जा कर रखी है।

सबसे ज्यादा परेशान आम जनता

इस अव्यवस्था का सबसे ज्यादा खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक शहर के मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। स्कूली बच्चों को समय पर स्कूल पहुंचना मुश्किल हो जाता है। सबसे गंभीर बात यह है कि जाम में कई बार एम्बुलेंस तक फंस जाती है जिससे मरीजों की जान पर बन आती है। पैदल चलने वालों के लिए तो फुटपाथ बचे ही नहीं हैं।

जिम्मेदार क्यों हैं मौन

शहर में ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी सिर्फ नाममात्र की है। नो.पार्किंग में खड़े वाहनों पर चालान की कार्रवाई न के बराबर हो रही है। नगर निगम के पास भी शहर में व्यवस्थित पार्किंग की कोई ठोस योजना नहीं है। शहर में एक भी बड़ा और व्यवस्थित पार्किंग स्थल नहीं हैए जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है।

जनता की मांग

नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि अवैध पार्किंग के खिलाफ पूरे शहर में सघन अभियान चलाया जाए। मुख्य बाजारों में नो.पार्किंग जोन में खड़े वाहनों पर सख्त चालानी कार्रवाई की जाए और शहर में नए पार्किंग स्थल चिन्हित किए जाएं। अगर जल्द ही व्यवस्था नहीं सुधरी तो दिन.ब.दिन बढ़ता जाम किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकता है।

बीएमओ पर गंभीर आरोप वीडियो में निजी क्लीनिक में मरीज देखने का दावा

सरकारी ड्यूटी के दौरान निजी प्रैक्टिस और 300 रुपये फीस वसूली का आरोप

सतनाब्यूरो। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नागौद के खंड चिकित्सा अधिकारी ;बीएमओ डॉ.प्रमोद प्रजापति पर गंभीर आरोप लगे हैं। स्थानीय लोगों और मरीजों का आरोप है कि सरकारी अस्पताल में पदस्थ रहते हुए मरीजों को निजी क्लीनिक में बुलाकर देखा जाता है और उनसे फीस वसूली जाती है।इस संबंध में एक वीडियो भी सामने आया हैए जिसमें एक निजी क्लीनिकनुमा कमरे में कई मरीज मौजूद हैं। दीवार पर परामर्श शुल्क 300् का बोर्ड लगा हुआ स्पष्ट दिखाई दे रहा है। वीडियो में एक व्यक्ति मरीजों की जांच करता हुआ नजर आ रहा है जिसे शिकायतकर्ताओं द्वारा ठडव् बताया जा रहा है। कमरे में एक महिला का बीपी चेक किया जा रहा है एक्स.रे फिल्म दिखाई जा रही है और बाहर मरीज अपनी बारी का इंतजार करते दिख रहे हैं। शिकायतकर्ताओं के अनुसार यह पूरा मामला हितों के टकराव से जुड़ा है

क्या हैं आरोप- सरकारी अस्पताल आने वाले मरीजों को निजी क्लीनिक पर रेफर करने का आरोप। निजी क्लीनिक में 300 से 500 रुपये तक परामर्श शुल्क लेने का दावा।

निजी क्लीनिक पर जांच लिखने के बाद ब्लड टेस्ट यूरिन टेस्ट इंजेक्शन और ड्रिप जैसी सुविधाएं सरकारी अस्पताल के संसाधनों से कराए जाने का आरोप। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि गरीब मरीज जो सरकारी अस्पताल में मुफ्त इलाज की उम्मीद से आते हैंए उन्हें निजी क्लीनिक का खर्च उठाना पड़ रहा है।यह मामला केवल कथित वसूली का नहींए बल्कि शासकीय पद पर रहते हुए निजी प्रैक्टिस के नियमों के उल्लंघन का भी है। यदि आरोप सही हैं तो यह मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।इस मामले में निष्पक्ष जांच के लिए जरूरी है कि अस्पताल के ओपीडी रजिस्टर और निजी क्लीनिक के समय की तुलना की जाए। पैथोलॉजी और सरकारी दवा वितरण के रिकॉर्ड की जांच की जाए। वीडियो में दिख रहे मरीजों के बयान दर्ज किए जाएं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि स्थानीय स्तर पर लंबे समय से ऐसी शिकायतें सामने आने के बावजूद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सतना द्वारा अब तक कोई जांच क्यों नहीं की गई। निष्पक्ष जांच के बाद ही सच्चाई सामने आ पाएगी लेकिन वीडियो के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी बनती है कि वह मामले को गंभीरता से लेकर तत्काल जांच समिति गठित करे।

सीधे डीएसपी बने विंध्य के 4 टाइगर गृह विभाग ने आधी रात जारी किया आदेश

सतना ब्यूरो। मध्य प्रदेश पुलिस में प्रमोशन की बंपर सौगात आई है। गृह विभाग ने निरीक्षकों से उप पुलिस अधीक्षक डीएसपी के पद पर पदोन्नति का बहुप्रतीक्षित आदेश जारी कर दिया है। इस सूची में विंध्य के चार सबसे चर्चित और दबंग थाना प्रभारियों के नाम शामिल हैं जिनके प्रमोशन से पूरे महकमे में खुशी की लहर दौड़ गई है।

अब इंस्पेक्टर नहीं साहब कहिए-जो कल तक थाने की कमान संभाल रहे थे अब पूरे जिले की अजाक कमान संभालेंगे। विजय सिंह परस्ते अमरपाटन के सिंघम् को मिला इनाम अमरपाटन थाने में अपराधियों में खौफ का दूसरा नाम रहे। थाना प्रभारी विजय सिंह परस्ते अब डीएसपी अजाक उमरिया बन गए हैं। उनकी सख्त कार्यशैली का ही नतीजा है कि विभाग ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी है।

अनिमेष द्विवेदी मैहर के तेज.तर्रार प्रभारी का कद बढ़ा-मैहर जैसे संवेदनशील थाने को बखूबी संभालने वाले अनिमेष द्विवेदी को प्रमोट कर डीएसपी अजाक कटनी बनाया गया है।

मोहित सक्सेना अब सतना अजाक के बॉस-युवा और तेज.तर्रार छवि वाले मोहित सक्सेना को गृह विभाग ने बड़ी सौगात देते हुए डीएसपी अजाक सतना नियुक्त किया है।

रावेंद्र द्विवेदी कोतवाली के सुल्तान अब डीएसपी-सतना कोतवाली जैसे सबसे व्यस्त और चुनौतीपूर्ण थाने को संभालने वाले रावेंद्र द्विवेदी को पदोन्नत कर डीएसपी अजाक सीधी की कमान सौंपी गई है।बताया जा रहा है कि यह प्रमोशन लिस्ट लंबे समय से अटकी हुई थी। गृह विभाग ने वरिष्ठता और उत्कृष्ट सेवा रिकॉर्ड के आधार पर चयन किया है। आदेश जारी होते ही चारों अधिकारियों के समर्थकों और शुभचिंतकों में बधाई देने का तांता लग गया है। विभाग ने सभी नवनियुक्त कैंचे को तत्काल प्रभाव से नवीन पदस्थापना पर ज्वाइन करने के निर्देश दिए हैं।

माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

सतना ब्यूरो।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में श्माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के वाल्मीकि सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिवनारायण राज्य सलाहकार मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद भोपाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.आलोक दुबे कुलगुरु महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर कपिल देव मिश्रा कुलसचिव प्रोफेसर अंजनैजय डा. अमरजीत सिंह, निदेशक सीएमसीएलडीपी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आशीष ताम्रकार जिला समन्वयक मध्य प्रदेश जन

अभियान परिषद एवं अरुण प्रताप सिंह विकासखंड समन्वयक सहित अन्य गणमान्यजन एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे। जिला समन्वयकआशीष ताम्रकार द्वारा श्माटी गणेश सिद्ध गणेश् अभियान के उद्देश्य एवं कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि शिवनारायण ने अपने उद्बोधन में 11 सितंबर 1893 को अमेरिका के शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद जी द्वारा दिए गए ऐतिहासिक भाषण का उल्लेख करते हुए कहा कि 11 सितंबर का दिन भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना के वैश्विक प्रभाव की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमें स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरणा लेते हुए अपनी संस्कृति और परंपराओं को पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़कर आगे बढ़ाना चाहिए।

उन्होंने माटी गणेश सिद्ध गणेश् अभियान की सराहना करते हुए कहा कि मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमा हमारी परंपरा के साथ.साथ पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देती है। उन्होंने उपस्थित जनों से आह्वान किया कि वे स्वयं मिट्टी की गणेश प्रतिमा स्थापित करें और समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ.आलोक दुबे कुलगुरु महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने भारतीय संस्कृति पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उपस्थित अन्य अतिथियों एवं प्रतिभागियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण तथा भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं के उपयोग का संदेश दिया गया।कार्यक्रम का सफल संचालन विकासखंड समन्वयक अरुण प्रताप सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में नगर विकास प्रस्फुटन समिति के श्री ओम राज तिवारी द्वारा सभी अतिथियों प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की विचारपुर कोल माइंस के मजदूर तीन दिन से हड़ताल पर, प्रबंधन की चुप्पी से बढ़ा आक्रोश

वेतन वृद्धि, मेडिकल सुविधा समेत अन्य मांगों को लेकर भूमिस्वामी कर्मचारियों का आंदोलन जारी

शहडोल (स्वतंत्रमत)। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की विचारपुर कोल माइंस में वेतन वृद्धि, मेडिकल सुविधा एवं अन्य जरूरी सुविधाओं की मांग को लेकर स्थानीय भूमिस्वामी कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटे हुए हैं। 8 सितंबर से शुरू हुआ आंदोलन तीसरे दिन भी जारी रहा। मजदूरों का आरोप है कि हड़ताल के बावजूद अब तक कंपनी प्रबंधन या प्रशासन का कोई

जिम्मेदार अधिकारी उनसे बातचीत करने मौके पर नहीं पहुंचा है। मजदूरों के अनुसार, 1 सितंबर को मांगों को लेकर आवेदन दिए जाने के बाद 2 सितंबर को श्रम विभाग, कंपनी प्रबंधन, आउटसोर्स कंपनी तथा स्थानीय भूमिस्वामी कर्मचारियों की मौजूदगी में बैठक हुई थी। बैठक में कथित रूप से 7 सितंबर तक वेतन, मेडिकल एवं अन्य सुविधाओं से संबंधित मांगों के निराकरण का आश्वासन दिया गया था। मजदूरों का कहना है कि 7 सितंबर को जब उन्होंने प्रबंधन से मांगों के संबंध में जानकारी चाही तो उनकी बिंदुवार मांगों पर सहमति नहीं बनी। इसके बाद कर्मचारियों ने 8 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी।

मजदूरों ने लगाए गंभीर आरोप

हड़ताली कर्मचारियों का आरोप है कि अपनी समस्याओं को लेकर कंपनी के जिम्मेदार लोगों से मिलने जाने पर उनके साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया गया। मजदूरों ने इसे लेकर भी नाराजगी जताई है। हालांकि, इन आरोपों पर कंपनी प्रबंधन का पक्ष सामने आना अभी बाकी है।

अब सवाल, कब होगा समाधान?

तीन दिन से हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों का कहना है कि वे अपनी मेहनत का उचित पारिश्रमिक और अनुबंध के अनुसार सुविधाएं चाहते हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि मजदूरों की मांगों पर कंपनी और प्रशासन कब गंभीरता से बातचीत करेंगे और इस आंदोलन का समाधान कब निकलेगा? हड़ताल लंबी खिंचने से उत्पादन और मजदूरों की रोजी-रोटी पर भी असर पड़ने की आशंका है। अब सबकी नजर कंपनी प्रबंधन और प्रशासन की अगली पहल पर है।

पर्यावरण के अनुकूल स्वनिर्मित प्रतिमाओं को स्थापित कर करें पूजन अर्चन : ऋत्विकदास मिश्रा

जयसिंहनगर (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग जिला शहडोल के समन्वयक विवेक पांडेय के निर्देशन एवं विकासखंड समन्वयक ऋत्विक दास मिश्रा के नेतृत्व में शासकीय हाई स्कूल देवरा में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विकासखंड समन्वयक ऋत्विक दास मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन हेतु किए जाने वाले प्रभावी प्रयासों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने छात्र-छात्राओं से प्लास्टिक के दुष्प्रभावों एवं उनके वैकल्पिक उपायों के संबंध में भी चर्चा की। विकासखंड समन्वयक ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण के अनुकूल मूर्तियां बनाने एवं उन्हें अपने आसपास स्थापित कर उनका

पूजन-अर्चन करने का सुझाव दिया। इस दौरान उन्होंने इससे होने वाले लाभ के संबंध में भी समुचित जानकारी दी। आगामी गणेश चतुर्थी के दृष्टिगत उन्होंने माटी गणेश सिद्ध गणेश कार्यक्रम अंतर्गत माटी के गणेश निर्माण पर जोर देते हुए अपने घर में स्वनिर्मित गणेश प्रतिमाओं को स्थापित करने का सुझाव दिया। इस दौरान उन्होंने माटी से गणेश जी की प्रतिमा बनाकर छात्रों को वैसे ही प्रतिमा बनाने हेतु प्रोत्साहित किया। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य धनेंद्र सिंह परिहार, राघवेंद्र प्रसाद तिवारी, जीवनलाल नट रत्नाकर सिंह सहित समस्त विद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शहडोल में ग्रेट जेमिनी सर्कस का भव्य शुभारंभ

शहडोल (स्वतंत्रमत)। शहर के बाणगंगा मेला मैदान में मनोरंजन और रोमांच से भरपूर ग्रेट जेमिनी सर्कस का भव्य शुभारंभ हुआ। सर्कस का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा ने फीता काटकर किया। शुभारंभ के साथ ही सर्कस दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। ग्रेट जेमिनी सर्कस में देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकारों के साथ विदेशी अफ्रीकन कलाकार भी अपने हैरतअंगेज करतब प्रस्तुत कर रहे हैं। हवाई झूला, जिम्नास्टिक, साइकिलिंग सहित विभिन्न रोमांचक प्रस्तुतियां दर्शकों का मनोरंजन करेंगी। वहीं मौत का कुआं और मौत का गोला सर्कस का प्रमुख आकर्षण है, जहां मोटरसाइकिलों के खतरनाक स्टंट दर्शकों को रोमांचित करेंगे। बच्चों के मनोरंजन के लिए बौने जोकरों की प्रस्तुतियां भी रखी गई हैं। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रमों में समय-समय पर बदलाव किया जाएगा, जिससे दर्शकों को हर बार मनोरंजन का नया अनुभव मिल सके। रोजाना तीन शो सर्कस में प्रतिदिन तीन शो आयोजित होंगे। पहला शो दोपहर 1 बजे, दूसरा शाम 4 बजे और तीसरा रात 7.30 बजे होगा। यह सर्कस बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए मनोरंजन और रोमांच का नया आकर्षण बनने जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत में 673 प्रकरणों का निराकरण, 1.46 करोड़ के अवार्ड पारित

समझौते से टूटते परिवार जुड़े, वर्षों से लंबित विवादों का भी हुआ समाधान

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशन तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती शशिकांता वैश्य के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला न्यायालय डिंडौरी, कुटुम्ब न्यायालय डिंडौरी एवं सिविल न्यायालय शहपुरा में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में आपसी सहमति और राजीनामे के माध्यम से कुल 673 प्रकरणों का निराकरण किया गया तथा 1 करोड़ 46 लाख 92 हजार 450 रुपये के अवार्ड पारित किए गए। लोक अदालत के शुभारंभ अवसर पर कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश एम.एल. राठौर एवं प्रथम जिला न्यायाधीश डी.एस. मंडलोई ने मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर एम.एल. राठौर ने कहा कि लोक अदालत आपसी सहमति एवं सुलह के माध्यम से विवादों के त्वरित और सरल समाधान का प्रभावी माध्यम है। इसके माध्यम से पक्षकारों को लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलती है तथा आपसी संबंधों को भी बचाने का अवसर मिलता है।

373 लंबित प्रकरणों का हुआ निराकरण

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं न्यायाधीश श्रीमती मुग्धा कुमार ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित 373 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इन प्रकरणों में 1 करोड़ 24 लाख 24 हजार 595 रुपये की राशि के अवार्ड पारित किए गए। इनमें पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, चेक अनादरण, राजीनामा योग्य आपराधिक एवं दीवानी प्रकरण सहित विभिन्न मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निराकरण किया गया।

प्री-लिटिगेशन के 300 मामलों में समाधान

लोक अदालत के दौरान न्यायालय पहुंचने से पहले ही विवादों के समाधान के लिए रखे गए प्री-लिटिगेशन मामलों में भी प्रभावी कार्यवाही हुई। 300 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया तथा 22 लाख 67 हजार 855 रुपये की राशि संबंधित विभागों को प्राप्त हुई। इनमें बैंकों की ऋण वसूली, विद्युत एवं दूरभाष बिलों के बकाया तथा नगर पालिका

के संपत्ति कर एवं जलकर से संबंधित मामलों का पक्षकारों की सहमति से समाधान किया गया।

12 साल बाद पति-प ी और बच्चों का परिवार फिर हुआ एक

नेशनल लोक अदालत में सिर्फ मामलों का निपटारा ही नहीं हुआ, बल्कि आपसी समझाइश से बिखरते परिवारों को भी दोबारा जोड़ने का प्रयास सफल रहा। कुटुम्ब न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश श्री एम.एल. राठौर की समझाइश के बाद एक पति अपनी 12 वर्षों से विवाहित पत्नी एवं दो बच्चों के साथ वापस घर लौटने के लिए सहमत हुआ। इससे परिवार के

पुनः एकजुट होने का रास्ता साफ हुआ। इसी तरह न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती कमला उईके की समझाइश से वर्ष 2015 से अलग रह रहे पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद का समाधान कराया गया। दोनों पक्षों की सहमति से विवाद समाप्त हुआ।

स्कूल से ही शुरू करें एनडीए की तैयारी

भारतीय सशस्त्र बलों में अधिकारी बनने का सपना देखने वाले छात्रों के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) एक महत्वपूर्ण अवसर है। कई छात्र मानते हैं कि एनडीए की तैयारी के लिए स्कूल की पढ़ाई अलग रखनी होगी, जबकि ऐसा नहीं है। सही रणनीति के साथ स्कूल के पाठ्यक्रम को ही एनडीए की तैयारी का आधार बनाया जा सकता है। कक्षा 11 और 12 से नियमित तैयारी शुरू करने वाले छात्र पढ़ाई के साथ परीक्षा की जरूरतों को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं।

पहले समझें परीक्षा का पैटर्न

एनडीए की लिखित परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग आयोजित करता है। इसके बाद चयन प्रक्रिया में साक्षात्कार शामिल होता है। लिखित परीक्षा में गणित और सामान्य योग्यता परीक्षा के प्रश्न पूछे जाते हैं। इसलिए शुरुआत से ही दोनों क्षेत्रों पर बराबर ध्यान देना जरूरी है।

स्कूल की पढ़ाई को बनाएं आधार

एनडीए के कई विषय स्कूल के पाठ्यक्रम से जुड़े होते हैं। गणित में बीजगणित, त्रिकोणमिति और निर्देशांक ज्यामिति जैसे अध्यायों की मजबूत समझ आगे मदद करती है। गेट के लिए विज्ञान, इतिहास, भूगोल और अन्य विषयों की बुनियादी जानकारी भी उपयोगी रहती है। इसलिए एनसीईआरटी की किताबों को अच्छी तरह पढ़ना तैयारी का मजबूत आधार बन सकता है।

रोजाना थोड़ा समय निकालें

स्कूल, होमवर्क और अन्य गतिविधियों के बीच एनडीए की तैयारी के लिए अलग समय तय करें। रोजाना एक से डेढ़ घंटे का केंद्रित अभ्यास शुरुआत के लिए पर्याप्त हो सकता है। सुबह सूत्रों और महत्वपूर्ण तथ्यों का पुनरावलोकन तथा शाम को प्रश्नों का अभ्यास किया जा सकता है। सप्ताह में एक दिन पूरे सप्ताह की पढ़ाई की समीक्षा जरूर करें।

अंग्रेजी और करंट अफेयर्स मजबूत करें

एनडीए की तैयारी में अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान पर विशेष ध्यान दें। रोज समाचार पत्र पढ़ने की आदत डालें। रक्षा, विज्ञान, खेल, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं से जुड़े समाचारों पर नजर रखें। रोज कुछ नए अंग्रेजी शब्द सीखें और उनका वाक्यों में प्रयोग करें। इससे शब्दावली और समझ दोनों बेहतर होंगी।

मॉक टेस्ट से परखें तैयारी

पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र और मॉक टेस्ट को तैयारी का हिस्सा बनाएं। सप्ताह में एक बार समय सीमा के साथ टेस्ट दें। इसके बाद गलत प्रश्नों का विश्लेषण करें। केवल अंक बढ़ाने पर ध्यान देने के बजाय यह पता लगाएं कि गलती ज्ञान की कमी, जल्दबाजी या समय प्रबंधन के कारण हुई।

फिटनेस-अनुशासन भी जरूरी

एनडीए की तैयारी में शारीरिक फिटनेस और अनुशासन का भी महत्व है। नियमित दौड़, स्ट्रेचिंग, पुश-अप्स और अन्य व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें। पर्याप्त नींद और संतुलित भोजन पर ध्यान दें। पढ़ाई के दौरान मोबाइल और सोशल मीडिया से होने वाले अनावश्यक व्यवधान को कम करें।

ऐसे होती है एनडीए की चयन प्रक्रिया

1 लिखित परीक्षा - परीक्षा में गणित (300 अंक) और गेट (600 अंक) के दो पेपर होते हैं। दोनों में वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाते हैं और गलत उत्तर पर नकारात्मक अंकन होता है।

2 एसएसबी प्रक्रिया - लिखित परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को एसएसबी के लिए बुलाया जाता है। इसमें व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की क्षमता, टीमवर्क और आत्मविश्वास का आकलन किया जाता है।

3 मेडिकल जांच - सफल उम्मीदवारों की सैन्य चिकित्सा मानकों के अनुसार स्वास्थ्य और शारीरिक फिटनेस की जांच होती है।

4 अंतिम चयन - लिखित परीक्षा, एसएसबी प्रदर्शन और मेडिकल फिटनेस के आधार पर अंतिम मेरिट तैयार की जाती है। चयनित उम्मीदवारों को आगे सैन्य प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है।

सही करियर का चुनाव, ध्यान में रखकर लें फैसला

करियर का चुनाव जीवन के सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में से एक है। सही करियर न केवल सफलता की राह आसान करता है, बल्कि काम के प्रति संतुष्टि भी देता है। वहीं, बिना सोचे-समझे या दूसरों के दबाव में लिया गया फैसला आगे चलकर परेशानी का कारण बन सकता है। स्कूल स्तर पर छात्रों के सामने अक्सर यह सवाल होता है कि भविष्य में किस क्षेत्र को चुना जाए। ऐसे में करियर तय करते समय कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए।

रुचि को दें सबसे पहले महत्व

जिस काम को करने में आपको खुशी और उत्साह महसूस होता है, वह आपकी रुचि का संकेत हो सकता है। यदि आपको चित्रकारी, लेखन, खेल, विज्ञान, गणित या कंप्यूटर में विशेष रुचि है तो उससे जुड़े करियर विकल्पों के बारे में जानकारी जुटाएं। केवल दोस्तों या रिश्तेदारों को देखकर करियर का चुनाव न करें। अपनी रुचि को पहचानना सही दिशा में पहला कदम है।

अपनी क्षमता को समझें

रुचि के साथ अपनी क्षमता और मजबूत पक्षों को समझना भी जरूरी है। किसी विषय में अच्छे अंक आना एक संकेत हो सकता है, लेकिन करियर के लिए केवल अंक ही पर्याप्त नहीं हैं। सोचने, समस्या हल करने, संवाद करने, नेतृत्व करने और रचनात्मक काम करने जैसी क्षमताओं पर भी ध्यान दें। इससे अपनी खूबियों के अनुसार क्षेत्र चुनने में मदद मिलेगी।

अपने काम करने का तरीका जानें

हर व्यक्ति का काम करने का तरीका अलग होता है। कुछ छात्र टीम के साथ बेहतर काम करते हैं, जबकि कुछ अकेले काम करना पसंद करते हैं। कुछ को नियमित और व्यवस्थित काम पसंद होता है तो कुछ नए प्रयोग करना पसंद करते हैं। इसलिए करियर चुनते समय यह समझें कि किस तरह का कार्य वातावरण आपके लिए बेहतर रहेगा।

भविष्य की संभावनाएं देखें

करियर चुनते समय वर्तमान के साथ भविष्य पर भी नजर रखें। संबंधित क्षेत्र में पढ़ाई, कोर्स, प्रवेश परीक्षाओं और रोजगार के अवसरों की जानकारी जुटाएं। एक ही विकल्प तक सीमित रहने के बजाय उससे जुड़े दूसरे करियर रास्तों को भी समझें।

विशेषज्ञों से लें सलाह

यदि करियर को लेकर असमंजस है तो माता-पिता, शिक्षक, करियर काउंसलर या संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ से सलाह लें। सलाह को समझें, लेकिन अंतिम फैसला अपनी रुचि, क्षमता और लक्ष्य को ध्यान में रखकर ही करें।

इस सप्ताह की सरकारी नौकरियां

10वीं, 12वीं, स्नातक और तकनीकी योग्यता वाले युवाओं के लिए यह सप्ताह कई अवसर लाया हैं। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण भर्तियों के आवेदन खुले हैं। अभ्यर्थी योग्यता और अंतिम तिथि जांचकर समय पर आवेदन कर सकते हैं।

रेलवे में 3,993 पद

रेलवे भर्ती बोर्ड ने जूनियर इंजीनियर और डिपो मैटेरियल सुपरिंटेंडेंट सहित 3,993 पदों पर भर्ती निकाली है। संबंधित डिप्लोमा या इंजीनियरिंग योग्यता वाले उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 19 सितंबर 2026 है।

एसएससी में जूनियर इंजीनियर के 1,748 पद

कर्मचारी चयन आयोग ने जूनियर इंजीनियर के 1,748 पदों के लिए आवेदन शुरू किए हैं। बीई/बीटेक या संबंधित डिप्लोमा वाले उम्मीदवार पात्र हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 22 सितंबर 2026 है।

सीएचएसएल में 2,536 अवसर

12वीं पास युवाओं के लिए एसएसबी में 2,536 पदों पर भर्ती है। इसमें एलडीसी, जेएसए और डीईओ जैसे पद शामिल हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 7 अक्टूबर 2026 है।

एसएससी सीपीओ में 1,871 पद

दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सब-इंस्पेक्टर के 1,871 पदों पर भर्ती शुरू हुई है। स्नातक उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 है।

डाक विभाग में 23,757 पद

इंडिया पोस्ट में ग्रामीण डाक सेवक के 23,757 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। 10वीं पास उम्मीदवारों के लिए यह अवसर है और आवेदन की अंतिम तिथि 21 सितंबर 2026 है।

आत्मविश्वास से मिलती है सफलता

आत्मविश्वास के बिना इंसान वैसा ही है, जैसे बिना इंजन की गाड़ी। गाड़ी कितनी भी सुंदर क्यों न हो, इंजन के बिना आगे नहीं बढ़ सकती। ठीक इसी तरह ज्ञान और प्रतिभा होने के बावजूद आत्मविश्वास की कमी व्यक्ति को अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल करने से रोक देती है। खुद से यह कहना कि मैं यह काम कर सकता हूं ही आत्मविश्वास की पहली सीढ़ी है।

अभ्यास से बढ़ता है भरोसा

आत्मविश्वास जन्म से नहीं मिलता, बल्कि निरंतर अभ्यास और सकारात्मक सोच से विकसित होता है। जिस काम की जितनी अच्छी तैयारी होगी, उसे लेकर डर उतना ही कम होगा। इसलिए किसी भी लक्ष्य की तैयारी को आत्मविश्वास बढ़ाने का सबसे मजबूत आधार माना जा सकता है।

छोटे लक्ष्य से करें शुरुआत

बड़े सपने देखना अच्छी बात है, लेकिन उन्हें हासिल करने की शुरुआत छोटे कदमों से करें। रोजाना कोई छोटा लक्ष्य तय करें और उसे पूरा करने का प्रयास करें। हर छोटी सफलता आपके भीतर खुद पर भरोसा बढ़ाएगी।

दूसरों से तुलना न करें

सोशल मीडिया और आसपास के लोगों की सफलता देखकर खुद को कमतर समझना आत्मविश्वास कमजोर कर सकता है। याद रखें, हर व्यक्ति की क्षमता, परिस्थिति और सफलता का समय अलग होता है। अपनी तुलना दूसरों से नहीं, बल्कि अपने पिछले प्रदर्शन से करें।

असफलता को बनाएं सीख

असफलता अंत नहीं है। यह अपनी गलतियों को समझने और अगली कोशिश को बेहतर बनाने का अवसर है। असफल होने पर निराश होने के बजाय यह सोचें कि अगली बार क्या बेहतर किया जा सकता है।

आत्मविश्वास और अहंकार में अंतर

आत्मविश्वास का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति खुद को सबसे बेहतर समझे। अहंकार कहता है, मैं ही श्रेष्ठ हूं, जबकि आत्मविश्वास कहता है, मैं भी कर सकता हूं। यही सकारात्मक सोच सफलता की राह मजबूत करती है।

प्रियंका दुबे
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर

स्कूल प्रोजेक्ट को बनाएं करियर की पहली सीढ़ी

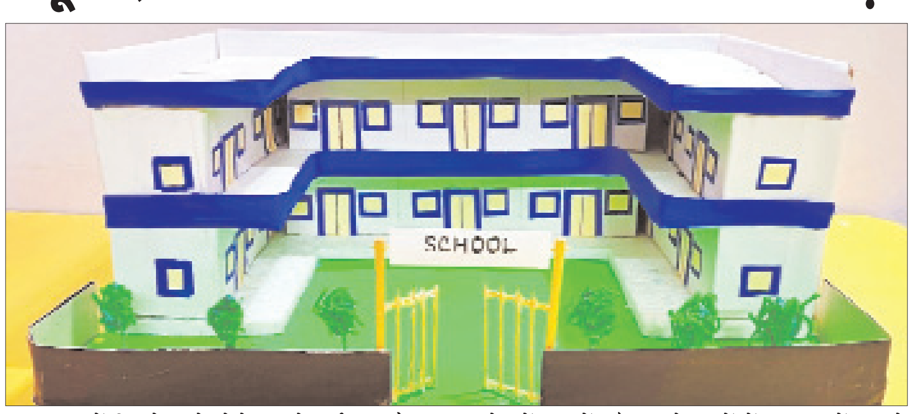

स्कूल में मिलने वाले प्रोजेक्ट को कई छात्र केवल परीक्षा या ग्रेड के लिए पूरा किया जाने वाला काम मानते हैं। जबकि सही तरीके से किया गया एक प्रोजेक्ट भविष्य के करियर की दिशा समझने में मदद कर सकता है। प्रोजेक्ट के दौरान छात्र किसी विषय पर जानकारी जुटाते हैं, सवालों के जवाब खोजते हैं, अपनी सोच को व्यवस्थित करते हैं और उसे दूसरों के सामने प्रस्तुत करते हैं। यही छोटी-छोटी गतिविधियां आगे चलकर करियर के लिए जरूरी स्किल्स विकसित करती हैं।

रुचि पहचानने का अवसर

प्रोजेक्ट बनाते समय ध्यान दें कि किस तरह के विषय में आपकी दिलचस्पी सबसे ज्यादा है। विज्ञान के प्रयोग, इतिहास की घटनाएं, पर्यावरण, कंप्यूटर, लेखन, कला या सामाजिक विषयों में से किस काम को करते हुए आपको उत्साह महसूस होता है? यही रुचि आगे करियर का संकेत बन सकती है।

रिसर्च की आदत डालें

किसी भी प्रोजेक्ट को बेहतर बनाने के लिए जानकारी जुटाना जरूरी है। किताबों, विश्वसनीय वेबसाइटों और विशेषज्ञों से जानकारी लेकर तथ्यों को समझें। केवल इंटरनेट से सामग्री कॉपी करने के बजाय उसे पढ़ें, समझें और अपने शब्दों में प्रस्तुत करें। इससे रिसर्च और विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।

टीमवर्क से सीखें

ग्रुप प्रोजेक्ट छात्रों को टीम के साथ काम करना सिखाते हैं। काम बांटना, दूसरे की बात सुनना, समय पर जिम्मेदारी पूरी करना और मतभेदों को सुलझाना भविष्य के हर क्षेत्र में उपयोगी है। टीमवर्क की यही आदत आगे नौकरी और प्रोफेशनल जीवन में काम आती है।

प्रेजेंटेशन का अभ्यास करें

अच्छा प्रोजेक्ट तभी प्रभावी होता है, जब उसे सही तरीके से प्रस्तुत भी किया जाए। कक्षा के सामने बोलना, सवालों का जवाब देना और अपनी बात स्पष्ट तरीके से रखना छात्रों के कम्युनिकेशन और पब्लिक स्पीकिंग स्किल्स को मजबूत करता है।

हर प्रोजेक्ट से कुछ नया सीखें

प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद खुद से पूछें मैंने क्या सीखा? कौन-सी समस्या आई और उसे कैसे हल किया? किस काम में सबसे ज्यादा रुचि लगी? इन सवालों के जवाब आपको अपनी ताकत और पसंद समझने में मदद करेंगे।

शब्द पहेली - 8973

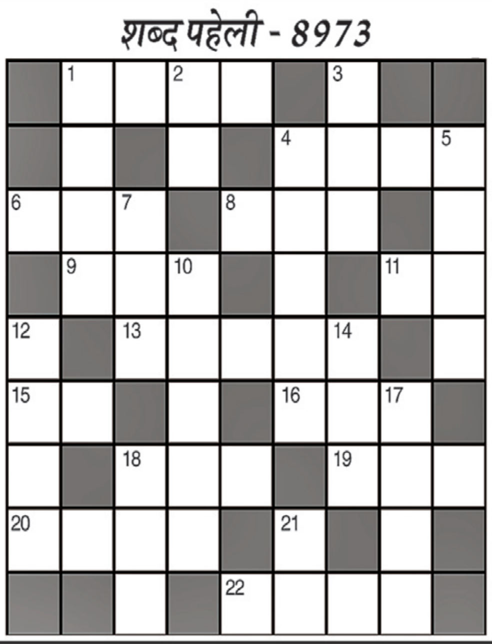

बाएँ से दाएँ

1. ईश्वरीय कृपा-4
4. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6. दुर्बल का विलोम-3
8. सुनसान, नीरव-3
9. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11. घोषवाक्य-2
13. चित्रपट, मायानगरी -3,2
15. सूर्य, भास्कर-2
16. उपनदी, कैनाल-3
18. व्यंग, परिहास-3
19. कौर, ग्रास-3
20. दफन करना-4
22. भूल, असावधानी-4

ऊपर से नीचे

1. अगुवा, रास्ता दिखाने वाला-4
2. सरुर, नशा, गरुर-2
3. चिंतन, विचारना-3
4. परजन भावना, गैरपन-5
5. भिड़ना, मुठभेड़-4
7. रेखा, लाईन-3
10. झाग बनना-5
12. सीमा, हद, बॉर्डर-4
14. शाखा, डाली-3
17. रिवाज, परंपरा-4
18. पाबंदी, रोक-3
21. स्वच्छ-2

शब्द पहेली -8972 का हल

ह	ज	र	त		क	र	त	ब
र	न		र	म	ल		था	ह
द			ल		म	त		ला
म	हा	न		म	ना	क	र	ना
		र		ना		रा		
हा	थ	मा	र	ना		र	स	द
स		ई	ख		र			ल
नि	त		वा	द	क		क	द
क	र	ब	ला		म	ल	म	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

नेशनल लोक अदालत का वकीलों ने किया बहिष्कार

सेशन कोर्ट शुरू करने की मांग को लेकर जताया विरोध

कटंगी(स्वतंत्र मत)।

व्यवहार न्यायालय कटंगी में शनिवार 12 सितंबर को आयोजित नेशनल लोक अदालत अधिवक्ताओं के विरोध के साए में शुरू हुई। न्यायिक मजिस्ट्रेट शबाना खान ने सुबह साड़े 11 बजे मां सरस्वती के छायाचित्र का पूजन कर लोक अदालत का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान न्यायालय के कर्मचारी, राजस्व, विद्युत, बैंक, नगर परिषद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी सहित पक्षकार मौजूद रहे, लेकिन कटंगी के अधिवक्ताओं ने लोक अदालत से पूरी तरह दूरी बना ली। कटंगी अधिवक्ता संघ ने एकजुट होकर लोक अदालत का बहिष्कार किया और न्यायालय परिसर में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर विरोध दर्ज कराया। अधिवक्ताओं का कहना है कि यह विरोध किसी व्यक्ति या व्यवस्था के खिलाफ नहीं, बल्कि कटंगी क्षेत्र की आम जनता के हित में है। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष के.एस. पटले ने बताया कि कटंगी में सेशन कोर्ट शासन द्वारा कई वर्ष पूर्व ही स्वीकृत किया जा चुका है। इसके लिए इमारत निर्माण हेतु जमीन का आवंटन भी हो चुका है, जगह भी चिन्हित है। इसके बावजूद आज तक कटंगी में एडीजे कोर्ट शुरू नहीं हो पाया है। वर्तमान में कटंगी के लिए नियुक्त एडीजे वारासिवनी में बैठ रहे हैं। इस कारण कटंगी तहसील के पक्षकारों और अधिवक्ताओं को प्रत्येक सुनवाई के लिए 30 किलोमीटर दूर वारासिवनी न्यायालय जाना पड़ता है। इससे गरीब और ग्रामीण पक्षकारों पर समय और आर्थिक बोझ दोनों बड़ रहा है।

अधिवक्ता संजय खोबरागड़े ने कहा, कटंगी क्षेत्र बहुत विस्तृत है। हमारे यहां 50 किलोमीटर दूर के गांवों से लोग न्याय के लिए आते हैं। गोरेघाट और अंबेझरी जैसे दूरस्थ अंचलों से आने वाले एक गरीब व्यक्ति को जब वारासिवनी जाना पड़ता है, तो उसका पूरा दिन खराब हो जाता है, अतिरिक्त किराया-भाड़ा लग जाता है। न्याय सस्ता और सुलभ होना चाहिए, लेकिन यहां महंगा हो रहा है। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि शासन-प्रशासन की लापरवाही और उदासीनता के कारण वर्षों से लंबित यह मांग पूरी नहीं हो पा रही है।

अधिवक्ताओं के बहिष्कार के कारण लोक अदालत में अपेक्षित संख्या में प्रकरणों का निराकरण नहीं हो सका। हालांकि राजस्व और बैंक रिकवरी के छोटे मामलों में विभागीय अधिकारियों ने समझौता कराया, लेकिन मोटर दुर्घटना दावा, पारिवारिक विवाद, सिविल और आपराधिक शमनीय प्रकरणों में वकीलों के अभाव में पक्षकार असहाय नजर आए।

क्रिएटिव इंटरनेशनल एकेडमी में धूमधाम से मनाया गया तान्हा पोला उत्सव

सजे-धजे नंदियों ने मोहा मन, बच्चों की रचनात्मकता को मिला सम्मान

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। स्थानीय क्रिएटिव इंटरनेशनल एकेडमी, किन्ही में शनिवार, 12 सितंबर को स्कूली बच्चों द्वारा पारंपरिक तान्हा पोला उत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने मिट्टी और लकड़ी से तैयार नंदियों को आकर्षक तरीके से सजाकर अपनी कला एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। सजे-धजे नंदियों ने सभी का मन मोह लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य तुलमोहन भोयर एवं मैनेजर रीता भोयर ने किया। उन्होंने बच्चों द्वारा लाए गए नंदी स्वरूपों को तिलक लगाकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इसके बाद बच्चों का मुंह मीठा कराते हुए उन्हें तान्हा पोला पर्व की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर शाला परिवार के सभी शिक्षकों ने बच्चों को पर्व के पारंपरिक, कृषि एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। शिक्षकों ने बताया कि पोला पर्व किसानों और पशुधन के बीच जुड़ाव तथा बैलों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना को दर्शाता है।कार्यक्रम के दौरान नंदियों की आकर्षक सजावट के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों ने रंग-बिरंगे कपड़ों, आभूषणों और अन्य सजावटी सामग्री से नंदियों को बेहद सुंदर रूप दिया। उनकी कलात्मक प्रतिभा और उत्साह देखते ही बन रहा था। बेहतरीन सजावट एवं प्रस्तुति के आधार पर निर्णायक मंडल ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान का चयन किया। विजेता बच्चों को संस्था प्रमुखों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। संस्था प्रमुख ने बच्चों के उत्साह, रचनात्मक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ उनकी प्रतिभा को निखारने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

अवैध शराब ब्रिक्री और आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ पुलिस दिखा रही सख्ती

पुलिस ने सावरगांव में डाला डेरा, बनाई अस्थाई चौकी

कटंगी(स्वतंत्र मत)। सागर जिले में जहरीली शराब के सेवन से करीब 30 लोगों की मौत के बाद पूरे प्रदेश और देश में हड़कंप मचा हुआ है। इस हृदय विदारक घटना ने मध्यप्रदेश पुलिस को एक बार फिर सख्ती के साथ अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाने के लिए मजबूर कर दिया है। सागर हादसे का असर अब बालाघाट जिले में भी साफ दिखाई दे रहा है। बालाघाट पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में जिले की तिरोड़ी पुलिस ने अवैध कच्ची शराब के खिलाफ विशेष अभियान शुरू कर दिया है। इस अभियान के केंद्र में है तिरोड़ी थाना क्षेत्र का बदनाम ग्राम सावरगांव, जहां अवैध महुआ शराब का कारोबार बड़े पैमाने पर फलते-फूलते रहा है। तिरोड़ी पुलिस ने सावरगांव में ही डेरा डाल दिया है। ग्रामीणों और पुलिस सूत्रों के अनुसार, सावरगांव में बड़ी मात्रा में अवैध तरीके से हाथ भट्टी महुआ की कच्ची शराब बनाई और बेची जाती है। यहां से शराब आसपास के गांवों सहित पूरे ग्रामीण अंचल में सप्लाई की जाती है। थाना प्रभारी ने बताया कि सावरगांव को शराब मुक्त, नशा मुक्त और अपराध मुक्त बनाने के संकल्प के साथ चलाए जा रहे ग्राम चौपाल अभियान का सकारात्मक असर अब जमीन पर दिखने लगा है। ग्रामीणों में अपराधों के प्रति जागरूकता बड़ी है और अब गांव में कोई भी अवैध गतिविधि होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दी जा रही है। इसी जागरूकता का परिणाम है कि बीती रात ग्राम सावरगांव में जुआ खेल रहे 4 आरोपियों को पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 12 सितंबर की रात साड़े 12 बजे सुरेन्द्र नगपुरे, रामेश्वर नेवारे, रंजीत रनगिरे, संजय उदापुरे सभी निवासी ग्राम सावरगांव को गिरफ्तार किया गया। जिनके खिलाफ धारा 13 जुआ एक्ट की कार्रवाई की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन पर सावरगांव में ही अस्थाई पुलिस चौकी स्थापित कर दी गई है। इस चौकी का उद्देश्य सिर्फ सावरगांव ही नहीं, बल्कि आसपास के उन सभी गांवों पर 24 घंटे निगरानी रखना है, जहां-जहां अवैध तरीके से कच्ची शराब बनाई जाती है। तिरोड़ी थाना प्रभारी विजय राजपूत खुद लगातार ग्रामीण अंचलों का दौरा कर रहे हैं।

बैगा अंचल पहुंचकर दीपके ने की पीड़ित परिवार से मुलाकात

इंफ्लुसंरो से हुआ विवाद, सवालो का बिना जवाब दिये चल पड़े अभिजीत दीपके

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले के आदिवासी अंचलों में बैगा बच्चों की मौत के मामले को लेकर सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके 12 सितंबर को बालाघाट पहुंचे और बैगा अंचल के प्रभावित गांवो का दौरा करके पीड़ित परिवारो से मुलाकात की। इस दौरान उन्होने सिर्फ एक ही पीड़ित परिवार से योजनाओं के संदर्भ में जानकारी ली और समस्याओं और परिस्थितियों की जानकारी ली। लेकिन उसके बाद वे किसी भी परिवार से नही मिल पाये, क्योकि उन्हे कुछ कथित पत्रकारो ने घेर लिया और पूरा माहौल खराब कर दिया। जहां विवाद जैसी स्थिति भी बनी। आरोप है कि प्रभावित ग्राम में बाहर से आए कुछ सोशल मीडिया इंफ्लुएंसरों ने उन्हें पीड़ित परिवारों से मिलने से रोकते हुए आपत्ति जताई और कहा कि वे लाशों पर राजनीति करने आए हैं। इस दौरान अभिजीत दिपके ने देरी के लिए माफी भी मांगी। लेकिन इन्फ्लुसरो के अटपटे सवालो ने दीपके को बचकर निकलने पर विवश कर दिया गया। इसके बाद घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

हालांकि दीपके जब बालाघाट पहुंचे थे, तो उन्होने शहर में ही मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा की थी। जहां सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि वे बच्चों की मौत से काफी प्रभावित हुए है। उनकी सवेंदना पीड़ित परिवारो के साथ है। उनके लिए आगे जो भी संभव होगा, वह करने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों की मौत के मामले में जिम्मेदारी तय होना चाहियें। साथ ही उन्होंने इस पूरे मसले को लेकर बड़े आंदोलन के संकेत भी दिए। दीपके के मुताबिक, बालाघाट के आदिवासी युवाओं से पहले भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी, लेकिन अब उन्हें पुलिस द्वारा परेशान किए जाने की बात सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी युवा पीछे हटने वाले नहीं हैं और यह लड़ाई लंबी चलेगी। जानकारी के अनुसार, अभिजीत दीपके सुबह बालाघाट पहुंचे और फिर अपने साथियों व आदिवासी युवाओं के साथ सुबह 10 बजे करीब अडोरी, कोरका और बोनदारी सहित अन्य प्रभावित गांव पहंचे। जहां उनके दौरे को लेकर आदिवासी क्षेत्र के युवाओं में भी सक्रियता दिखाई दी। लेकिन मौके पर उनका कुछ कथित पत्रकारो (इंफ्लुसंरो) से सामना हुआ, जहां इंफ्लुसंरो ने अनर्गल सवाल सवाल पूछे, जिसके बाद वहां हॉकटाक भी हुई। लेकिन दीपके ने संवेदनशीलता का परिचय दिया और वहां से रवाना हो गये। इस दौरान भी इंफ्लुसंरो द्वारा उन्हे अशोभनीय शब्दो से संबोधित किया गया। याने कुलमिलाकर दीपके का भ्रमण सफल नही हो पाया और पूरा दौरान प्रभावित कर दिया गया। जिसका थिठरा बालाघाट के पत्रकारो पर फोडा गया। जो बडी बहस का विषय बन गया है।

पीएम श्री शासकीय हाईस्कूल डाइट बालाघाट में विद्यार्थियों ने बनाए इको फ्रेंडली गणेश

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। पीएम श्री शासकीय हाईस्कूल डाइट में शनिवार को बैग लेस डे एक्टिविटी के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं का निर्माण किया गया। इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता के साथ उनकी रचनात्मक एवं सृजनात्मक क्षमता को बढ़ावा देना रहा।

विद्यार्थियों ने पत्तियों, फूलों, अनाज, आटा सहित प्राकृतिक एवं आसानी से उपलब्ध सामग्री का उपयोग कर आकर्षक गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं। इसके साथ ही फूलों की माला और आम के पत्तों से पारंपरिक तोरण को भी नए एवं रचनात्मक स्वरूप में तैयार किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता का प्रदर्शन करते हुए अलग-अलग आकार और रूप में इको फ्रेंडली सजावटी सामग्री बनाई। गतिविधि के समापन पर विद्यार्थियों की बनाई गई कलाकृतियों का अवलोकन किया गया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

इको क्लब प्रभारी नीता पटले एवं सांस्कृतिक प्रभारी ललिता चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित इस गतिविधि में शाला के समस्त विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने पर्यावरण अनुकूल सामग्री के महत्व को समझने के साथ अपने सृजन कौशल, कल्पनाशक्ति और कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले में शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार एवं शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशन में लगातार शैक्षिक संवाद एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार तथा उमरिया जिले में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के प्राचार्य के मार्गदर्शन में कक्षा 1 से 5 के लिए जिला स्तरीय शैक्षिक संवाद उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन डाइट परिसर में किया गया। कार्यक्रम में इस माह की निर्धारित विषय-वस्तु 'सीखने के लिए आकलन' पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। प्रशिक्षण के दौरान आकलन की अवधारणा, उसकी आवश्यकता तथा विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को समझने में उसकी भूमिका पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। सहजकर्ताओं को विषय की बारीकियों एवं व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया गया, ताकि वे आगामी शनिवार को जनशिक्षा केंद्र स्तर पर आयोजित होने वाले शैक्षिक संवाद में शिक्षकों को प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।

33 जनशिक्षा केंद्रों से सहजकर्ता हुए शामिल-जिले के सभी 33 जनशिक्षा केंद्रों से सहजकर्ताओं ने जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम में सहभागिता की। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य विनोद कुमार मनवारे एवं प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. ब्रजेश शर्मा का कार्यक्रम में विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वहीं मास्टर ट्रेनर के रूप में राजकुमार यादव एवं श्रीमती रूपा द्विवेदी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए प्रतिभागियों को विषय-वस्तु से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम में जिले के सभी जनशिक्षा केंद्रों से जनशिक्षक एवं सहजकर्ता उपस्थित रहे। इस जिला स्तरीय उन्मुखीकरण का उद्देश्य शैक्षिक संवाद को जनशिक्षा केंद्र स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाना है।

भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ के संगठन प्रभारी राहुल सिंह राणा पहुंचे बांधवगढ़

संभागीय एवं जिला पदाधिकारियों ने किया आत्मीय स्वागत, भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट कर सम्मान

मानपुर (स्वतंत्रमत)। भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ इकाई मध्यप्रदेश के संगठन प्रभारी राहुल सिंह राणा के मानपुर-बांधवगढ़ आगमन पर पत्रकार साथियों एवं संगठन के पदाधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर संगठन की गतिविधियों, पत्रकारों की एकजुटता तथा पत्रकार हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा भी हुई। मानपुर आगमन पर संभागीय कार्यकारिणी अध्यक्ष महेंद्र मिश्रा एवं उमरिया जिला सदस्यता प्रभारी कृष्ण कुमार उपाध्याय के साथ नीतिश सिंह परिहार, हरिओम गुप्ता सहित अन्य पत्रकार साथियों ने राहुल सिंह राणा का स्वागत किया। इस दौरान संगठन के सदस्यों ने आपसी समन्वय और संगठन को मजबूत बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया। स्वागत समारोह के दौरान पत्रकार साथियों की ओर से भगवान श्रीराम की सुंदर प्रतिमा भेंट कर राहुल सिंह राणा का सम्मान किया गया। भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट किए जाने के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने इसे भारतीय संस्कृति, आस्था और मर्यादा का प्रतीक बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

पत्रकारों की एकजुटता पर दिया जोर-इस अवसर पर संगठन प्रभारी राहुल सिंह राणा ने पत्रकार साथियों से संवाद करते हुए कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार है। पत्रकारों को आपसी समन्वय एवं एकजुटता के साथ समाज और आमजन से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाना चाहिए। उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने तथा अधिक से अधिक पत्रकारों को संगठन से जोड़ने पर भी जोर दिया। संभागीय कार्यकारिणी अध्यक्ष महेंद्र मिश्रा एवं उमरिया जिला सदस्यता प्रभारी कृष्ण कुमार उपाध्याय ने संगठन प्रभारी के मानपुर आगमन पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे संवाद और मुलाकातों से पत्रकार साथियों के बीच आपसी समन्वय बढ़ता है तथा संगठन को नई ऊर्जा मिलती है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पत्रकार साथियों ने संगठन की आगामी गतिविधियों एवं सदस्यता अभियान को लेकर भी चर्चा की। सभी ने पत्रकारों के हित में एकजुट होकर कार्य करने और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर महेंद्र मिश्रा, कृष्ण कुमार उपाध्याय, नीतिश सिंह परिहार, हरिओम गुप्ता सहित भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ से जुड़े अनेक सदस्य एवं पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

बीमारी से परेशान महिला ने कुएं में लगाई छलांग, मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम फुलचुर में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब गांव के पास स्थित सार्वजनिक कुएं में एक महिला का शव दिखाई दिया। सूचना मिलते ही खैरलांजी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी भेजा। पोस्टमार्टम के बाद करीब 11 बजे शव परिजनों को सौंप दिया गया।

न्यायालय तहसीलदार, तहसील बिरसा, जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/856/प्रवा0/तह./2026
बिरसा, दिनांक 03/09/2026

-:: सूचना ::-

विषयांतर्गत के संबंध में लेख है कि आवेदक विभाग प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय मलाजखंड के द्वारा मौजा पिंडकेपार, ठें. रा.नि.मं. बिरसा, तहसील बिरसा, जिला- बालाघाट में स्थित हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड भारत सरकार उपक्रम के नाम से दर्ज भूमि खसरा नंबर 24 रकबा 4.050 हें. में से 0.900 हें., खसरा नंबर 23 रकबा 4.099 हें. में से 0.880 हें., खसरा नंबर 26 रकबा 4.138 हें. में से 0.680 हें. एवं खसरा नंबर 30 रकबा 0.109 हे. में से 0.040 हें., कुल रकबा 2.500 हें. भूमि खेल मैदान निर्माण हेतु भूमि आवंटित संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बैहर के माध्यम से इस न्यायालय में जांच हेतु प्रकरण मूलतः प्राप्त हुआ है।

उक्त खसरों की भूमि के आवंटन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्ति दिनांक 18/09/2026 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। ध्यान रहे समयावधि समाप्त हो जाने के उपरांत प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

अतः उक्त ईश्तहार आज 03/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुद्रा सहित जारी किया हैं।

जारी दिनांक: 03/09/2026
पेशी दिनांक: 18/09/2026

तहसीलदार
बिरसा

मानपुर में फूड व्हीकल के साथ सघन जांच, अमानक खाद्य पदार्थ कराए गए नष्ट

मिलावटी एवं एक्सपायरी खाद्य सामग्री के खिलाफ कार्रवाई, दुकानदारों को स्वच्छता और गुणवत्ता का ध्यान रखने की समझाइश

उमरिया (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर उमरिया के निर्देशन में जिले में मिलावटी, अमानक एवं एक्सपायरी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार 11 सितंबर को खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा खाद्य सुरक्षा वाहन (फूड व्हीकल) के साथ मानपुर के साप्ताहिक बाजार पहुंचीं। यहां विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों एवं दुकानों पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की गई। अभियान के दौरान विशेष रूप से दूध एवं मिल्क प्रोडक्ट्स की गुणवत्ता की जांच को प्राथमिकता दी गई।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने दूध, दही, मक्खन, खोवा, घी सहित अन्य दुग्ध उत्पादों के नमूने लेकर खाद्य सुरक्षा वाहन में उपलब्ध जांच सुविधा के माध्यम से मौके पर ही उनकी जांच की। इस दौरान दुकानदारों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने, मिलावट से बचने तथा खाद्य सामग्री को उचित तरीके से सुरक्षित रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

शिव होटल में मिठाइयों की जांच

मानपुर बस स्टैंड स्थित शिव होटल में टीम द्वारा दूध से तैयार होने वाली मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों की जांच की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने होटल में कार्यरत कारीगरों एवं कर्मचारियों को खाद्य पदार्थ तैयार करते समय स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की समझाइश दी। कर्मचारियों को ग्लब्ज पहनकर खाद्य सामग्री तैयार करने, हाथों की साफ-सफाई रखने तथा खाद्य पदार्थों को दूषित होने से बचाने के निर्देश दिए गए।

स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को भी दी गई समझाइश

बस स्टैंड क्षेत्र में चाट, फुल्की, चाउमीन सहित अन्य स्ट्रीट फूड का विक्रय करने वाले ठेले एवं दुकानों की भी जांच की गई। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने विक्रेताओं को खाद्य पदार्थों को ढंककर रखने तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की समझाइश दी। साथ ही ग्राहकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश दिए गए।

खोवा एवं दूध की भी हुई जांच

अभियान के दौरान अनुज खोवा वाले के यहां पहुंचकर मावाध्खोवा की जांच की गई। इसके अलावा चिलिंग मिल्क कलेक्शन सेंटर पर भी दूध की गुणवत्ता की जांच की गई। टीम द्वारा विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए, जिन्हें नियमानुसार जांच प्रक्रिया के लिए लिया गया।

एक्सपायरी बिस्किट नष्ट कराए, दुकानदार को चेतावनी

जांच अभियान के दौरान ब्रजनाथ किराना स्टोर पर एक्सपायरी खाद्य सामग्री पाए जाने पर कार्रवाई की गई। यहां 50 पैकेज एक्सपायरी बिस्किट को नष्ट कराया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने दुकानदार को भविष्य में एक्सपायरी खाद्य सामग्री का भंडारण एवं विक्रय नहीं करने की सख्त समझाइश दी। साथ ही दुकान में रखी मैदा, तेल एवं शक्कर के नमूने भी जांच के लिए लिए गए।

कार्तिक डेयरी में अमानक दही-पनीर नष्ट-अभियान के दौरान कार्तिक डेयरी में भी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की गई। जांच में 5 किलो दही एवं 1 किलो पनीर अमानक पाए जाने पर मौके पर ही नष्ट कराया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई से खाद्य कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति रही।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा ने खाद्य कारोबारियों को स्पष्ट रूप से समझाइश दी कि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना उनकी जिम्मेदारी है। खाद्य पदार्थों में मिलावट, अमानक सामग्री अथवा एक्सपायरी उत्पादों का विक्रय पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग द्वारा जिले में इस तरह की जांच एवं कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहने की बात कही गई।

मां तुझे प्रणाम के आवेदन 22 सितंबर तक आमंत्रित

उमरिया (स्वतंत्रमत) - खेल एवं युवा कल्याण विभाग की राष्ट्रवाद की भावना से ओत प्रोत महत्वाकांक्षी योजना मां तुझे प्रणाम के तहत वर्ष 2026 27 में अनुभव यात्रा पर जाने के लिए आवेदन जिले के 03 (तीनों) विकासखण्डों के युवक..युवतियों से 09 सितंबर 2026 से 22 सितंबर 2026 तक तक आमंत्रित किये गये हैं।

दाखिल खारिज पंजी को बना दिया स्कॉलर रजिस्टर, जिला शिक्षा समिति अध्यक्ष ने पकड़ी गड़बड़ी, उच्च स्तरीय जांच को लेकर लिखा पत्र

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों के महत्वपूर्ण शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत अभिलेखों के संधारण को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं जिला शिक्षा समिति अध्यक्ष कमलेश तेकाम ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल खड़े करते हुए आरोप लगाया है कि जिले के कई सरकारी विद्यालयों में मुख्य कॉलर रजिस्टर का विधिवत संधारण नहीं किया जा रहा है। इसके स्थान पर साधारण दाखिल-खारिज पंजी को ही स्कॉलर रजिस्टर बताकर रिकॉर्ड व्यवस्था चलाने की कथित कोशिश की जा रही है श्री तेकाम ने इसे महज कागजी लापरवाही नहीं बल्कि विद्यार्थियों के स्थायी शैक्षणिक रिकॉर्ड से जुड़ा गंभीर प्रशासनिक विषय बताते हुए पूरे मामले की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच मांग की है उन्होंने प्रदेश स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायती पत्र भेजकर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की जांच

तथा दोष सिद्ध होने पर अनुशासनात्मक एवं वैधानिक कार्रवाई की मांग उठाई है श्री तेकाम के अनुसार हाल ही में किए गए मैदानी निरीक्षण के दौरान शासकीय विद्यालयों में अभिलेख संधारण की स्थिति को लेकर कई गंभीर सवाल सामने आए। उनका दावा है कि कुछ विद्यालयों में वह रजिस्टर ही उपलब्ध नहीं मिला जिसे विद्यार्थियों के प्रवेश अध्ययन और विद्यालय से मुक्ति संबंधी स्थायी रिकॉर्ड के रूप में संधारित किया जाना चाहिए उन्होंने सवाल उठाया कि यदि किसी विद्यार्थी के प्रवेश स्थानांतरण विद्यालय छोड़ने तथा अन्य महत्वपूर्ण विवरणों का स्थायी रिकॉर्ड ही व्यवस्थित रूप से सुरक्षित नहीं रहेगा तो आने वाले समय में विद्यार्थी के शैक्षणिक इतिहास की प्रमाणिकता कैसे सुनिश्चित होगी यही नहीं रिकॉर्ड में किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न होने पर वास्तविक दस्तावेज के अभाव में जिम्मेदारी तय करना भी मुश्किल हो सकता है कुछ स्थानों पर सामान्य दाखिल-खारिज रजिस्टर को ही स्कॉलर रजिस्टर के रूप में प्रस्तुत किए जाने की बात सामने आई है। इस व्यवस्था पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि अलग-अलग अभिलेखों की अपनी प्रशासनिक उपयोगिता और निर्धारित प्रक्रिया होती है। केवल नाम बदलकर या एक रजिस्टर को दूसरे के विकल्प के रूप में प्रस्तुत कर देने से नियमों की पूर्ति नहीं हो जाती उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से यह स्पष्ट करने की मांग की है कि जिले के प्रत्येक शासकीय विद्यालय में निर्धारित अभिलेखों का संधारण किस स्थिति में है कितने विद्यालयों में रिकॉर्ड उपलब्ध हैं और कितने विद्यालयों में रिकॉर्ड अधूरा या अनुपलब्ध है। मध्यप्रदेश शिक्षा संहिता के नियम 163 का हवाला देते हुए कहा कि विद्यालयों में प्रवेश एवं मुक्ति संबंधी पंजी महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसका व्यवस्थित एवं सुरक्षित संधारण किया जाना आवश्यक है। उनका आरोप है कि यदि निर्धारित अभिलेखों का संधारण नहीं किया जा रहा है तो यह नियमों की गंभीर अनदेखी का मामला है सरकारी स्कूलों में बच्चों का रिकॉर्ड किसी सामान्य कागज की तरह नहीं है बल्कि यह उनके भविष्य से जुड़ा दस्तावेज है। विद्यार्थियों की शैक्षणिक यात्रा प्रवेश विद्यालय परिवर्तन और अन्य आवश्यक विवरणों का रिकॉर्ड सुरक्षित रहना जरूरी है शिक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी कमलेश तेकाम ने सवाल उठाए उन्होंने कहा कि यदि विद्यालयों में निर्धारित रजिस्टरों का संधारण नहीं हो रहा है और निरीक्षण के बावजूद ऐसी कमियां सामने नहीं आतीं तो यह केवल स्कूल स्तर की गलती नहीं मानी जा सकती। इससे विभागीय निरीक्षण प्रणाली की प्रभावशीलता पर भी सवाल उठते हैं उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि जिले में यदि वर्षों से अभिलेखों के रख-रखाव में ऐसी स्थिति बनी हुई है तो जिम्मेदार अधिकारी आखिर क्या कर रहे थे क्या विद्यालयों का नियमित निरीक्षण केवल औपचारिकता बनकर रह गया है क्या निरीक्षण के दौरान रजिस्टरों की वास्तविक जांच की जाती है या सिर्फ खानापूर्ति कर रिपोर्ट तैयार कर दी जाती है कमलेश तेकाम ने मांग की है कि केवल एक-दो विद्यालयों का निरीक्षण कर मामले को समाप्त करने के बजाय जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में अभिलेखों की विशेष जांच कराई जाए जांच के दौरान यह देखा जाए कि प्रत्येक विद्यालय में निर्धारित प्रवेश एवं मुक्ति संबंधी पंजी उपलब्ध है या नहीं। रजिस्टर नियमित रूप से संधारित किए जा रहे हैं या नहीं।

दिखवाई हनुमान अंश फिल्म

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पूज्य सिंधी पंचायत की ओर से सामाजिक जनों को स्थानीय मल्टीप्लेक्स में हनुमान अंश फिल्म दिखाई गई। फिल्म देखने के लिए समाज के वरिष्ठ नागरिक पुरुष महिलाएं बच्चे और युवा बड़ी संख्या में पहुंचे। आयोजन को लेकर सामाजिक जनों में खासा उत्साह नजर आया पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष पारस असरानी ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य समाज में सनातन संस्कृति भारतीय संस्कारों और धार्मिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

बैठक में दिए निर्देश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर ने कहा कि जिले में 17 सितंबर से सेवा संकल्प अभियान का विधिवत शुभारंभ किया जायेगा। अभियान के तहत जिले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान रक्तदान शिविर का भी आयोजन होगा जिसमें सभी जिलाधिकारी एवं उनके अधिनस्थ अमला रक्तदान कर दूसरों को भी प्रेरित करेंगे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को इस शिविर हेतु तैयारियाँ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बीमारियों पर दिए आदेश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर ने वर्तमान मौसम को देखते हुए मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध रहें तथा संबंधित अनुविभागीय अधिकारी के नेतृत्व में समस्त अमला बीमारियों की रोकथाम के लिए जागरूकता एवं आवश्यक गतिविधियां प्रभावी रूप से संचालित करें।

सह प्रशिक्षण में दिए निर्देश

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गयी। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में आयोजित इस प्रशिक्षण सह बैठक में भू-अर्जन पुनर्वास पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार विषय पर सभी राजस्व अधिकारियों का उन्मुखीकरण किया गया। एसडीएम नैनपुर आशुतोष ठाकुर ने सभी राजस्व अधिकारियों को पीपीटी के माध्यम से नये सर्कुलर के प्रावधानों के विषय में अवगत कराया। उन्होंने सभी 4 शेड्यूल और 114 धाराओं के अन्तर्गत की जाने वाली प्रशासनिक प्रक्रिया भू-स्वामी की परिभाषा, प्रभावित कुटुम्ब, वनोपज संग्राहक परिवार, समुचित सरकार की शक्तियों सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

निःशुल्क होगी स्वामित्व रजिस्ट्री

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन कार्यक्रम-2026 की तैयारियों के संबंध में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के कमिश्नर्स एवं कलेक्टर्स को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में 17 सितम्बर से प्रारंभ हो रहा स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन कार्यक्रम-2026 मध्यप्रदेश शासन का अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है। इसके माध्यम से स्वामित्व के भू स्वामियों की निःशुल्क रजिस्ट्री कराई जायेगी। इसके लिए भू स्वामी को भटकना नहीं पड़ेगा।

सतर्कता जागरूकता पर ग्रामसभा

मण्डला(स्वतंत्र मत)। बैंक ऑफ इंडिया शाखा बीजाडांडी एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आजीविका कार्यालय ग्राम बीजाडांडी में सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत ग्रामसभा का आयोजन किया गया। सभा में साइबर अपराध डिजिटल अरेस्ट म्यूल अकाउंट मनी लॉन्ड्रिंग ओटीपी शेयरिंग रिश्वतखोरी और फर्जी लिंक्स से बचाव को लेकर जागरूक किया गया। यह कार्यक्रम केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार आयोजित किया गया।

घुघरी शराब दुकान में पहुंचा जांच दल

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)।

सागर जिले में जहरीली शराब के सेवन से हुई मौतों के बाद प्रशासन और आबकारी विभाग अलर्ट मोड पर है। इसी कड़ी में जिले के घुघरी अनुविभाग में प्रशासन ने शराब की दुकानों पर निगरानी बढ़ाते हुए शनिवार को अचानक जांच की। जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर एसडीएम घुघरी संस्कार बावरिया के नेतृत्व में एसडीओपी बिछिया एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने घुघरी स्थित शासकीय देशी एवं अंग्रेजी शराब दुकान का औचक निरीक्षण किया। अचानक पहुंची टीम ने दुकान में उपलब्ध शराब के स्टॉक से लेकर दस्तावेजों और बिक्री व्यवस्था तक की बारीकी से जांच की निरीक्षण के दौरान अधिकारियों

ने शराब दुकान में रखे स्टॉक रजिस्टर बिक्री रजिस्टर और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। टीम ने रजिस्टर में दर्ज स्टॉक और दुकान में मौजूद वास्तविक शराब के स्टॉक का मिलान भी किया। इसके अलावा शराब की बोतल पर अंकित बैच नंबर निर्माण एवं एक्सपायरी संबंधी विवरण तथा होलोग्राम की भी जांच की गई प्रशासन की टीम ने यह भी देखा कि दुकान में बिक्री के लिए रखी शराब निर्धारित मानकों के अनुरूप है या नहीं। संदिग्ध अथवा जांच की आवश्यकता वाले शराब के सैंपल भी जांच के लिए जब्त किए गए जिन्हें आगे परीक्षण के लिए भेजे जाने की प्रक्रिया की जा रही है संयुक्त टीम ने केवल शराब के स्टॉक तक ही जांच सीमित नहीं रखी बल्कि दुकान की संचालन व्यवस्था को भी जांच के दायरे में लिया। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति रेट लिस्ट के प्रदर्शन शराब बिक्री की व्यवस्था तथा दुकान के निर्धारित समय पर खुलने और बंद होने की जानकारी ली गई अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि शराब दुकानों पर नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर शराब की बिक्री, बिना अनुमति शराब उपलब्ध कराना अथवा दुकान के बाहर अवैध रूप से शराब पिलाने जैसी गतिविधियां पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी औचक निरीक्षण के बाद एसडीएम संस्कार बावरिया ने जिला आबकारी विभाग को घुघरी अनुविभाग की सभी शराब दुकानों की सघन जांच करने के निर्देश दिए।

सांभर का शिकार के आरोपी गए जेल

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

कान्हा टाइगर रिजर्व अंतर्गत बफर जोन वनमंडल के परिक्षेत्र सिझोरा की बीट कटंगी के ग्राम कटंगटोला में वन्यजीव अपराध के विरुद्ध की गई कार्यवाही में वन विभाग को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने वन्यजीव सांभर के शिकार के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया पोला पर्व के दौरान वन्यजीव अपराध की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए क्षेत्र संचालक एवं उपसंचालक कान्हा टाइगर रिजर्व के निर्देशानुसार बफर क्षेत्र में सघन गश्ती के साथ-साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया है। इसी क्रम में प्राप्त विश्वसनीय सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए वन विभाग की टीम द्वारा ग्राम कटंगटोला निवासी रामफल पिता इमरत, संतू पिता सुखधन एवं चैनसिंह पिता बैशाखू को वन्यजीव सांभर के शिकार के आरोप में गिरफ्तार किया गया आरोपियों से वन्यजीव सांभर का मांस एवं अन्य अवयव की जप्ती भी की गई हैं तीनों आरोपियों को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से उन्हें जिला जेल भेजे जाने के आदेश दिए गए उक्त कार्यवाही में अभिषेक दुबे परिक्षेत्र अधिकारी सिझोरा, दुर्गेश मरावी परिक्षेत्र सहायक मगधा, राजकुमार कुलस्ते परिक्षेत्र सहायक मांझीपुर, अभय परिहार, बीट प्रभारी कटंगी सहित अन्य वन अमले की भूमिका रही।

सीखी प्रतिमा निर्माण कला

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रीन गणेश अभियान का आयोजन किया गया। खुले एवं प्राकृतिक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा गणेश उत्सव को पर्यावरण हितैषी तरीके से मनाने का संदेश देना रहा। कार्यक्रम में डीपीसी अशोक शुक्ला, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव, पर्यावरणविद राजेश क्षत्री एवं पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम प्रभारी अखिलेश उपाध्याय सहित विद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मूर्तिकार एल.एल. चक्रवर्ती ने विद्यार्थियों को पर्यावरण हितैषी सामग्री से गणेश प्रतिमा बनाने की विधि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

धोखाधड़ी के आरोपी को पड़ी सजा

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

लोन दिलाने के नाम पर लोगों से राशि लेकर धोखाधड़ी करने वाले आरोपी प्रताप सिंह मार्को पिता बद्रीप्रसाद मार्को उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम अमझर थाना बम्हनी को न्यायालय ने दोषी ठहराया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री वत्सला प्रजापति ने आरोपी को 3 वर्ष के सश्रम कारावास तथा कुल 48 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया अभियोजन के अनुसार आरोपी ने वर्ष 2019 में स्टेट बैंक से 10 लाख रुपये का लोन दिलाने और 5 लाख रुपये की छूट दिलाने का झांसा देकर विभिन्न लोगों से 10 से 20 हजार रुपये तक की राशि ली थी। लोन नहीं मिलने पर पीड़ितों द्वारा राशि वापस मांगने पर आरोपी ने कुछ रकम लौटाई लेकिन पूरी राशि वापस नहीं की। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने ऐसे बैंक खाते का ब्लैंक चेक दिया जिसमें पर्याप्त राशि नहीं थी शिकायत की जांच के बाद थाना घुघरी में अपराध क्रमांक 40/22 के तहत धारा 420 भादवि में प्रकरण दर्ज कर विवेचना की गई। संपूर्ण विवेचना के बाद अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। सुनवाई के दौरान अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं तर्कों से सहमत होकर न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। प्रकरण में शासन की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी अंकिता अग्रवाल ने पैरवी की।

आलोक संघ की बैठक आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। लोधी क्षत्रिय समाज एवं आलोक संघ की संयुक्त बैठक आज दोपहर 12 बजे से आयोजित की गई है। बैठक गोंडी पब्लिक ट्रस्ट भवन रपटा महिष्मती घाट में होगी जिला मीडिया प्रभारी मंगलसिंह ठाकुर ने बताया कि बैठक में प्रतिभा सम्मान समारोह एवं अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी उन्होंने सभी सम्माननीय साथियों से बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

परामर्श बैठक में गजेन्द्र आमंत्रित

मण्डला। पारम्परिक चिकित्सा ज्ञान के संरक्षण दस्तावेजीकरण और वैज्ञानिक सत्यापन को लेकर 27 सितम्बर को नागपुर में पारम्परिक चिकित्सक राष्ट्रीय परामर्श बैठक-2026 आयोजित होगी। विज्ञान भारती के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में गजेन्द्र गुप्ता को विषय विशेषज्ञ एवं सम्मानित पारम्परिक चिकित्सक के रूप में आमंत्रित किया गया है बैठक में पारम्परिक चिकित्सा ज्ञान के दस्तावेजीकरण वैज्ञानिक अध्ययन जैव-विविधता, बौद्धिक सम्पदा अधिकार लाभ-साझाकरण और नीति निर्माण जैसे विषयों पर चर्चा होगी साथ ही गाथा ग्लोबल एलायंस फॉर ट्रेडिशनल हीलर्स एडवांसमेंट का औपचारिक शुभारंभ प्रस्तावित है।

सिद्धेश्वर धाम में अमावस्या पर अनुष्ठान

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

जिले के सुरंगदेवरी स्थित आध्यात्मिक केंद्र श्री सिद्धेश्वर धाम में भाद्र पद कृष्ण पक्ष की अमावस्या पर हवन-पूजन एवं विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में न केवल जिले से बल्कि दूर-दराज के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रृद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और धर्म लाभ अर्जित किया जानकारी अनुसार सिद्धेश्वर धाम के साईं भक्त पंडित ललित नारायण मिश्रा के सानिध्य में तड़के पांच बजे से ही धाम में धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला आरंभ हो गया था। यह भव्य आयोजन धाम के समीप स्थित देव बप्पा आश्रम, सुरंगदेवरी में

विराजित संकटमोचन श्री हनुमान जी महाराज और माँ भगवती के पवित्र दरबार में किया गया।

विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला न्यायालय में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में ब्रेन चाइल्ड एकेडमी के कला संकाय के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण किया इस दौरान विद्यार्थियों को राष्ट्रीय लोक अदालत के उद्घाटन समारोह में शामिल होने और न्यायिक प्रक्रिया को करीब से समझने का अवसर मिला मंडला में पहली बार स्कूल विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस गतिविधि की थीम न्याय को समझना संवाद को अपनाना और जिम्मेदार नागरिक बनना रही। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव तपन धारगा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ` विद्यार्थियों को न्यायिक संस्थाओं को करीब से जानने और समझने का सार्थक अवसर मिला भ्रमण में ब्रेन चाइल्ड एकेडमी के निर्देशक निशांत शुक्ला, अर्चना पाठक, वंशिका श्रीवास्तव एवं शिखा पमनानी का सहयोग रहा।

अस्पताल में फल वितरण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद की महिला विंग एवं गर्ल्स इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन की जानिब से फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम रबीउल अव्वल के अवसर पर आयोजित किया गया भर्ती मरीजों एवं उनके साथ मौजूद जरूरतमंदों को फल वितरित किए गए।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों का परीक्षण

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। शासकीय स्नातक महाविद्यालय बिछिया में नेशनल टास्क फोर्स के तत्वावधान में आशावादी और निराशावादी अभिवृत्ति परीक्षण कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य रोहणी कुमार कोष्टा की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य वक्ता एवं परामर्शदाता अपूर्वा मिश्रा सहायक प्राध्यापक मां रेवती कॉलेज द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों का परीक्षण किया गया जिसमें उनमें सकारात्मक एवं नकारात्मक मानसिकता का अध्ययन किया गया। साथ ही मानसिक वृत्तियों के लक्षणों के विषय में जानकारी प्रदान कर नकारात्मक मानसिकता से होने वाले दुष्प्रभावों एवं दुष्परिणाम के बारे में भी जानकारी

प्रदान की गई। कार्यक्रम प्रभारी डॉ राखी वंशकार ने बताया कि हमारे जीवन में बहुत सी समस्याएं हैं लेकिन प्रत्येक समस्या का हल सदैव सकारात्मक सोच रखना चाहिए अत्यधिक नकारात्मक मानसिकता हमें ओर दूसरों को अवसाद एवं तनाव की ओर ले जाती है प्राचार्य द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें सकारात्मक जीवन शैली अपनाने अपील की।

वार्षिक साधारण आमसभा की सूचना

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. (बी-पैक्स) पाठा पं.क्र 329 के सभी अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक साधारण आमसभा की बैठक माननीय प्रशासक महोदय जी की अध्यक्षता में संस्था कार्यालय के प्रांगण में दिनांक 23.09.2026 दिन बुधवार को दोपहर 12 बजे से निम्न विषयो में निर्णय लेने हेतु आमंत्रित की जाती है। कृपया आमसभा में आप सभी सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है निर्धारित समय 12 बजे गणपूर्ति (कोरम) की पूर्ति न होने की दशा में आम सभा को आधा घंटे के लिये स्थागित की जायेगी स्थगित साधारण आम सभा की बैठक आधा घंटे के पश्चात उसी दिन उसी स्थान पर उपस्थिति सदस्यों द्वारा आमसभा की कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी जिसमें गणपूर्ति की आवश्यकता नही होगी।

सहायक प्रबंधक
संजय कुमार झारिया
बहुउददेशीय प्राथमिक कृषि साख
सहकारी समिति मर्या. (बी-पैक्स) पाठा

कार्यालय बहु.प्राथ. कृषि साख सेवा सहकारी समिति मर्या.परसवाड़ा पं.कं, 353

दिनांक 10/09/2026

मुख्यालय डिठौरी पं.क.-353

वार्षिक साधारण आमसभा की सूचना

बहु.प्राथ. कृषि साख सेवा सहकारी समिति मर्यादित परसवाडा पं. क. 353 के समस्त माननीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की साधारण वार्षिक आमसभा की बैठक संस्था के प्रशासक महोदय जी की अध्यक्षता में समिति कार्यालय बाजार चौक डिठौरी में दिनांक 25/09/2026 दिन शुक्रवार को दोपहर समय 1.00 बजे निम्न विषय सूची पर निर्णय हेतु आमंत्रित की जाती है।

निर्धारित समय पर गणपूर्ति न होने की दशा में आधे घंटे बैठक स्थगित की जाकर उसी स्थान एवं दिनांक पर बैठक की कार्यवाही की जावेगी। जिसमें गणपूर्ति की आवश्यकता नहीं होगी। बैठक में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।
कार्यक्रम स्थल- समिति कार्यालय बाजार चौक डिठौरी

वार्षिक आमसभा की विषय सूची

1. वर्ष 2025-26 के आय-व्यय, लाभ-हानि, लेन-देन का अनुमोदन करने बावद् विचार।
2. वर्ष 2025-26 में हुए व्यय का अवलोकन एवं स्वीकृत बजट के कम/अधिक व्यय होने पर पुनरीक्षित बजट का अनुमोदन बावद् विचार।
3. संस्था के अंकेक्षण तथा वर्ष 2025-26 का अवलोकन कर स्वीकृति बावद् विचार।
4. संचालक मंडल के निवार्चन कराने सबंध विचार।
5. अन्य विषय उपविधियों के अनुसार लाया गया हो उसमें विचार करने बावद।
6. अगामी वर्ष 2026-27 का अनुपूरक बजट हेतू कार्ययोजना के सबंध में विचार ।
7. संस्था के लेखा परिक्षण का ऑडिट हेतु समपरीक्षण के अधिकृत करने के सम्बंध में विचार।
8. अन्य विषय प्रशासक महोदय कि अनुमति से।

प्रबंधक
बी-पैक्स परसवाडा
प.क.353

सौभाग्य की प्राप्ति का पर्व है हरतालिका तीज

सुहागिन महिलाओं की हरतालिका तीज में गहरी आस्था है। महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। मान्यता है कि इस व्रत को करने से सुहागिन स्त्रियों को शिव-पार्वती अखंड सौभाग्य का वरदान देते हैं। वहीं कुंवारी लड़कियों को मनचाहे वर की प्राप्ति होती है।

हरतालिका तीज की महिमा को अपरंपार माना गया है। हिन्दू धर्म में विशेषकर सुहागिन महिलाओं के लिए इस पर्व का महात्म्य बहुत ज्यादा है। हरतालिका तीज व्रत हिंदू धर्म में मनाये जाने वाला एक प्रमुख व्रत है। भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की तृतीया 14 सितंबर को हरतालिका तीज मनाई जाएगी। भारत में हरियाली तीज और कजरी तीज के बाद अब हरतालिका तीज का त्योहार मनाया जाएगा। यह व्रत भी अन्य दोनों व्रत के समान ही महत्व रखता है। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज का व्रत किया जाता है। हरतालिका तीज व्रत एक कठिन व्रत माना जाता है। इसमें महिलाएं निर्जला व्रत रखकर पति की लंबी उम्र के लिए कामना करती हैं। दरअसल भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को हस्त नक्षत्र में भगवान शिव और माता पार्वती के पूजन का विशेष महत्व है। हरतालिका तीज व्रत कुमारी और सौभाग्यवती स्त्रियां करती हैं। हरतालिका तीज व्रत निराहार और निर्जला किया जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को सबसे पहले माता पार्वती ने भगवान शंकर को पति के रूप में पाने के लिए किया था। हरतालिका तीज व्रत करने से महिलाओं को सौभाग्य की प्राप्ति होती है। प्रवासीनेटवर्क जुड़ें

हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज व्रत रखा जाता है। शास्त्रों के अनुसार हरतालिका तीज को सबसे बड़ी तीज माना जाता है। हरतालिका तीज से पहले हरियाली और कजरी तीज मनाई जाती हैं। हरतालिका तीज में भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा की जाती है। हरियाली तीज और कजरी तीज की तरह ही हरतालिका तीज के दिन भी गौरी-शंकर की पूजा की जाती है। हरतालिका तीज का व्रत बेहद कठिन है। इस दिन महिलाएं 24 घंटे से भी अधिक समय तक निर्जला व्रत करती हैं। यही नहीं रात के समय महिलाएं जागरण करती हैं और अगले दिन सुबह विधिवत्त पूजा-पाठ करने के बाद ही व्रत खोलती हैं। मान्यता है कि हरतालिका तीज का व्रत करने से सुहागिन महिला के पति की उम्र लंबी होती है जबकि कुंवारी लड़कियों को मनचाहा वर मिलता है। यह त्योहार मुख्य रूप से बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में मनाया जाता है। कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में इस व्रत कोगौरी हब्बा के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को रखने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस दिन सुहागिन महिलाएं निर्जला और निराहार व्रत रखकर पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। हरतालिका तीज व्रत को सुहागिनों के अलावा कुंवारी कन्याएं रखती हैं। मान्यता है कि इस व्रत के पुण्य प्रभाव से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर मिलता है।

निर्जला रखा जाता है व्रत

हरतालिका तीज व्रत करवा चौथ की तरह ही रखा जाता है। इस व्रत में पानी नहीं पिया जाता। यह व्रत निर्जला रखा जाता है। अगर व्रत के दौरान सूतक लग जाए तो व्रत रख सकते हैं और पूजा रात में कर सकते हैं। हरतालिका तीज पर रात में जगकर माता पार्वती व भगवान भोलेनाथ की पूजा करनी चाहिए।

हरतालिका तीज का व्रत कैसे करें?

हरतालिका तीज का व्रत अत्यंत कठिन माना जाता है। यह निर्जला व्रत है यानी कि व्रत के पारण से पहले पानी की एक बूंद भी ग्रहण करना वर्जित है। व्रत के दिन सुबह-सवेरे स्नान करने के बाद उमामहेश्वरसायुज्य सिद्धये हरितालिका व्रतमहं करिष्ये मंत्र का उच्चारण करते हुए व्रत का संकल्प लिया जाता है।

हरतालिका तीज का महत्व

सभी चार तीजों में हरतालिका तीज का विशेष महत्व है। हरतालिका दो शब्दों से मिलकर बना है- हरत और आलिका। हरत का मतलब है अपहरण और आलिका यानी सहेली। प्राचीन मान्यता के अनुसार मां पार्वती की सहेली उन्हें घने जंगल में ले जाकर छिपा देती हैं ताकि उनके पिता भगवान विष्णु से उनका विवाह न करा पाएं। सुहागिन महिलाओं की हरतालिका तीज में गहरी आस्था है। महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। मान्यता है कि इस व्रत को करने से सुहागिन स्त्रियों को शिव-पार्वती अखंड सौभाग्य का वरदान देते हैं। वहीं कुंवारी लड़कियों को मनचाहे वर की प्राप्ति होती है।

हरतालिका तीज की पूजन सामग्री

हरतालिका व्रत से एक दिन पहले ही पूजा की सामग्री जुटा लें- गीली मिट्टी, बेल पत्र, शमी पत्र, केले का पत्ता, धतूरे का फल और फूल, अकांव का फूल, तुलसी, मंजरी, जनेऊ, वस्त्र, मौसमी फल-फूल, नारियल, कलश, अबीर, चंदन, घी, कपूर, कुमकुम, दीपक, दही, चीनी, दूध और शहद।

मां पार्वती की सुहाग सामग्री- मेहंदी, चूड़ी, बिछिया, काजल, बिंदी, कुमकुम, सिंदूर, कंघी, माहौर, सुहाग पिटारी।

व्रत कथा

शिव जी ने माता पार्वती जी को इस व्रत के बारे में विस्तार पूर्वक समझाया था। मां गौरा ने माता पार्वती के रूप में हिमालय के घर में जन्म लिया था। बचपन से ही माता पार्वती भगवान शिव को वर के रूप में पाना चाहती थीं और उसके लिए उन्होंने कठोर तप किया। 12 सालों तक निराहार रह करके तप किया। एक दिन नारद जी ने उन्हें आकर कहा कि पार्वती के कठोर तप से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु आपकी पुत्री से विवाह करना चाहते हैं.। नारद मुनि की बात सुनकर महाराज हिमालय बहुत प्रसन्न हुए। उधर, भगवान विष्णु के सामने जाकर नारद मुनि बोले कि महाराज हिमालय अपनी पुत्री पार्वती से आपका विवाह करवाना चाहते हैं। भगवान विष्णु ने भी इसकी अनुमति दे दी। फिर माता पार्वती के पास जाकर नारद जी ने सूचना दी कि आपके पिता ने आपका विवाह भगवान विष्णु से तय कर दिया है। यह सुनकर पार्वती बहुत निराश हुईं उन्होंने अपनी सखियों से अनुरोध कर उसे किसी एकांत गुप्त स्थान पर ले जाने को कहा। माता पार्वती की इच्छानुसार उनके पिता महाराज हिमालय की नजरों से बचाकर उनकी सखियां माता पार्वती को घने सुनसान जंगल में स्थित एक गुफा में छोड़ आईं। यहीं रहकर उन्होंने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तप शुरू किया जिसके लिए उन्होंने रेत के शिवलिंग की स्थापना की। संयोग से हस्त नक्षत्र में भाद्रपद शुक्ल तृतीया का वह दिन था जब माता पार्वती ने शिवलिंग की स्थापना की। इस दिन निर्जला उपवास रखते हुए उन्होंने रात्रि में जागरण भी किया। उनके कठोर तप से भगवान शिव प्रसन्न हुए माता पार्वती जी को उनकी मनोकामना पूर्ण होने का वरदान दिया। अगले दिन अपनी सखी के साथ माता पार्वती ने व्रत का पारण किया और समस्त पूजा सामग्री को गंगा नदी में प्रवाहित कर दिया। उधर, माता पार्वती के पिता भगवान विष्णु को अपनी बेटी से विवाह करने का वचन दिए जाने के बाद पुत्री के घर छोड़ देने से व्याकुल थे। फिर वह पार्वती को ढूंढते हुए उस स्थान तक जा पंहुचे। इसके बाद माता पार्वती ने उन्हें अपने घर छोड़ देने का कारण बताया और भगवान शिव से विवाह करने के अपने संकल्प और शिव द्वारा मिले वरदान के बारे में बताया। तब पिता महाराज हिमालय भगवान विष्णु से क्षमा मांगते हुए भगवान शिव से अपनी पुत्री के विवाह को राजी हुए।

राष्ट्रीय एकता का पर्व है गणेशोत्सव

रमेश सर्राफ धमोरा

गणेश शब्द का अर्थ होता है जो समस्त जीव के ईश अर्थात् स्वामी हो। गणेश जी को विनायक भी कहते हैं। विनायक शब्द का अर्थ है विशिष्ट नायक। वैदिक मत में सभी कार्य के आरम्भ जिस देवता का पूजन से होता है वही विनायक है। गणेश चतुर्थी के पर्व का आध्यात्मिक एवं धार्मिक महत्त्व है। मान्यता है कि भगवान गणेश विघ्नो के नाश करने और मंगलमय वातावरण बनाने वाले हैं। गणेश चतुर्थी का त्योहार महाराष्ट्र, गोवा, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु सहित पूरे भारत में काफी जोश के साथ मनाया जाता है। किन्तु महाराष्ट्र में विशेष रूप से गणेशोत्सव को 10 दिनों तक बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। इस त्योहार को गणेशोत्सव या विनायक चतुर्थी भी कहा जाता है।

पुराणों के अनुसार इसी दिन भगवान गणेश का जन्म हुआ था। गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेशजी की पूजा की जाती है। कई प्रमुख जगहों पर भगवान गणेश की बड़ी-बड़ी प्रतिमायें स्थापित की जाती है। इन प्रतिमाओं का नो दिन तक पूजन किया जाता है। बड़ी संख्या में लोग गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने पहुंचते है। नो दिन बाद गणेश प्रतिमाओं को समुद्र, नदी, तालाब में विसर्जित किया जाता है। गणेश चतुर्थी मनाने के दौरान लोग भगवान गणेश की पूजा करते है। गणेश हिन्दू धर्म में सबसे ज्यादा पूजे जाने वाले देवता है। यह उत्सव खासतौर से महाराष्ट्र में मनाया जाता है। हालाँकि अब ये भारत के लगभग सभी राज्यों में मनाया जाने लगा है। गणेश चतुर्थी पर लोग पूरी भक्ति और श्रद्धा से ज्ञान और समृद्धि के भगवान की पूजा करते है।

भगवान गणेश को बुद्धि का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में किसी भी नए काम को प्रारंभ करने से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। माना जाता है कि भगवान गणेश की पूजा करने के बाद प्रारंभ होने वाला कार्य हर हाल में पूरा होगा। भगवान शिव व माता पार्वती के पुत्र गणेश को विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। गणेश चतुर्थी का त्योहार आने से दो-तीन महीने पहले ही कारीगर भगवान गणेश की मिट्टी की मूर्तियां बनाना शुरू कर देते हैं। गणेशोत्सव के दौरान बाजारों में भगवान गणेश की अलग-अलग मुद्रा में बेहद ही सुंदर मूर्तियां मिल जाती है। गणेश चतुर्थी वाले दिन लोग इन मूर्तियों को अपने घर लाते हैं। कई जगहों पर 10 दिनों तक पंडाल सजे हुए दिखाई देते हैं जहां गणेश जी की मूर्ति स्थापित होती हैं। प्रत्येक पंडाल में एक पुजारी होता है जो इस दौरान चार विधियों के साथ पूजा करते हैं। सबसे पहले मूर्ति स्थापना करने से पहले प्राणप्रतिष्ठा की जाती है। उन्हें कई तरह की मिठाईयां प्रसाद में चढ़ाई जाती हैं। गणेश जी को मोदक काफी पंसद थे। जिन्हें चावल के आटे, गुड़ और नारियल से बनाया जाता है। इस पूजा में गणपति को लड्डुओं का भोग लगाया जाता है। इस त्योहार के साथ कई कहानियां भी जुड़ी हुई हैं जिनमें से उनके माता-पिता माता पार्वती और भगवान शिव के साथ जुड़ी कहानी सबसे ज्यादा प्रचलित है। शिवपुराण में रुद्रसंहिता के चतुर्थ खण्ड में वर्णन है कि माता पार्वती ने स्नान करने से पूर्व अपने मैल से एक बालक को उत्पन्न करके उसे अपना द्वारपाल बना दिया था। भगवान शिव ने जब भवन में प्रवेश करना चाहा तब बालक ने उन्हें रोक दिया। इस पर भगवान शंकर ने क्रोधित होकर अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। इससे पार्वती नाराज हो उठीं। भयभीत देवताओं ने देवर्षि नारद की सलाह पर जगदम्बा की स्तुति करके उन्हें शांत किया। भगवान शिवजी के निर्देश पर विष्णुजी उत्तर दिशा में सबसे पहले मिले जीव (हाथी) का सिर काटकर ले आए। मृत्युंजय रुद्र ने गज के उस मस्तक को बालक के धड़ पर रखकर उसे पुनर्जीवित कर दिया। माता पार्वती ने हर्षातिरेक से उस गजमुख बालक को अपने हृदय से लगा लिया। ब्रह्मा, विष्णु, महेश ने उस बालक को सर्वाध्यक्ष घोषित करके अग्र पूज्य होने का वरदान दिया।

महान क्रांतिकारी बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1882 मे वन्देमातरम नामक एक गीत लिखा था। जिस पर भी अंग्रेजों ने प्रतिबंध लगा कर गीत गाने वालों को जेल मे डालने का फरमान जारी कर दिया था। इन दोनों बातों से लोगो मे अंग्रेजो के प्रति बहुत नाराजगी व्याप्त हो गयी थी। लोगो मे अंग्रेजो के प्रति भय को खत्म करने और इस कानून का विरोध करने के लिए महान स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य तिलक ने गणपति उत्सव की स्थापना की और सबसे पहले पुणे के शनिवारवाड़ा मे गणपति उत्सव का आयोजन किया गया। देश की आजादी के आन्दोलन में गणेश उत्सव ने बहुत महत्वपूण भूमिका निभायी थी। 1894 मे अंग्रेजो ने भारत मे एक कानून बना दिया था जिसे धारा 144 कहते हैं जो आजादी के इतने वर्षों बाद आज भी लागू है। इस कानून मे किसी भी स्थान पर 5 से अधिक व्यक्ति इकट्ठे नहीं हो सकते थे। और ना ही समूह बनाकर कहीं प्रदर्शन कर सकते थे।

1894 से पहले लोग अपने अपने घरो मे गणपति उत्सव मनाते थे। लेकिन 1894 के बाद इसे सामूहिक तौर पर मनाने लगे। पुणे के शनिवारवडा के गणपति उत्सव मे हजारो लोगो की भीड़ उमड़ी। लोकमान्य तिलक ने अंग्रेजो को चेतावनी दी कि हम गणपति उत्सव मनाएगे अंग्रेज पुलिस उन्हे गिरफ्तार करके दिखाये। कानून के मुताबिक अंग्रेज पुलिस किसी राजनीतिक कार्यक्रम मे एकत्रित भीड़ को ही गिरफ्तार कर सकती थी। लेकिन किसी धार्मिक समारोह मे उमड़ी भीड़ को नहीं।

20 अक्तूबर 1894 से 30 अक्तूबर 1894 तक पहली बार 10 दिनो तक पुणे के शनिवारवाड़ा मे गणपति उत्सव मनाया गया। लोक मान्य तिलक वहां भाषण के लिए हर दिन किसी बड़े नेता को आमंत्रित करते। 1895 मे पुणे के शनिवारवाड़ा मे 11 गणपति स्थापित किए गए। उसके अगले साल 31 और अगले साल ये संख्या 100 को पार कर गई। फिर धीरे -धीरे महाराष्ट्र के अन्य बड़े शहरो अहमदनगर, मुंबई, नागपुर, थाणे तक गणपति उत्सव फैलता गया। गणपति उत्सव में हर वर्ष हजारो लोग एकत्रित होते और बड़े नेता उसको राष्ट्रीयता का रंग देने का कार्य करते थे। इस तरह लोगो का गणपति उत्सव के प्रति उत्साह बढ़ता गया और राष्ट्र के प्रति चेतना बढ़ती गई।

1904 में लोकमान्य तिलक ने लोगो से कहा कि गणपति उत्सव का मुख्य उद्देश्य स्वराज्य हासिल करना है। आजादी हासिल करना है और अंग्रेजो को भारत से भगाना है। आजादी के बिना गणेश उत्सव का कोई महत्व नहीं रहेगा। तब पहली बार लोगो ने लोकमान्य तिलक के इस उद्देश्य को बहुत गंभीरता से समझा। आजादी के आन्दोलन में लोकमान्य तिलक द्वारा गणेश उत्सव को लोकोत्सव बनाने के पीछे सामाजिक क्रान्ति का उद्देश्य था। लोकमान्य तिलक ने ब्राह्मणों और गैर ब्राह्मणों की दूरी समाप्त करने के लिए यह पर्व प्रारम्भ किया था जो आगे चलकर एकता की मिसाल बना।

भगवान गणेश ने बिना रुके दस दिनों तक महाभारत लिखी। इस दौरान एक ही स्थान पर लगातार लेखन करने के कारण गणेश जी के शरीर पर धूल और मिट्टी जम गई थी। दसवें दिन गणेश जी ने सरस्वती नदी में स्नान करके शरीर पर जमी धूल और मिट्टी को साफ किया। तभी से गणेश उत्सव के दसवें दिन गणेश जी की मूर्ति का विसर्जन किया जाता है।

लचीले अंगूठे वाले होते हैं खुले दिल के और सीधा अंगूठा रखने वाले दिमाग के पक्के

अनन्या मिश्रा

हस्तरेखा शास्त्र में हथेली की रेखाओं, शरीर के बनावट और चिन्हों आदि के बारे में काफी कुछ बताया गया है। लेकिन क्या आपने कभी गौर किया है कि कुछ लोगों का अंगूठा आसानी से पीछे की ओर झुक जाता है। तो वहीं कुछ लोगों का अंगूठा एकदम सीधा और सख्त होता है। हस्तरेखा शास्त्र के मुताबिक यह सिर्फ शरीर की बनावट नहीं है, बल्कि आपके फैसलों, स्वभाव और पैसों को संभालने के तरीके के बारे में काफी कुछ बताता है। तो आइए जानते हैं पीछे की ओर मड़ने वाला लचीला अंगूठा और सीधा और सख्त अंगूठे वाले जातक कैसे होते हैं।

पीछे की ओर मुड़ने वाला लचीला अंगूठा

हस्तरेखा शास्त्र के मुताबिक जिन लोगों का अंगूठा पीछे की ओर आसानी से मुड़ जाता है। ऐसे लोग दिल के साफ और खुले विचारों वाले होते हैं। ऐसे जातक जहां भी जाते हैं, बहुत जल्दी नए दोस्त बना लेते हैं। इनको घूमना-फिरना, नई जगहों को एक्सप्लोर करना और लोगों से कनेक्ट करना बेहद पसंद होता है। यह जातक भविष्य की टेंशन लेने की जगह वर्तमान को खुलकर जीना पसंद करते हैं। वहीं पैसों के मामले में यह कंजूस नहीं होते हैं।

ऐसे जातक हमेशा दान-पुण्य और दूसरों की मदद के लिए खड़े रहते हैं। इन लोगों के पास ज्यादा समय तक पैसों की कमी नहीं रहती है। अगर कभी समस्या आती भी है, तो कहीं न कहीं से जुगाड़ हो ही जाता है। हालांकि इन जातकों का सीधापन कई बार इन पर ही भारी पड़ जाता है। यह आसानी से दूसरों की बातों में आ जाते हैं और इमोशनल होकर कई बार ऐसे फैसले ले लेते हैं, जिससे बाद में धोखा या फिर नुकसान उठाना पड़ता है। हालांकि हालात कितने भी बुरे क्यों न हों, यह जातक आसानी से हार नहीं मानते हैं।

एकदम सीधा रहने वाला अंगूठा

जिन लोगों का अंगूठा एकदम सीधा रहता है और पीछे नहीं झुकता है। तो ऐसे लोगों का मिजाज लचीले अंगूठे वालों से काफी अलग होता है। यह जातक जो एक बार ठान लेते हैं, उसको पूरा करके सांस लेते हैं। ऐसे जातकों को अपने वादों और नियमों से समझौता करना इनको पसंद नहीं होता है। ऐसे जातक दिल से ज्यादा दिमाग से काम लेते हैं। भावनाओं और जल्दबाजी में बहकर यह कोई कदम नहीं उठाते हैं। यह हर स्थिति को नाप-तौलकर और फायदा-नुकसान देखकर ही कोई फैसला लेते हैं। वहीं पैसों के मामले में भी यह काफी समझदार होते हैं। फिजूलखर्ची करना, बजट मैनेज करना और सही जगह इंवेस्टमेंट करना इन जातकों की खूबी होती है।

गणेश चतुर्थी पर बप्पा को लगाएं खास भोग, घर पर इस तरह बनाएं मोतीचूर मोदक

दिव्यांशी भदौरिया

गणेश चतुर्थी का त्योहार बेहद नजदीक आ चुका है। यह पर्व भगवान गणेश को समर्पित है। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर बप्पा को उनका प्रिय भोग लगाया जाता है। यदि आप इस बार श्री गणेश को कुछ खास और अनोखा अर्पित करने जा रहे हैं, तो मोतीचूर मोदक की यह बेहतरीन रेसिपी बनाएं। मोतीचूर के लड्डू और मोदक के कॉम्बिशेन से बनीं पारंपरिक मिठाई बेहद स्वादिष्ट और रसीली होती है। इसे बनाना भी काफी आसान है और घर के सदस्यों को भी यह काफी पंसद आएंगे।

बेसन का घोल तैयार करना

इसके लिए आप एक बड़े बाउल में बेसन को अच्छी तरह छान लें। ताकि उसमें कोई गुठली न रहे। अब इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी मिलाते हुए एक पतला और स्मूथ पेस्ट तैयार करें। घोल की कंसिस्टेंसी ऐसी होनी चाहिए, जो झारे से आसानी से गिर सके। इसके बाद इसमें चुटकी भर ऑरेंज या केसरी फूड कलर डाल सकते हैं और फिर इसे अच्छे से फेंटकर मिलाएं।

बारीक मोतीचूर बूंदी तलना

अब आप एक कड़ाही में पर्याप्त मात्रा में घी या तेल डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। फिर इसमें बारीक छेद वाला झारा या बूंदी मेकर लें। अब आप तैयार किए बेसन के घोल को झारे पर डालें, जिससे छोटी-छोटी मोती जैसी बूंदियां गर्म तेल में गिरेंगी। फिर बूंदी को धीमी से मध्यम आंच पर कुछ समय के लिए कुरकुरा होने तक तलें और फिर एक छलनी की मदद से तेल से बाहर निकाल लें।

इलायची वाली चाशनी बनाना

इसके बाद चाशनी के लिए एक अलग पैन या कड़ाही में पानी और चीनी डालकर उबलने के लिए रख दें। जब चीनी अच्छे से घुल जाए, तो इसमें थोड़ा-सा इलायची पाउडर मिला दें। चाशनी को तब तक पकाएं जब तक यह हल्की चिपचिपी न हो जाए।

बूंदी को चाशनी में पकाना और रेस्ट देना

अब तैयार की गई कुरकुरी बूंदी को उबलती हुई चाशनी में डाल दें और चम्मच की मदद से अच्छे से मिला लें। फिर गैस को बंद कर दें या बिल्कुल धीमा कर दें, अब पैन को ढक्कन से ढक्कर करीब 15 से 20 मिनट के लिए छोड़ दें। इससे बूंदी चाशनी को पूरी तरह से सोख लेगी और नरम हो जाएगी।

मिक्सी में पीसना और मोदक का आकार देना

चाशनी सोखी हुई बूंदी थोड़ी ठंडी हो जाए, तो इसे एक ब्लेंडर या मिक्सी के जार में डालें। इसे हल्का-सा पीस लें, जिससे बूंदी आपस में अच्छी तरह बंधने योग्य और एकसार हो जाए। इसके बाद आप मोदक बनाने का सांचा लें। इसको पीसकर तैयार किए गए मिश्रण को सांचे के अंदर अच्छे से दबाकर भर लें। इसके बाद सांचे को खोलें, तैयार है मोतीचूर मोदक।

सजावट और सर्विंग

अब तैयार किए गए मोतीचूर मोदक को एक सुंदर प्लेट या सर्विंग डिश में रखें। इसे शाही लुक देने के लिए चांदी का वर्क लगाएं। टेस्टी, रसीले और आकर्षक मोतीचूर मोदक तैयार है, आप इनका भोग बप्पा को लगा सकते हैं।

आयरलैंड का एकीकरण देखना पसंद करूंगा - ट्रंप

डबलिन, (वार्ता)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह आयरलैंड का एकीकरण होते देखना पसंद करेंगे और उनका मानना है कि यह आखिरकार होने वाला है। आयरलैंड की यात्रा के दौरान आयरिश एकीकरण के बारे में पूछे जाने पर श्री ट्रंप ने कहा कि वह कोई समस्या पैदा नहीं करना चाहते, लेकिन वह इसे एकीकृत होते देखना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके दोनों पक्षों में मित्र हैं और अगर आयरलैंड का एकीकरण होता है तो यह सभी के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने इसे बहुत अच्छी बात बताया।

श्री ट्रंप ने कहा कि ब्रिटेन के पास इस बारे में कहने के लिए कुछ होगा, लेकिन सवाल किया, यह बुरा कैसे हो सकता है?

आयरलैंड में अपनी यात्रा के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों के बारे में पूछे जाने पर श्री ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कोई प्रदर्शन नहीं देखा है और मजाकिया अंदाज में कहा, यह एक मित्रवत प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और आयरलैंड के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा, यह आयरलैंड के लिए बहुत लाभदायक संबंध है, हालांकि ईमानदारी से कहूं तो हमारे लिए यह उतना लाभदायक नहीं है।

गाजा को लेकर अमेरिका की भूमिका पर सवाल पूछे जाने पर, श्री ट्रंप से उन लोगों के आरोपों के बारे में पूछा गया जो कहते हैं कि अमेरिका गाजा में नरसंहार और पश्चिमी तट में इजरायल द्वारा क्षेत्रों पर अवैध कब्जे को बढ़ावा दे रहा है। श्री ट्रंप ने जवाब दिया, हमने आग बुझाई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने सात अक्टूबर के हमले में बंधक बनाये गये सभी लोगों को इजरायल वापस पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने एक तरह की शांति कायम करने में मदद की है।

आयरलैंड के प्रधानमंत्री मार्टिन ने बीच में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि उन्होंने श्री ट्रंप के साथ गाजा में लगातार मानवीय सहायता पहुंचाने की जरूरत पर चर्चा की है। इस पर श्री ट्रंप ने कहा, हम यह निश्चित रूप से करवा देंगे।

ईरान युद्ध के समापन के सवाल पर उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि बहुत जल्द... संभवतः मध्यावधि चुनाव के तुरंत बाद। ऐसा होते ही तेल की कीमतें तेजी से नीचे आ जाएंगी।

श्री ट्रंप ने आयरलैंड के प्रधानमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि दोनों शुरुआत से मित्र रहे हैं और उनके बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। दोनों नेताओं ने आयरिश ओपन के बारे में बात करते हुए मजाक भी किया। श्री ट्रंप आज और कल अपने एक गोल्फ कोर्स में आयोजित इस टूर्नामेंट में शामिल होंगे। श्री ट्रंप ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच व्यापार सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई है और अमेरिका के आयरलैंड के साथ अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा, हमारे संबंध कभी इतने अच्छे नहीं रहे, जितने अभी हैं।

श्री ट्रंप शनिवार सुबह आयरलैंड पहुंचे। वह अपने एक गोल्फ कोर्स में आयोजित टूर्नामेंट में शामिल होंगे। लाल टाई पहने श्री ट्रंप का हवाई पट्टी पर आयरलैंड के वित्त मंत्री साइमन हैरिस, विदेश मंत्री हेलेन मैकएन्टी, आयरलैंड में अमेरिकी राजदूत एडवर्ड वॉल्श और अमेरिका में आयरलैंड की राजदूत जेराल्डिन बर्न नासन सहित कई अधिकारियों ने स्वागत किया।

इसके बाद श्री ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और उनकी पत्नी बेटिना विमान से उतरे और उन्होंने भी जमीन पर मौजूद अधिकारियों का अभिवादन किया। आयरलैंड के राष्ट्रपति कैथरीन कॉनॉली के साथ शिष्टाचार मुलाकात के बाद द बीस्ट में वापस जाते समय श्री ट्रंप ने कुछ सवालों के संक्षिप्त जवाब दिये। इनमें बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से होने वाले यातायात से जुड़ा सवाल भी शामिल था।

चीन के खिलाफ अमेरिका के पास हैं एआई के लिए सुरक्षा उपाय

वाशिंगटन, (वार्ता)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के नियमन को लेकर अपनी सरकार के रुख का बचाव करते हुए कहा कि चीन के खिलाफ अमेरिका ने सुरक्षा उपाय लागू किये हैं।

उन्होंने शुक्रवार को प्रकाशित फॉक्स न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि अमेरिका ने एआई के लिए सुरक्षा उपाय लागू किये हैं, जबकि चीन में इस तकनीक पर सबसे बड़ा नियंत्रण उसके राष्ट्रपति शी जिनपिंग का है।

जब उनसे पूछा गया कि चीन के साथ एआई की दौड़ में अमेरिका की जीत सुनिश्चित करने और डेटा सेंटरों को लेकर चिंतित अमेरिकियों को आश्वस्त करने के लिए कौन से सुरक्षा उपाय किये जा सकते हैं, तो श्री ट्रंप ने एंथ्रोपिक का उदाहरण देते हुए कहा, उन्होंने तीन महीने पहले कुछ ऐसा किया था, जो बहुत खराब था। हमने उन्हें रोक दिया। हमने उन्हें तुरंत रोक दिया।

इस साल की शुरुआत में ट्रंप प्रशासन ने एंथ्रोपिक को सुरक्षा जोखिम करार देते हुए अमेरिकी सरकार के साथ काम करने पर रोक लगा दी थी। एक संघीय न्यायाधीश ने हालांकि पिछले महीने इस कदम को अवैध करार दिया था। श्री ट्रंप ने कहा, हमारे पास सुरक्षा उपाय हैं। सबसे बड़े सुरक्षा उपाय ऐसे लोगों का होना है जो उतने ही बुद्धिमान हों, क्योंकि इसे कोई नहीं समझता, सिवाय इसके कि आपका उच्च बौद्धिक सूचकांक होना चाहिए।चीन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, चीन के पास सुरक्षा उपाय नहीं हैं, वैसे... राष्ट्रपति शी ही सुरक्षा उपाय हैं। मेरा मतलब है, आप चीन में कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने एआई से जुड़े दांव को व्यापक बताते हुए कहा कि यह इंटरनेट से भी बड़ा है और शायद औद्योगिक क्रांति से भी बड़ा है।

श्री ट्रंप ने जोर देकर कहा कि तकनीकी प्रतिस्पर्धा में अमेरिका आगे है। उन्होंने कहा, हम चीन के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। जैसा कि आप जानते हैं, हम जीत रहे हैं। आप जानते हैं, एआई के मामले में हम चीन के खिलाफ जीत रहे हैं। उन्होंने एआई से जुड़े दांव को व्यापक बताते हुए कहा कि यह इंटरनेट से भी बड़ा है और शायद औद्योगिक क्रांति से भी बड़ा है। उन्होंने कहा, ऐसा हो सकता है और हमें करीब एक साल में पता चल जाएगा। यह अब तक की सबसे बड़ी चीज हो सकती है। और यह ज्यादातर अच्छे के लिए है।

डीआर कांगो में इबोला के मामले 7,000 के पार, मृतकों की संख्या 3,398 हुई

किन्शासा, (वार्ता)। कांगो में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या 7,000 के पार पहुंच गयी है और अब तक करीब 3,400 लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार की ओर से शुक्रवार को जारी नवीनतम स्थिति रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी।

स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, 10 सितंबर तक देश में इबोला के 7,022 पुष्ट मामले सामने आये हैं और 3,398 लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही मामलों में मृत्यु दर 48.4 प्रतिशत हो गयी है। अब तक कुल 1,671 मरीज ठीक हो चुके हैं।

इबोला का प्रकोप अब सात प्रांतों के 62 स्वास्थ्य क्षेत्रों तक फैल चुका है। स्थानीय अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि सुद-उबांगी पुष्ट मामला सामने आने के बाद प्रभावित होने वाला नवीनतम प्रांत बन गया है। 23 वर्षीय एक व्यक्ति में संक्रमण की पुष्टि हुई थी, जिसकी दक्षिण किवु प्रांत की यात्रा का इतिहास था और बाद में उसकी मौत हो गयी।

सुद-उबांगी की सीमा उन छह प्रांतों में से किसी से नहीं लगती, जहां पहले इबोला के पुष्ट मामले सामने आये थे। इन प्रांतों में इतुरी, उत्तर किवु, दक्षिण किवु, हाउत-उएले, त्शोपो और बास-उएले शामिल हैं। मई में घोषित मौजूदा प्रकोप डीआर कांगो के इतिहास का सबसे बड़ा और सबसे घातक इबोला प्रकोप बन गया है। वैश्विक स्तर पर यह 2014-2016 में पश्चिम अफ्रीका में फैली इबोला महामारी के बाद दूसरा सबसे बड़ा प्रकोप है।

विजयन के खिलाफ ईडी की कार्रवाई से भाकपा-माकपा में बढ़ी दरार

तिरुवनंतपुरम, (वार्ता)

सीएमआरएल-एक्सालॉजिक रिश्वत मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी एवं विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन को तत्काल राजनीतिक समर्थन देने से मना कर दिया है। इससे सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के भीतर मतभेद गहरा गये हैं और माकपा रक्षात्मक मुद्रा में आ गयी है। भाकपा राज्य सचिवालय ने तय किया है कि आने वाले दिनों में मामले से जुड़ी जानकारियों, घटनाक्रमों और सरकार के रुख की समीक्षा के बाद ही इस विषय पर विस्तृत चर्चा की जायेगी। भाकपा का यह फैसला काफी मायने रखता है, क्योंकि माकपा का केंद्रीय और राज्य नेतृत्व श्री विजयन के समर्थन में उतर आया है और ईडी की ताजा कार्रवाई पर तीखा हमला बोल रहा है। ईडी ने कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) और वीणा की बंद हो चुकी आईटी कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस के बीच वित्तीय लेन-देन के मामले में विजयन, उनकी बेटी टी वीणा और दामाद पी ए मोहम्मद रियास के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। एलडीएफ के दूसरे सबसे बड़े घटक दल भाकपा ने श्री विजयन के बचाव में माकपा के अभियान से दूरी बना रखी है। पार्टी के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम का कहना है कि वित्तीय लेन-देन की स्पष्टता के बिना पार्टी तुरंत कोई राजनीतिक समर्थन नहीं दे सकती। भाकपा हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय एजेंसियों के राजनीतिक दुरुपयोग का विरोध करती रही है, लेकिन पार्टी के भीतर एक्सालॉजिक के लेन-देन को लेकर स्पष्टता न होने पर चिंता है। नेतृत्व का मानना है कि यदि कंपनी के कामकाज में कोई गड़बड़ी पायी जाती है तो श्रीमती वीणा को व्यक्तिगत रूप से उसके नतीजे भुगतने होंगे। ईडी की जांच की आंच श्री विजयन तक पहुंचने से भाकपा का यह रुख और अहम हो गया है। एजेंसी का आरोप है कि सीएमआरएल ने बिना किसी सेवा के एक्सालॉजिक को भुगतान किया था, इसलिए उसने केरल पुलिस से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने की सिफारिश की है। भाकपा का मानना है कि भले ही ईडी की कार्रवाई राजनीतिक से प्रेरित लगे, लेकिन बिना वित्तीय स्पष्टता के समर्थन देना नुकसानदेह हो सकता है। आरोपों में खुद को निर्दोष साबित करना संबंधित व्यक्तियों की ही जिम्मेदारी है। माकपा नेतृत्व ईडी की कार्रवाई पर साझा राजनीतिक रणनीति बनाने के लिए एलडीएफ की बैठक बुलाना चाहता है, लेकिन भाकपा के कड़े रुख से ऐसी बैठक में तीखी बहस होना तय है।उप-विपक्ष के नेता के पद को लेकर चल रहा विवाद भी इस खींचतान को बढ़ा रहा है। यद्यपि श्री विजयन ने टकराव से बचने के लिए फिलहाल इस पद की घोषणा टाल दी है, लेकिन श्री विश्वम अपने रुख पर कायम हैं।

यमनी वायुसेना ने अल-धाले, मोखा में किये हूती ठिकानों पर हवाई हमले

सना, (वार्ता)

यमन के सरकारी बलों ने शनिवार को दक्षिण-पश्चिमी अल-धाले प्रांत में हूती ठिकानों पर सटीक ड्रोन हमले किये। देश में वर्षों से चली आ रही अपेक्षाकृत शांति के बाद दोनों पक्षों के बीच लड़ाई तेज हो गयी है। नेशन्स शील्ड फोर्सेज ने एक बयान में कहा कि उसके ड्रोन ने अल-धाले में हूती ठिकानों को निशाना बनाया, हालांकि ठिकानों की सटीक जगह नहीं बतायी गयी। बलों की ओर से जारी वीडियो में दर्जनों हूती सदस्यों के एक समूह पर हवाई हमला करते हुए दिखाया गया है। ये हमले जुलाई की शुरुआत से यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और हूतियों के बीच लड़ाई में तेज वृद्धि के बीच हुए हैं। इस दौरान दोनों पक्षों ने विभिन्न इलाकों में क्षेत्रीय बढ़त हासिल की है। हूतियों ने पश्चिमी ताइज प्रांत के कुछ हिस्सों पर नियंत्रण कर लिया है, जिसमें तटीय शहर मोखा और उसका लाल सागर बंदरगाह भी शामिल है। उनका दावा है कि उन्होंने पूरे पश्चिमी अल-हुदायदाह प्रांत पर भी नियंत्रण कर लिया है। उनकी बढ़त से वे बाब अल-मंदब जलडमरूमध्य के और करीब पहुंच गये हैं, जो लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ने वाला अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिवहन का प्रमुख मार्ग है। इस बीच, सरकारी बलों ने सऊदी अरब की सीमा से लगे उत्तरी अल-जौफ प्रांत में बढ़त हासिल की है और प्रांतीय राजधानी अल-हज्म के करीब पहुंच गये हैं। मारिब, अल-बायदा और अल-धाले प्रांतों में भी लड़ाई जारी है। यमन में संघर्ष 2014 में उस समय तेज हुआ था, जब हूतियों ने राजधानी सना पर कब्जा कर देश के बड़े हिस्से में अपना नियंत्रण बढ़ा लिया था। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के समर्थन में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने मार्च 2015 में हस्तक्षेप किया था। यमन में संघर्ष के बढ़ने के बीच सऊदी अरब ने रियाद और मदीना क्षेत्रों में अपनी ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन पर हुए ड्रोन हमलों की निंदा की है। सऊदी अरब ने कहा कि ड्रोन इराक से आये थे और इन हमलों में लोग घायल हुए तथा संपत्ति को नुकसान पहुंचा।

सऊदी विदेश मंत्रालय ने कहा कि कई ड्रोन ने रणनीतिक तेल पाइपलाइन को निशाना बनाया और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि इराक के प्रधानमंत्री अली फालिह अल-जैदी के अनुरोध के बाद रियाद ने तत्काल जवाबी कार्रवाई नहीं करने का फैसला किया है। उन्होंने सऊदी अरब से बगदाद को इराकी क्षेत्र से सऊदी अरब और पड़ोसी देशों के खिलाफ होने वाले हमलों को रोकने के लिए कदम उठाने का अवसर देने का अनुरोध किया था। मंत्रालय ने कहा, इराक गणराज्य के प्रधानमंत्री के अनुरोध के आधार पर सऊदी अरब ने इस चरण में जवाब नहीं देने और इसके बजाय इराकी सरकार के प्रयासों का समर्थन करने का फैसला किया है। उसने कहा कि सऊदी अरब अपनी संप्रभुता, सुरक्षा, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, नागरिकों और निवासियों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। सऊदी अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि रियाद और मदीना क्षेत्रों में कई हमलों के बाद एहतियाती कदम के तौर पर ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। सऊदी ऊर्जा मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा कि हमले गुरुवार सुबह हुए, जिनमें पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा और लोग घायल हुए। सुविधा की सुरक्षा सुनिश्चित करने, नुकसान का आकलन करने और इसकी सुरक्षित स्थिति की जांच के लिए आपातकालीन दल और विशेषज्ञ कर्मचारियों को तैनात किया गया।

कम दबाव का क्षेत्र मजबूत होने से ओडिशा में भारी बारिश की संभावना

भुवनेश्वर, (वार्ता)

ओडिशा के कई इलाकों में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश के बाद राज्य सरकार ने नदियों और संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी बढ़ा दी है।मलकानगिरी के चित्रकोंडा ब्लॉक में सबसे ज़्यादा 192 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इस दौरान राज्य में औसतन 24.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। पांच ब्लॉकों में 100 मिमी से ज्यादा और 33 ब्लॉकों में 50-100 मिमी बारिश हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिम/पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण ओडिशा-उत्तर आंध्र प्रदेश तटों पर बना कम दबाव का क्षेत्र और मजबूत हो सकता है। अगले 24 घंटों में इसके उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।नुआपड़ा, बलांगीर, कालाहांडी, नबरंगपुर और कोरापुट में एक-दो जगहों पर भारी बारिश की संभावना है।इन इलाकों के लिए %येलो वॉर्निंग% जारी की गई है। कई जिलों में बिजली कड़कने और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है।

बारिश को देखते हुए सभी नदियां की निगरानी की जा रही है और ये सभी खतरे के निशान से नीचे हैं। शुक्रवार सुबह नराज में महानदी का जलस्तर 22.91 मीटर, पानपोष में ब्राह्मणी का 172.66 मीटर, आनंदपुर में बैतरणी का 34.79 मीटर और मथानी में जलका का जलस्तर 6.46 मीटर था। सुबह 9 बजे हीराकुंड जलाशय का जलस्तर 629.10 फीट था; इसमें 63,767 क्यूसेक पानी आ रहा था और 51,062 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था।इस बांध का एक गेट खुला था। मलकानगिरी में चार ब्लॉकों - मलकानगिरी, माथिली, कालीमेला और पोदिया पर कड़ी नजर रखी जा रही है। माथिली और कालीमेला में ओडीआरएएफ की टीमें तैनात की गई हैं। कांग्रुकोंडा, पंगम,और कन्याश्रम पुलों के ऊपर से पानी बह रहा था।

उत्तर कोरिया ने जापान सागर की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

मास्को, (स्पुतनिक/वार्ता)

उत्तर कोरिया ने जापान सागर की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। योनहाप समाचार एजेंसी ने दक्षिण कोरियाई सेना का हवाला देते हुए कहा कि मिसाइलें समुद्र में गिरने से पहले लगभग 250 किलोमीटर तक उड़ीं। यह नवीनतम प्रक्षेपण अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान द्वारा अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में त्रिपक्षीय सैन्य अभ्यास समाप्त करने के बाद हुआ।

उत्तर कोरिया लंबे समय से दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यासों की निंदा करता रहा है और इन्हें आक्रमण की तैयारी बताता रहा है तथा विरोध प्रदर्शन के तौर पर अपने हथियारों के परीक्षणों के साथ जवाब देता रहा है। उत्तर कोरिया ने आखिरी बार 20 अगस्त को पूर्वी सागर की ओर कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थी।

अमेरिकी प्रशांत कमान ने कहा कि वह उत्तर कोरिया द्वारा मिसाइल प्रक्षेपण से अवगत था और उसका मानना है कि इससे अमेरिका या उसके सहयोगियों के लिए तत्काल कोई खतरा पैदा नहीं हुआ। कमान ने एक्स पर कहा, हम हालिया मिसाइल प्रक्षेपण से अवगत हैं और अपने सहयोगियों तथा साझेदारों के साथ करीबी परामर्श कर रहे हैं।

वर्तमान आकलनों के आधार पर, इस घटना से अमेरिकी कर्मियों या क्षेत्र, या हमारे सहयोगियों के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है। उसने कहा कि अमेरिका अपने क्षेत्र और क्षेत्रीय सहयोगियों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

सूरज प्रताप ने बताया पसंदीदा किरदार

अभिनेता सूरज प्रताप सिंह ने धारावाहिक दिव्य प्रेम- प्यार और रहस्य की कहानी में निभायी अपनी विभिन्न भूमिकाओं में सरदार के रूप को सबसे खास बताया है।सूरज ने कहा कि इस रूप में दिव्या ने लड़के और उन्होंने उसके पिता की भूमिका निभायी थी। इसमें भावुकता के साथ हास्य के दृश्य भी थे। उन्होंने काले जिन्न की भूमिका को भी चुनौतीपूर्ण और खास अनुभव बताया। अभिनेता ने कहा कि असुर की भूमिका के दौरान लगातार चिल्लाने से उनकी आवाज बैठ गयी थी, जबकि अश्वर की भूमिका में खतरनाक रूप के साथ प्रेम के भावुक और कोमल पक्ष को दिखाना चुनौतीपूर्ण रहा। दिव्य प्रेम- प्यार और रहस्य की कहानी का प्रसारण सोमवार से शनिवार शाम सात बजे सन नियो पर होता है।

अनुराग कश्यप निर्मित लिटिल थॉमस 23 अक्टूबर को होगी रिलीज

अनुराग कश्यप द निर्मित बच्चों की फिल्म लिटिल थॉमस 23 अक्टूबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में गुलशन देवैया और रसिका दुग्गल मुख्य भूमिकाओं में हैं। कौशल ओझा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 90 के दशक के गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म की कहानी सात वर्षीय थॉमस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने माता-पिता की इकलौती संतान है और छोटा भाई चाहता है। उसे बताया जाता है कि छोटा भाई पाने के लिए उसके माता-पिता को एक-दूसरे को चूमना होगा। माता-पिता के बीच अक्सर झगड़ा होने के कारण वे ऐसा नहीं करते, जिसके बाद थॉमस उन्हें इसके लिए राजी करने की कोशिश करता है। फिल्म में बाल कलाकार हृदांश पारेख ने थॉमस की भूमिका निभाई है। इसका निर्माण ल्यूमिनोसो पिक्चर्स, सिविक स्टूडियोज, गुड बैड फिल्म्स और रंजन सिंह की फ्लिप फिल्म्स ने अनुराग कश्यप के साथ मिलकर किया है। यह फिल्म 2007 में प्रदर्शित एनिमेटेड फिल्म रिटर्न ऑफ हनुमान के बाद बच्चों के लिए सिनेमा में अनुराग कश्यप की वापसी है।,गुलशन देवैया ने फिल्म को अपने करियर की सबसे प्यारी फिल्मों में से एक बताया। रसिका दुग्गल ने कहा कि यह बच्चों को कम समझदार मानने के बजाय उनके नजरिये को समझते हुए बनाई गई फिल्म है, जिसका आनंद बड़े भी उठा सकते हैं।

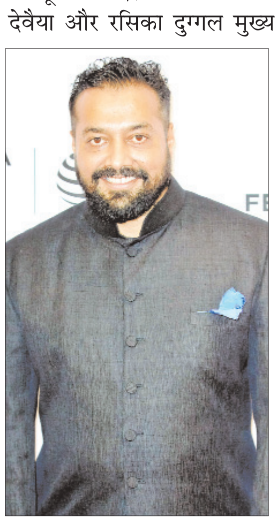

रोहित सराफ तीन अलग किरदारों में आएंगे नजर

अभिनेता रोहित सराफ आने वाले दिनों में तीन अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आएंगे। द रिवोल्यूशनरीज, मिसमैच्ड सीजन 4 और महाकाली में रोहित के तीन अलग किरदार और अलग-अलग जॉनर देखने को मिलेंगे। रोहित की मौजूदा रिलीज द रिवोल्यूशनरीज 11 सितंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। पीरियड ड्रामा में वह क्रांतिकारी सचिंद्रनाथ सान्याल की भूमिका निभा रहे हैं। ब्रिटिश राज और स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म में रोहित का लुक और किरदार उनके अब तक के काम से अलग है।इसके बाद रोहित मिसमैच्ड सीजन 4 में नजर आएंगे। इस सीजन में वह ऋषि के किरदार में अपने पसंदीदा बॉय-नेक्स्ट-डोर अंदाज में दिखाई देंगे। दिव्यांग ठक्कर के निर्देशन में बनी इस सीरीज की शूटिंग पूरी हो चुकी है। रोहित तेलुगु सिनेमा में भी डेब्यू करने जा रहे हैं। वह पूजा कोल्लुरु के निर्देशन में बनी फिल्म महाकाली में अक्षय खन्ना के साथ नजर आएंगे। फिल्म का टीजर जारी होने के बाद रोहित के लुक और किरदार को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गयी है। तीन अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में अलग किरदारों के जरिये रोहित सराफ अपनी अभिनय क्षमता के नए रंग दिखाने के लिये तैयार हैं।

अनिल कपूर के साथ पहली बार काम करने पर गणेश आचार्य खुश

इंडिया के टॉप 1 में अनिल कपूर की पहली कव्वाली परफॉर्मेंस को सोशल मीडिया पर शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। बात खटकी तो जीत पक्की में अनिल कपूर की झकास एनर्जी और गणेश आचार्य की सिग्नेचर कोरियोग्राफी का बेहतरीन मेल देखने को मिल रहा है। कव्वाली के निर्देशक और कोरियोग्राफर गणेश आचार्य ने कहा, यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि दर्शक इस गाने को इतना प्यार दे रहे हैं और यह सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बात खटकी तो जीत पक्की अपनी संस्कृति से जुड़ा हुआ गाना है और इसका हुक सुनते ही जुबान पर चढ़ जाता है।

उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से अनिल सर के साथ काम करना चाहता था और मुझे खुशी है कि स्टार प्लस ने इंडिया के टॉप 1% के जरिए हमें पहली बार साथ काम करने का मौका दिया। चूंकि यह उनकी पहली कव्वाली परफॉर्मेंस थी, इसलिए हमने इसे उनके झकास अंदाज के मुताबिक तैयार किया। उनकी जबरदस्त एनर्जी ने हमारी सोच को पर्दे पर और भी शानदार बना दिया और इस गाने को एक यादगार जश्न में बदल दिया। इंडिया के टॉप 1क़् द अनिल कपूर शो का प्रसारण 19 सितंबर से रात आठ बजे स्टार प्लस और जियोहॉटस्टार पर किया जायेगा।

फसल बीमा में भारी लापरवाही, किसानों को नहीं मिली पॉलिसी

जिला व तहसील प्रतिनिधियों पर उठे सवाल, प्रीमियम काटने के बावजूद आज दिनांक तक किसानों को जारी नहीं की गई फसल बीमा पॉलिसी

जिला प्रतिनिधि राकेश पटले और तहसील प्रतिनिधि राहुल ठाकुर पर लगे गंभीर लापरवाही के आरोप

धनौरा, स्वतंत्र मत। कृषि प्रधान देश में किसानों के हितों को लेकर सरकारें बड़े-बड़े दावे करती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अधिकारियों और बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों की लापरवाही के कारण अन्नदाता आज भी परेशान है। ऐसा ही एक गंभीर मामला सिवनी जिले के धनौरा तहसील में सामने आया है, जहाँ किसानों की फसल बीमा पॉलिसी में भारी अनियमितता देखने को मिल रही है।प्राप्त जानकारी और किसानों की शिकायत के अनुसार, फसल बीमा की राशि तो काट ली गई है,लेकिन आज दिनांक तक किसानों को फसल बीमा पॉलिसी जारी ही नहीं की गई है। इस गंभीर लापरवाही के कारण फसल नुकसान होने पर भी किसान अपने मुआवजे या दावे के लिए आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। पीड़ित किसानों ने जब इस संबंध में बैंक के ब्रांच मैनेजर से पूछताछ की, तो एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ। ब्रांच मैनेजर के मुताबिक, बीमा कंपनी के प्रतिनिधि राहुल ठाकुर द्वारा बैंक को समय-समय पर जरूरी जानकारी ही उपलब्ध नहीं कराई गई, जिसके कारण यह संकट खड़ा हुआ है।

अधिकारियों और प्रतिनिधियों की मिलीभगत का आरोप

किसानों ने सीधे तौर पर इस पूरी धांधली और अनियमितता के लिए बीमा कंपनी के जिला प्रतिनिधि राकेश पटले और तहसील प्रतिनिधि राहुल ठाकुर समेत कृषि विभाग के संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया है। किसानों का कहना है कि इन जिम्मेदार चेहरों की लापरवाही की वजह से आज सैकड़ों किसानों का भविष्य अधर में लटका हुआ है।

क्या जिला कलेक्टर स्वयं लेंगी संज्ञान

इस घटना के बाद पीड़ित किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। किसानों ने प्रशासन और सरकार से तीखे सवाल पूछते हुए कहा है कि फसल बीमा में हो रही ऐसी खुली अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार जिला प्रतिनिधि राकेश पटले और तहसील प्रतिनिधि राहुल ठाकुर और कृषि विभाग के लापरवाह अधिकारियों पर क्या शासन कोई कड़ा एक्शन लेगा या फिर इसी तरह हमेशा किसानों के हितों के साथ खिलवाड़ होता रहेगा।किसान संगठनों और ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी फसल बीमा पॉलिसी जारी नहीं की गई और दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

गलत सर्वे से किसानों के हक पर डाका

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कृषि विभाग के अधिकारियों, बीमा कंपनी के जिला व तहसील प्रतिनिधियों की कथित लापरवाही और गलत जाँच के कारण किसानों में भारी आक्रोश है। किसानों का आरोप है कि फसलों के नुकसान की सूचना मिलने के बाद जो सर्वे किया गया, उसमें फसल क्षति का प्रतिशत वास्तविक नुकसान से बहुत कम दर्ज किया गया है। इसके चलते किसानों को बीमा कंपनी से मिलने वाला मुआवजा केवल नाममात्र का ही प्राप्त हो रहा है। जलभराव से 60 प्रतिशत फसल बर्बाद हो गई है परंतु सर्वे रिपोर्ट में नुकसान कुल भूभाग का 40 प्रतिशत हिस्से का 40त्न बताया गया अर्थात् कुल भूभाग का औसतन 10त्न के लगभग नुकसान दर्शाया गया है ।

सर्वे रिपोर्ट से खिलवाड़

शिकायत पत्र में एक विशिष्ट मामले का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि सलेमा (मोहगाँव) के निवासी किसान नारायण गोल्हानी के खेत में बोई गई मक्के की फसल दिनांक 29/08/2026 से 04/09/2026 के दौरान हुई भारी बारिश के कारण जलमग्न हो गई। खेत में हुए जलभराव से मक्के की फसल लगभग 60त्न तक क्षतिग्रस्त हो चुकी है। पानी जमा होने के कारण मक्के की जड़ें खराब हो रही हैं, जिससे फसल पीली पड़ रही है और कई जगहों पर फसल जमीन पर गिरकर नष्ट हो गई है।किसान का आरोप है कि इस विकट स्थिति के बावजूद सर्वे टीम द्वारा जो जाँच रिपोर्ट तैयार की गई है, वह पूरी तरह फर्जी है और किसानों के हितों के साथ एक भद्दा खिलवाड़ है।

इनका कहना है

शाखा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक धनौरा -बीमा कंपनी के प्रतिनिधि राहुल ठाकुर द्वारा नहीं दी गई समय पर जानकारी।

तहसील छपारा का एक पटवारी बाबूगिरी पर हावी और बाबू बने साहबजादे ?

अपना काम बनता, भाड़ में जाए जनता, बाप बड़ा ना भैया सबसे बड़ा रुपैया

छपारा। स्वतंत्र मत। सिवनी जिलें के तहसील छपारा इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई है। तहसील छपारा के दोनों न्यायालय के तहसीलदार, नायब तहसीलदार का बाबुओ से ज्यादा सबसे विश्वसनीय बड़े बाबू के रूप मे महारत हासिल कर संलग्ननीकरण के रूप में न्यायालयीन काम कर रहे मड़वा हल्का के पटवारी नीरज शिवेदी माने जाते है। तहसील छपारा के हर कर्मचारियों के रुतबे कि कहानी सबकी अलग अलग है।

नायब तहसीलदार चमारी खुर्द में संलग्न पटवारी के है जलवे

छपारा तहसील मे बड़ा अफसर कुछ नहीं है..? यहाँ तो कुछ चपरासी ऐसे भी है जो बाबूगिरी पर उतारू है। आम जनता व किसानों में यह जन चचाएँ यह भी है कि कुछ चपरासियों व कार्यालय में काम करने वाले कोटवारो व न्यायालय नायब तहसीलदार चमारी खुर्द में संलग्न पटवारी नीरज शिवेदी को लोग बाबू जी के नाम से जानते है क्योंकि यहां पटवारी नीरज शिवेदी मड़वा हल्के के काम में नहीं बल्कि न्यायालय के प्रकरणों को निपटाने में माहिर है! चापलूसी करके प्रकरणों कों निपटाने में है आगे छपारा तहसील के नायब तहसीलदार कोर्ट में बैठकर सारे साथी पटवारियों से सेटिंग व साठ गाँठ करके फिर न्यायालय में बैठकर

नीरज शिवेदी ने लेन-देन की फैलाई बीमारी

तहसील छपारा के चमारी सर्किल के क्षेत्रो में तो ये भी जन चचाओं में है कि जिन प्रकरणों कों निपटाने के लिए लेन देन कि बात बड़े बाबू नीरज शिवेदी से हो जाति है, तो बाकायदा चमारी सर्किल के साथी पटवारियों व ग्राम कोटवारों के माध्यम से ठेकेदारी कि बात पक्की करके उन प्रकरणों कि जल्दी जल्दी सुनवाई कर समय सीमा से पूर्व निपटारा कर दिया जाता है और जिन प्रकरणों में सेटिंग नहीं होती है, उन प्रकरणों कों लेट लतीफ कर पेशी तारीख पर तारीख देकर चपरासी के माध्यम से फाइल कों दवा दिया जाता है या फिर अवैधानिक तरीके कि से भू-राजस्व संहिता से हटकर सिविल कोर्ट, हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट, राजस्व मंडल या स्वत्वचमारी सर्किल में पटवारी सम्बन्धी हवाला देकर के नए नए न्याय दृष्टांत आदेश में डालकर प्रकरण को खारिज करवा दिया जाता है। जिससे किसानों पक्षकारों को अपूर्णीय क्षति के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक व आर्थिक हानि उठाना पड़ता है। दोनों कोर्ट के अधिकारियो से सेटिंग करके अपनी मनमर्जी और पकड़ के चलते यहाँ तहसील के बाबुओं में पटवारी नीरज शिवेदी कों बड़े बाबू जी के रूप में भी गिने जानें लगा है और ना केवल कहने के लिए बल्कि रुतवा, अनुभव और अधिकारियो से चापलूसी करके प्रकरणों कों निपटाने के काम में ये बाबुओ से भी बहुत आगे है।

न्यायालय के कार्यों से मुक्त किया जावे

राजस्व विभाग के उच्चाधिकारी आदिवासी विकासखंड छपारा क्षेत्र से पटवारी नीरज शिवेदी व चिहिन्त कोटवारो को न्यायालय के कार्यों से मुक्त कर तत्काल तहसील परिसर से पृथक करें जिससे शासन प्रशासन कि गरिमा, किसानों, आमजन व जनमानस का विश्वास अधिकारियों बाबुओं व न्यायालयों के प्रति बना रहे

बड़े बाबू पटवारी नीरज शिवेदी का बात करने का लहजा भी तहसील के बाबुओ और न्यायालय के कर्मचारियों से कुछ अलग ही है, उनके रुतबे और अधिकारियो से अच्छी पकड़ व विश्वास पात्र के चलते लगता है कि यदि बात ना मानो तो काम होना भी संभव नहीं है? इनके साथ कुछ कोटवार भी है जो बड़े बाबू नीरज शिवेदी के करीबी भी है जो सम्बंधित हल्का या ग्राम में सेवाएं ना देकर नायब तहसीलदार चमारी खुर्द कार्यालय में बैठकर लिपिकीय काम करते है, ईश्तहार, नोटिस प्रोफार्मा में आदेश, विवादित प्रकरणों में पक्षकारों कों भ्रमित कर न्यायालय कि गरिमा भंग करते है। बताया तो ये भी जाता है कि ये दो चार कोटवार लोग भी अपने भर्ती ग्राम में सेवाएं ना देकर तहसील परिसर में बाबू बन बैठकर काम करते है।

किसान की करंट लगने से मौत

सिवनी। स्वतंत्र मत। जिले के घंसौर थाना क्षेत्र के खमरिया बाजार गांव में शुक्रवार दोपहर एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई। वह खेत में सिंचाई के लिए लगी मोटर चालू करने गए थे। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी। मृतक की पहचान 55 साल के बिहारी लाल के तौर पर हुई है।जानकारी के अनुसार, बिहारी लाल अपने खेत में मोटर चालू करने गए थे। इसी दौरान वे बिजली की मोटर या उससे जुड़े किसी उपकरण के संपर्क में आ गए और उन्हें करंट लग गया। करंट का झटका इतना तेज था कि वे मौके पर ही बेहोश होकर गिर गए। आसपास मौजूद लोगों को घटना की जानकारी मिलते ही वे तुरंत मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक किसान की जान जा चुकी थी।

डकैती का 24 घंटे में खुलासा करने वाली सिवनी पुलिस टीम को डीजीपी एव एडीजी जबलपुर ज़ोन ने किया पुरस्कृत

सिवनी जिले के थाना बंडोल के अपराध क्रमांक 350/26 धारा 309(4) में दिनांक 03/09/2026 को फरियादी योगेन्द्र बघेल निवासी लखनवाड़ा के साथ नेशनल हाईवे-44 ग्राम भोंगाखेड़ा में अज्ञात बदमाशों द्वारा आंखों में मिर्ची पाउडर झोंककर 26 किलो चांदी एवं 320 ग्राम सोना (कुल कीमती लगभग 01 करोड़ 08 लाख रुपये) की सनसनीखेज डकैती की घटना कारित की गई थी।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी द्वारा तत्काल 10 विशेष टीमों का गठन कर जबलपुर, नागपुर, कुरई, छपारा, लखनादौन सहित 200 से अधिक स्थानों के सीसीटीव्ही फुटेज का विश्लेषण कर एवं संभावित स्थानों पर दबिश देकर 24 घंटे के अंदर सभी 07 आरोपियों को गिरफ्तार कर 100 प्रतिशत मशरूका (सोना, चांदी, नकदी, घटना में प्रयुक्त वाहन एवं मोबाइल) बरामद करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गई।

उक्त उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य हेतु पुलिस महानिदेशक, म.प्र. कैलाश मकवाणा एवं अति. पुलिस महानिदेशक, जबलपुर ज़ोन प्रमोद वर्मा द्वारा सिवनी पुलिस के अधिकारियों कर्मचारियों को उत्साहवर्धन हेतु नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है।

24 साल से महिलाओं को हुनर की ताकत दे रहा ओम कला केन्द्र, 17 से नए बैच में प्रवेश

सिवनी। स्वतंत्र मत। महिलाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार से जोडने् के उद्देश्य से ओम कला केन्द्र द्वारा सिलाई एवं ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण के नए बैच प्रारंभ किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से सिवनी के आधुनिक कॉलोनी क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए नवीन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होगी। इच्छुक अभ्यर्थियों से समय पर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की गई है। ओम कला केन्द्र के अनुसार संस्था पिछले 24 वर्षों सेमहिलाओं को रोजगारमूलक प्रशिक्षण देने का कार्य कर रही है। संस्था का उद्देश्य बिना किसी शासकीय मदद के महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने और आत्मनिर्भर बनने के लिए सक्षम बनाना है।

सिवनी के संगई से वैश्विक मंच तक निपुण सिंह की गौरवशाली उड़ान, मैनहंट इंटरनेशनल में भारत बने प्रथम उपविजेता

सिवनी। स्वतंत्र मत। मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के छोटे से ग्राम संगई से निकली प्रतिभा ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का मान बढ़ाते हुए जिले को गौरवान्वित किया है। संगई में जन्मे और जबलपुर में पले-बढ़े निपुण सिंह बघेल ने श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित 24वें मैनहंट इंटरनेशनल 2026 में भारत का शानदार प्रतिनिधित्व करते हुए प्रथम उपविजेता का खिताब हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से सिवनी सहित पूरे मध्यप्रदेश में हर्ष और गौरव का माहौल है।

निपुण सिंह की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि तक पहुंचने की कहानी भी कम प्रेरणादायी नहीं है। इससे पहले उन्होंने मुंबई में आयोजित भव्य ग्रैंड फिनाले में लगभग 20 हजार आवेदकों के बीच सफलता हासिल करते हुए 'रुबरू मिस्टर इंडिया मैनहंट इंटरनेशनल 2025' का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया था। इसी राष्ट्रीय सफलता के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला।

श्रीलंका में भारत का गौरव बढ़ाया

9 सितंबर 2026 को कोलंबो में आयोजित 24वें

मैनहंट इंटरनेशनल 2025 का खिताब जीतने में दुनिया के विभिन्न देशों के प्रतिभागियों के बीच निपुण सिंह ने आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, प्रतिभा और प्रभावशाली प्रस्तुति के दम पर प्रथम उपविजेता का स्थान हासिल किया। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि निपुण ने न केवल अपने परिवार और जिले, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व किया।

भारतीय आस्था और किसानों का पर्व तान्हा पोला...

भारत कृषि प्रधान देश है, और किसानों की शान पशुधन होते हैं, गाय, बैल

सिवनी। स्वतंत्र मत। भारत चूंकी कृषि प्रधान देश है, जिसमें भारत की 70 से 80 पर्सेंट आबादी कृषि पर निर्भर करती है, मुख्य रूप से किसान के कठोर परिश्रम का ही नतीजा है, कि आज संपूर्ण विश्व खाद्य व्यवस्था के लिए किसानों पर निर्भर रहता है, इसी कड़ी के अंतर्गत कृषि कार्य मुख्य रूप से आज के आधुनिक दौर में स्वरूप बदलकर ट्रैक्टरों से खेती की जा रही है, राषायनिक खाद का बहुतायत प्रयोग कर किसानों अपनी मातृभूमी को बंजर बना रहे है, लेकीन पालतू मवेशियों के गोबर की खाद की बात ही कुछ

और है, लेकीन आजकल गाय बैल को पालना और उनकी देखभाल करना आज के किसान भाई नहीं कर पा रहे है।

लेकिन प्राचीन परंपरा के अनुसार किसान भाई पालतू मवेसियों के दम पर और बैलों को पालकर कृषि करते थे, भाद्र मास में अमावस्या के दिन पडने वाला, तान्हा,पोला,पिठौरा का पर्व विशेष रूप से बैलों को लेकर पशुधन के रूप में मनाया जाता है,किसानों के कृषि मित्र या पशुधन गाय, बैल होते हैं, इस दिन बैलों को नहला-धुला कर विशेष साज, साज सज्जा के बाद आकर्षक रूप देकर गांव में सभी मवेशी पालकों के द्वारा एकत्रित होकर अपनी अपनी बैल जोड़ी को दौड़ाने की परंपरा है,इस आधार पर प्रतियोगिताएं भी रखी जाती हैं, प्रथम,द्वितीय,तृतीय और सबसे सुंदर आकर्षक बैल जोड़ी सजाने वाले व्यक्ति को भी पुरस्कृत किया जाता है, तत्पश्चात ग्रहणी महिलाएं अपने घर में विशेष व्यंजनों को बनाकर इस त्यौहार को मनाती हैं, और बैल जोड़ियां का स्वागत करती है, बुजुर्गों का सम्मान हिंदू संस्कृति के अनुसार चंदन,रोली, कुमकुम का टीका चांवल का लगाकर उनसे आशीर्वाद लिया जाता है, इसके बाद दूसरे दिन नारबोद का पर्व जिसे हम क्षेत्रीय भाषा में बड़गा भी कहते हैं, मनाने की परंपरा है, इस दिन बरसात के बाद जैसे युवा तरुणोई जो गेड़ी जो लकड़ी का खिलौना बनाकर खेलते है, और उसको बनाकर चलते थे, को सुबह गांव में एकत्रित होकर सामूहिक रूप से जलाने की परंपरा है, नारबोद एक राक्षसी थी जिसे मिट्टी से आकार देकर बनाते हैं, और अला बला बुरी बाधाओं को इस नारबोद रुपी राक्षस ले जा ऐसा कहा जाता है, झड़ती बोला जाता है, और किसान भाई बडे उत्साह के साथ एक दुसरे को बधाई देकर अपनी फसल अच्छे से पके ऐसी अपेक्षा रखते है।

पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने जनसुनवाई में 297 आवेदनों पर समस्याओं का किया निराकरण

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। पूर्व राज्यमंत्री एवं नरसिंहपुर जिले के पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल ने विधायक निवास पर जनसुनवाई कर जिलेभर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। प्राप्त कुल 297 आवेदनों पर पूर्व राज्यमंत्री ने गंभीरता से सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों से जानकारी लेकर समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए जनसुनवाई में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के नागरिक अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर पहुंचे। लोगों ने सड़क राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन सहित अन्य विभागों से जुड़ी समस्याएं पूर्व राज्यमंत्री के समक्ष रखीं। जालम सिंह पटेल ने प्रत्येक आवेदक की बात को गंभीरता से सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए इस अवसर पर जालम सिंह पटेल ने कहा कि जनता की सेवा करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का कर्तव्य और जिम्मेदारी है। जिस जनता ने जनप्रतिनिधि पर विश्वास जताया है, उसके विश्वास पर खरा उतरना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस दिन से उन्होंने जनता की सेवा का संकल्प लिया है, उसी दिन से वे क्षेत्रवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। जनता की समस्याओं को अपनी समस्या समझकर उनका निराकरण कराना उनका दायित्व है। उन्होंने कहा कि वे 24 घंटे जनता की सेवा के लिए तत्पर हैं और क्षेत्र की जनता भी लगातार विश्वास एवं सहयोग प्रदान कर रही है जनसुनवाई के दौरान कई प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों से तत्काल जानकारी लेकर आवेदकों को आवश्यक समाधान उपलब्ध कराया गया। पूर्व राज्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के निराकरण में अनावश्यक देरी न हो और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिले ।

स्वच्छता नियमों का उल्लंघन, प्लास्टिक के उपयोग पर कार्रवाई

नपा टीम ने किए 4500 रुपए के चालान

करेली (स्वतंत्र मत)। नगर के मुख्य बाजार एवं प्रमुख मार्गों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और पॉलीथिन मुक्त बनाए रखने के लिए नगर पालिका परिषद करेली द्वारा लगातार निरीक्षण एवं चालानी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को नगर पालिका की टीम ने मुख्य मार्गों एवं बाजार क्षेत्र में विशेष स्वच्छता निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 4500 रुपए के चालान किए गए।

नोडल अधिकारी के निर्देशन में विशेष निरीक्षण-मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीकांत

पाटर द्वारा स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए टीम का गठन किया गया है। इसमें योगेंद्र प्रताप सिंह रघुवंशी, सहायक ग्रेड-3 को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके निर्देशन में गठित टीम द्वारा मुख्य बाजार एवं प्रमुख मार्गों पर लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

कचरा फैलाने वालों को दी समझाइश-निरीक्षण के दौरान दुकानदारों एवं फुटकर विक्रेताओं को सार्वजनिक स्थानों और मार्गों पर कचरा नहीं फेंकने, कचरा पात्र का उपयोग करने तथा अपने प्रतिष्ठान के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने की समझाइश दी गई। नगर पालिका टीम ने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए भी जागरूक किया। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध मौके पर चालानी कार्रवाई की गई।

स्वच्छता को लेकर प्रतिदिन कार्रवाई-मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने बताया कि नगर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेगा। सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के साथ ही प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका ने नागरिकों एवं व्यापारियों से स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

जनशिक्षा केंद्र आमगांव में हुआ शैक्षिक संवाद

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। शनिवार को जनशिक्षा केंद्र आमगांव छोटा में सीखने के लिए आकलन, समस्या से समाधान विषय पर शैक्षिक संवाद कक्षा पहली एवं दूसरी पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं स्तुति के साथ हुई। शैक्षिक संवाद के दौरान प्रभारी प्राचार्य मोहन मुरारी दुबे ने संवाद के उद्देश्य पर चर्चा करते हुए सभी शिक्षकों से सहभागिता करने तथा शिक्षण के दौरान आने वाली समस्याओं के व्यावहारिक समाधान पर विचार साझा करने का आह्वान किया। सीएसी प्रमोद पठारिया ने संवाद की व्यवस्थित रूपरेखा सभी के समक्ष प्रस्तुत की। वहीं शिक्षक अनिल साहू ने शैक्षणिक कार्य के दौरान आने वाली कठिनाइयों एवं उनके निराकरण के विभिन्न पहलुओं पर सभी का ध्यान आकर्षित कराया। संवाद में जनशिक्षा केंद्र अंतर्गत संचालित प्राथमिक शालाओं में कक्षा 1 एवं 2 में अध्यापन कराने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहभागिता की। इस दौरान बच्चों के सीखने के स्तर का आकलन, शिक्षण में आने वाली चुनौतियों तथा समस्याओं के समाधान को लेकर आपसी चर्चा की गई।संवाद में हरीश तिवारी, श्रीमती वंदना कौरव, शैल गुप्ता, प्रेमलता ठाकुर, मनोरमा शर्मा, पुष्पा वर्मा, लक्ष्मी जाटव, गिरीश बाजपेयी, अरविंद गूजर, गजेंद्र बडकुर, ओपी वर्मा, मुकेश कुमार कुबरे, रघुवीर विश्वकर्मा, चतुर्भुज ठाकुर, मानक लाल अहिरवार सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

डीएवी कैमोर की छात्रा आयशा खान ने जीता स्वर्ण पदक

डिस्कस थ्रो में शानदार प्रदर्शन, शॉट पुट में भी हासिल किया रजत पदक- विद्यालय सहित पूरे कैमोर नगर को किया गौरवान्वित

कटनी (स्वतंत्रमत)।

डीएवी स्कूल कैमोर की प्रतिभाशाली छात्रा आयशा खान ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए जिला स्तरीय प्रतियोगिता में डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक हासिल कर विद्यालय, अपने माता-पिता एवं पूरे कैमोर नगर का नाम गौरवान्वित किया है। इसके साथ ही आयशा ने शॉट पुट प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त कर अपनी बहुमुखी खेल प्रतिभा का परिचय दिया। बुढ़ार में आयोजित जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में डीएवी स्कूल कैमोर की छात्रा आयशा खान ने डिस्कस थ्रो में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़कर प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं शॉट पुट प्रतियोगिता में भी आयशा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल हासिल किया। आयशा खान, पुत्री सदर जमा मस्जिद कमेटी के महमूद खान, ने अपनी इस उपलब्धि से यह साबित कर दिया कि नियमित अभ्यास, मेहनत, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उनकी इस सफलता के पीछे उनके निरंतर अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आयशा की इस उपलब्धि से डीएवी स्कूल कैमोर के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन में खुशी का माहौल है। विद्यालय के स्टाफ ने आयशा को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता निश्चित रूप से विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और संघर्ष करने की भावना भी विकसित करते हैं। आयशा खान की सफलता की खबर मिलते ही उनके माता-पिता, परिजनों, शिक्षकों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी। वहीं व्हेन समिति तथा कैमोर नगर के गणमान्य नागरिकों ने भी आयशा को इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। नागरिकों ने कहा कि एक छात्रा द्वारा जिला स्तर पर स्वर्ण एवं रजत पदक जीतना पूरे नगर के लिए गर्व की बात है। नगरवासियों ने उम्मीद जताई कि आयशा इसी तरह मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ते हुए संभाग, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी कैमोर का नाम रोशन करेंगी। आयशा की इस उपलब्धि ने यह संदेश भी दिया है कि छोटे शहरों और कस्बों की प्रतिभाओं में भी बड़े स्तर पर अपनी पहचान बनाने की पूरी क्षमता है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित मार्गदर्शन, अवसर और प्रोत्साहन देने की है। डीएवी स्कूल परिवार ने आयशा खान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यालय अपने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करता रहेगा। विद्यालय प्रबंधन एवं स्टाफ ने आयशा को उनकी शानदार सफलता के लिए बधाई देते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। आयशा खान की यह उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि डीएवी स्कूल कैमोर और पूरे कैमोर नगर के लिए भी गर्व का विषय है।

फोटो : विकास गुप्ता

पर्यावरण शुद्धता का संदेश माटी गणेश सिद्ध गणेश

सेक्टर स्तरीय कार्यक्रम बसाडी सेक्टर के कुम्हरवारा में संपन्न हुआ

कटनी (स्वतंत्रमत)।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त अभियान अंतर्गत डीसी कटनी तेज सिंह केशवाल जी के दिशा निर्देशानुसार ब्लॉक समन्वयक नंदनी वाटिया एवं एमजेवीएस प्रमुख निर्भय सिंह के मार्गदर्शन में बसाड़ी सेक्टर नवांकुर संस्था मानव जीवन विकास समिति सेक्टर प्रभारी गुलशन सिंह रुहेल एवं प्रस्फुटन समिति कुम्हरवारा अध्यक्ष रामकृपाल जी के द्वारा सरस्वती माध्यमिक शाला में पर्यावरण शुद्धता का संदेश माटी गणेश सिद्ध गणेश घर घर गणेश, हर घर गणेश विराजे माटी गणेश कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में नंदनी वाटिया द्वारा आगामी गणेश चतुर्थी पर्व में गणेश भगवान की मूर्ति निर्माण में प्लास्टिक, पावडर ऑफ पेरिस एवं अन्य पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली सामग्री की जगह पर्यावरण के अनुकूल मिट्टी के गणेश बनाकर स्थापना करने एवं व्यवस्थित मूर्ति विसर्जन के बारे में जानकारी देकर प्रेरित किया गया कार्यक्रम में सरस्वती स्कूल के प्रधानाध्यापक सुशील कुमार पटेल, सरपंच वृन्दावन पटेल, सचिव रेवा प्रसाद विश्वकर्मा, जीआरएस सुरेश कुमार पटेल, अध्यापिका सुमित्रा केवट, ज्योत्सना केवट, प्रियंका कोरी, ज्योति रजक अध्यापक मुकेश कुमार, सुमित कुमार दहायत, मूर्तिकार औसर लाल केवट, निरंजन प्रसाद, प्रीति कोल, रानी, प्रीति, शिल्पी, पूजा, शकुन बाई, कुसुम बाई, शिल्लो बाई, विमला, सन्तोषिया बाई, नीता बाई, केशिया बाई, तिरसिया बाई, मुन्नी बाई, कटिया बाई, बिल्सी बाई सहित सरस्वती स्कूल के छात्र एवं छात्राओं ने मिट्टी के गणेश बनाकर पूजा आरती में सहयोग प्रदान किया साथ ही मिट्टी की गणेश मूर्ति की ही स्थापना करने एवं व्यवस्थित पर्यावरण के अनुकूल जल विहार (विसर्जन) करने का संकल्प लिया।

अग्रवाल महिला मंडल ने मनाया नंदोत्सव

कटनी (स्वतंत्रमत)।

अग्रवाल महिला मंडल द्वारा नंद उत्सव एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में नंदोत्सव एवं बाल लीला महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। महिलाओं ने सजे हुए लड्डू गोपाल जी को झूला झुलाया, भजन-कीर्तन किए और भगवान के जन्म के बाद नंद घर आनंद भयो की बधाइयाँ गाई, लड्डू गोपाल जी को 56 भोग लगाया गया। इसी अवसर पर परम्परागत गुड़ के लड्डू बनाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

निर्णायक मंडल द्वारा स्वाद एवं प्रस्तुति के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। विजेता प्रतिभागी में प्रथम स्थान - रेखा अग्रवाल, द्वितीय स्थान- रीता अग्रवाल, तृतीय स्थान- रानी अग्रवाल सभी विजेताओं को अग्रवाल महिला मंडल द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल की अध्यक्ष निमिषा अग्रवाल, उपाध्यक्ष अलका अग्रवाल, सचिव नीति अग्रवाल, सह-सचिव पायल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रश्मि अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

छात्र हितों की मांगों को लेकर इंदौर पहुंचने की अपील

कटनी (स्वतंत्रमत)।

19 सितंबर को इंदौर में आयोजित होने वाले छात्रों की गूंज युवाओं की आवाज, एक नई सोच कार्यक्रम को लेकर आज कटनी के तिलक महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं से व्यापक जनसंपर्क किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के लिए बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं का पंजीयन कराया गया और उन्हें छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव एवं पूर्व एनएसयूआई जिला अध्यक्ष दिव्यांशु मिश्रा ने छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि आज देश के युवाओं के सामने शिक्षा और रोजगार से जुड़े गंभीर सवाल हैं। नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं में पेपर लीक, शिक्षा के बढ़ते व्यापारीकरण और लगातार महंगी होती शिक्षा ने आम विद्यार्थी के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। उन्होंने कहा कि केजी से लेकर पीजी तक गुणवत्तापूर्ण एवं मुफ्त शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता एवं पेपर लीक पर प्रभावी रोक, शिक्षा के व्यापारीकरण पर अंकुश, छात्रों के अधिकारों की सुरक्षा तथा युवाओं के लिए बेहतर शिक्षा एवं रोजगार के अवसर जैसी मांगों को मजबूती से उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने छात्र-युवाओं से अपील की कि 19 सितंबर को अधिक से अधिक संख्या में इंदौर पहुंचें और छात्रों की गूंज के माध्यम से अपनी मांगों एवं अधिकारों की आवाज बुलंद करें। जिला एनएसयूआई अध्यक्ष अजय खटिक ने कहा कि छात्र केवल शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी नहीं, बल्कि देश के भविष्य की नींव हैं। जब शिक्षा महंगी होगी परीक्षाओं में अनियमितताएं होंगी और पेपर लीक जैसी घटनाएं विद्यार्थियों की मेहनत पर सवाल खड़े करेंगी, तो आवाज उठाना जरूरी है। हमारी प्रमुख मांग है कि केजी से पीजी तक शिक्षा को मुफ्त और सुलभ बनाया जाए, प्रतियोगी परीक्षाओं को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए और छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली व्यवस्था पर कठोर कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि छात्रों की गूंज केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की मांगों को मजबूती से सामने रखने का सामूहिक प्रयास है। जनसंपर्क के दौरान छात्र-छात्राओं में कार्यक्रम को लेकर भारी उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर प्रदेश सोशल मीडिया समन्वयक शशांक गुप्ता, सूर्यकांत कुशवाहा, जिला एनएसयूआई प्रभारी अभिषेक प्यासी, सौरभ पांडेय, सोशल मीडिया प्रभारी प्रज्ज्वल साहू सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं युवा उपस्थित रहे।

फोटो : विकास गुप्ता

दधिकांदो महोत्सव में सम्मानित हुई कटनी ब्लड डोनर सोसाइटी

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी ब्लड डोनर एण्ड वेलफेयर सोसाइटी को बधाई उत्सव कमेटी के तत्वावधान में आयोजित 72वें दधिकांदो महोत्सव के मंच से सम्मानित किया गया। संस्था द्वारा निरंतर किए जा रहे निस्वार्थ रक्तदान एवं समाजसेवा के कार्यों को देखते हुए, बधाई उत्सव कमेटी के समस्त पदाधिकारियों द्वारा सोसाइटी के उपस्थित सदस्यों को मंच पर आमंत्रित कर स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सोसाइटी के सदस्यों द्वारा महोत्सव में उपस्थित कलाकारों को भी पुरस्कृत किया गया। यह सम्मान किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरी टीम के समर्पण, सेवाभाव और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। हमारे लिए यह अत्यंत गौरव और सौभाग्य की बात है। यह सम्मान हमें भविष्य में भी इसी निष्ठा और समर्पण के साथ समाजसेवा एवं रक्तदान के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

ड्रिंक एंड ड्राइव, वाहन चालकों पर जुर्माना

यातायात पुलिस ने की 8 ओवरस्पीड वाहनों पर कार्यवाही

कटनी (स्वतंत्रमत)।

यातायात पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए नियमउल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत विगत 2 दिन में 2 वाहन चालकों के विरुद्ध ड्रिंक एंड ड्राइव की कार्रवाई की गई। दोनों प्रकरण न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए, जहां न्यायालय द्वारा प्रत्येक वाहन चालक पर 10 हजार रूपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। न्यायालय के आदेश के पालन में संबंधित वाहन स्वामी चालकों को वाहन सुपुर्द किए गए। इसी क्रम में 8 ओवरस्पीड वाहनों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। वहीं नो एंट्री में संचालित वाहन की ऑनलाइन चालान हिस्ट्री जांचने पर वर्ष 2022 से विभिन्न राज्यों के 29 हजार 500 रूपए के लंबित चालान पाए गए, जिनमें झारखंड 9 हजार, पश्चिम बंगाल 500 एवं उत्तर प्रदेश 20 हजार शामिल हैं। यातायात पुलिस द्वारा बिना नंबर प्लेट संचालित वाहनों पर भी कार्रवाई की गई तथा मौके पर नंबर प्लेट लगवाकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद वाहन छोड़े गए। बड़वारा पुलिस ने भी की कार्यवाही शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों पर पुलिस द्वारा कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में बड़वारा पुलिस ने वाहन चैकिंग के दौरान ट्रक को चैक किया। ट्रक चालक राहुल अलावा पिता अर्जुन अलावा निवासी खलघट थाना दामनौद जिला धार को ब्रीथ एनालाईजर मशीन से चैक किया गया, जिसमें ट्रक चालक द्वारा एल्कोहल का सेवन करना पाया गया।

ट्रक चालक द्वारा शराब का सेवन कर ट्रक चलाने पर धारा 185 एमव्ही एक्ट की कार्यवाही की जाकर ट्रक को जप्त किया जाकर थाना परिसर में खड़ा किया गया है। कार्यवाही में थाना प्रभारी सुयश पाण्डेय, एएसआई महेश प्रताप सिंह, प्रधान आरक्षक नीलेश दुबे, आरक्षक शिवप्रकाश तिवारी, आरक्षक गौरीशंकर राजपूत एवं सायबर सेल से आरक्षक शुभम गौतम की विशेष भूमिका रही।

फोटो : विकास गुप्ता

निरीक्षण में सामने आई स्कूल की खामी

छत टपकती मिली, कलेक्टर ने कराई मरमत की पहल

कटनी (स्वतंत्रमत)।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर आशीष तिवारी ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिलहरी का निरीक्षण किया। बारिश के दौरान स्कूल की छत से पानी टपकता मिला तो उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को तत्काल मरमत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भवन की समस्या के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों से पढ़ाई, रुचि और भविष्य की योजनाओं पर संवाद किया। छात्रा साक्षी बर्मन ने अंग्रेजी में बिलहरी के बारे में चार पंक्तियां आत्मविश्वास से सुनाईं, जिसकी कलेक्टर और एसपी अभिनव विश्वकर्मा ने सराहना की। वहीं छात्र मोतीलाल यादव ने 400 मीटर दौड़ में रुचि और एथलीट बनने की इच्छा बताई, जिस पर एसपी ने उसे प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों का सिलेबस समय पर पूरा कराने तथा शिक्षा के साथ खेल और अन्य गतिविधियों में आगे बढ़ने के अवसर उपलध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, एसडीएम जितेन्द्र पटेल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अल्फर्टगंज में दो कबाड़ दुकानें सील अतिक्रमण और नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई

गंदगी फैलाने पर 5 हजार का जुर्माना

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर को अतिक्रमणमुक्त और स्वच्छ रखने के लिए नगर निगम ने शुक्रवार को अल्फर्टगंज क्षेत्र में अतिक्रमण एवं अस्वच्छता के खिलाफ कार्रवाई की। नियमों के उल्लंघन पर दो कबाड़ दुकानों को सील किया गया, जबकि सार्वजनिक स्थान पर गंदगी फैलाने के मामले में एक व्यवसायी पर 5 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया। निगम अमले ने संबंधित व्यवसायियों को सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण नहीं करने तथा दुकान और आसपास स्वच्छता बनाए रखने की समझाइश दी। निगम ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थान बाधित करने और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह, अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह, स्वच्छता निरीक्षक निशांत कन्नौजिया सहित निगम अमला मौजूद रहा। कानून-व्यवस्था के लिए कोतवाली पुलिस बल भी मौजूद रहा।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के तहत नगर निगम की आईईसी टीम ने वार्ड 34 के छापरवाह क्षेत्र में नागरिकों और विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कचरे को गीला, सूखा, सैनिटरी और स्पेशल केयर श्रेणी में अलग रखने की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के साथ सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण किया गया। रहवासियों को होम कपोस्टिंग और सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

महापौर ने किया गणेश चौक का स्थल निरीक्षण

गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक विशेष साफ-सफाई, कीटनाशक दवा के छिड़काव एवं प्रकाश व्यवस्था के दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। आगामी गणेश उत्सव एवं गणेश चौक में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले वार्षिक मेले को दृष्टिगत रखते हुए नगर पालिक निगम कटनी द्वारा आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इसी क्रम में महापौर प्रीति संजीव सूरी ने शनिवार को गणेश चौक पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया तथा उत्सव एवं मेले के दौरान नागरिकों एवं श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में निगम अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महापौर सूरी ने गणेश चतुर्थी से लेकर अनंत चतुर्दशी तक गणेश चौक, आसपास के क्षेत्रों में विशेष साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रतिमा स्थापना स्थलों एवं पंडालों के आसपास नियमित रूप से कीटनाशक दवा का छिड़काव कराने तथा स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही पंडालों के आसपास पर्याप्त संख्या में डस्टबिन रखवाने के निर्देश भी दिए, ताकि श्रद्धालुओं एवं नागरिकों द्वारा उत्पन्न होने वाले कचरे का उचित संग्रहण हो सके और पूरे आयोजन के दौरान पंडाल परिसर एवं आसपास का क्षेत्र स्वच्छ बना रहे।

महापौर ने गणेश चौक के आसपास पहुंच मार्गों एवं प्रमुख आवागमन वाले मार्गों का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि जहां कहीं भी सड़क पर गड्ढे पाए जाएं, वहां आवश्यकतानुसार गड्ढों की भराई एवं मार्ग को समतल कराया जाए, ताकि गणेश उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने उत्सव एवं मेले के दौरान क्षेत्र में पर्याप्त अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही आवश्यकता के अनुसार पेयजल की समुचित व्यवस्था कराने के निर्देश भी दिए। महापौर ने कहा कि गणेश उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं नागरिकों की आवाजाही को देखते हुए मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता एवं व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए।

व्यवस्थित रूप से दुकानें लगाने के निर्देश-गणेश चौक में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले वार्षिक मेले के दौरान बड़ी संख्या में फुटकर व्यापारी एवं दुकानदार अपनी दुकानें लगाते हैं। महापौर ने निर्देश दिए कि सभी फुटकर व्यापारी निर्धारित दायरे एवं व्यवस्थित स्थान पर ही दुकानें लगाएं, ताकि मुख्य मार्गों एवं आवागमन वाले स्थानों पर किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने अधिकारियों को यातायात विभाग के साथ समन्वय बनाकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नागरिकों के सुगम एवं सुरक्षित आवागमन को दृष्टिगत रखते हुए अतिक्रमण दस्ते को निरंतर सक्रिय रहने के निर्देश दिए । महापौर सूरी ने कहा कि गणेश चौक में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह वार्षिक मेला शहरवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है। गणेश उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं नागरिक यहां पहुंचते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा साफ-सफाई, डस्टबिन, कीटनाशक दवा के छिड़काव, प्रकाश, पेयजल, सड़क एवं सुगम आवागमन सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय रहते बेहतर स्वरूप प्रदान किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को उत्सव के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

फोटो : विकास गुप्ता

जूनियर विमेंस एशिया कप के फाइनल में भारत

सुप्रिया की हैट्रिक से साउथ कोरिया को 5-1 से हराया, चीन-जापान विजेता से होगा मुकाबला

मोकी (चीन)

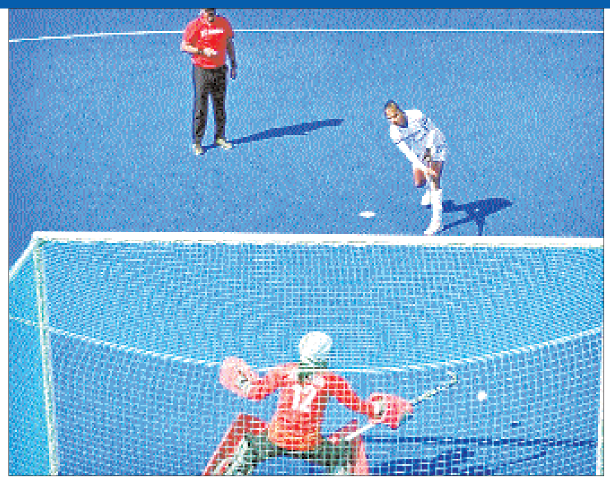

भारतीय महिला टीम जूनियर एशियन कप हॉकी का खिताब बचाने से बस एक कदम दूर है। शनिवार को यहां खेले गए सेमीफाइनल में उन्होंने दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। ड्रैग फ्लिकर सुप्रिया ने शानदार खेल दिखाते हुए हैट्रिक लगाई। उन्होंने शॉर्ट कॉर्नर को गोल में बदला और भारतीय टीम ने एक बार फिर दबदबा बनाते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की की। अब फाइनल में भारत का मुकाबला मेज़बान चीन और जापान के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

दोनों टीमों ने संभलकर शुरुआत की, लेकिन फिर भारतीय टीम ने अपनी लय पकड़ी और मौके बनाने शुरू किए। आखिरकार 13वें मिनट में गतिरोध टूटा, जब मधु सिदार ने गोल करके भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस बढ़त से भारत को और जोश मिला और दूसरे क्वार्टर में उन्होंने कोरियाई सर्कल में कई बार घुसपैठ करते हुए खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा। कोरियाई डिफेंस पर लगातार दबाव बनाने के कारण भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला और सुप्रिया ने 17वें मिनट में बेहतरीन फ्लिक से इसे गोल में बदलकर बढ़त को 2-0 कर दिया। चार मिनट बाद सुखवीर कौर ने एरियल पास पर मिले क्रॉस-पास को कुशलता से गोल में बदलकर बढ़त को 3-0 कर दिया।

चट्टान की तरह मजबूत रहा भारतीय डिफेंस

दक्षिण कोरियाई टीम ने कड़ी टक्कर दी और कुछ मौके भी बनाए, लेकिन भारतीय डिफेंस चट्टान की तरह मज़बूत रहा और प्रतिद्वंद्वी टीम को अंदर नहीं आने दिया। तीसरे क्वार्टर में भारत ने अपनी बढ़त को 4-0 कर दिया, जिसमें सुप्रिया ने एक बार फिर अहम भूमिका निभाते हुए 33वें मिनट में शॉर्ट कॉर्नर को गोल में बदला। हालांकि, कोरिया आठ मिनट बाद यूरी जियोंग के ज़रिए एक गोल करने में सफल रहा। मकसद के साथ हमला करने के बावजूद, उनकी वापसी की उम्मीदें पूरी नहीं हो सकीं क्योंकि भारत ने अपनी बढ़त को और बढ़ा लिया। 56वें मिनट में (5-1) सुप्रिया ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी हैट्रिक पूरी की।

वसीम अकरम ने वैभव सूर्यवंशी की तारीफ - बोले- पाकिस्तान को ऐसी प्रतिभा की जरूरत

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी प्रतिभा की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को भी सूर्यवंशी जैसी प्रतिभा तैयार करनी होगी, तभी क्रिकेट में सुधार होगा। अकरम ने इसी तुलना के जरिए पीएसएल पर सवाल उठाते हुए कहा कि 10 साल में लीग से कोई बड़ा बल्लेबाजी टैलेंट सामने नहीं आया। अकरम आईपीएल और पीएसएल दोनों से जुड़े रहे हैं। उन्होंने PSL में बल्लेबाजी प्रतिभाओं की कमी पर चिंता जताते हुए कहा, पीएसएल शुरू हुए 10 साल हो चुके हैं, लेकिन क्या पीएसएल ने एक भी बल्लेबाज तैयार किया है? हमने कुछ गेंदबाज जरूर दिए हैं। लेकिन क्या हमने कोई बड़ी बल्लेबाजी प्रतिभा तैयार की है?

पाकिस्तान क्लीन स्वीप, इंग्लैंड ने टेस्ट सीरीज 3-0 से जीती

एजबेस्टन टेस्ट में 8 विकेट से हराया; दूसरी पारी में रूट, कॉक्स की फिफ्टी

बर्मिंघम। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद कप्तान जो रूट (नाबाद 62) और जॉर्डन कॉक्स (नाबाद 59) रनों की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन शनिवार को पाकिस्तान को आठ विकेट से हराकर मुकाबला जीत लिया। इसी के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में पाकिस्तान का 3-0 से सूपड़ा साफ कर दिया। पाकिस्तान ने इंग्लैंड को जीत के लिए 130 रनों लक्ष्य दिया था। आज यहां इंग्लैंड की दूसरी पारी में शुरुआत बेहद खराब रही। मोहम्मद अब्बास ने पहले ही ओवर में इंग्लैंड के दोनों सलामी बल्लेबाजों बेन डकेट और एमिलियो गे को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट और जॉर्डन कॉक्स की जोड़ी ने टीम को इस झटके से उबरा। इन दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हुई। जो रूट ने 69 गेंदों में आठ चौकों की मदद से नाबाद 62 रन बनाये। वहीं जॉर्डन कॉक्स ने 76 गेंदों में आठ चौके लगाते हुए नाबाद 59 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड ने 24.2 ओवरों में दो विकेट पर 130 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। मोहम्मद अब्बास ने दिन की पहली ही गेंद पर डकेट को बिना खाता खोले आउट करके पाकिस्तान को उम्मीद जगाई और फिर उसी ओवर में एमिलियो गे को भी आउट कर दिया। 2 रन पर 2 विकेट गिरने के बाद पाकिस्तान का जोश हाई था और अब्बास शानदार ओपनिंग स्पेल डाल रहे थे। लेकिन जो रूट और जॉर्डन कॉक्स ने दबाव को झेला, स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया और धीरे-धीरे पारी को संभाला।

इंग्लैंड को दिलाई जीत- पाकिस्तान के पास रूट को आउट करने के कुछ मौके थे लेकिन वे उनका फायदा नहीं उठा पाए। मोहम्मद अली की गेंद पर रूट ने अपने ही स्टंप्स पर शॉट मारा, लेकिन बॉलर का पैर क्रीज़ से बाहर (नो-बॉल) था; इसके बाद एक बाहरी किनारे (एज) से निकली गेंद दो स्लिप फील्डरों के बीच से निकल गई।

मोहम्मद सिराज बने हैदराबाद रणजी टीम के कप्तान

चामा मिलिंद उपकप्तान, 11 अक्टूबर को त्रिपुरा से पहला मुकाबला

नई दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 2026-27 रणजी ट्रॉफी सीजन में हैदराबाद के कप्तान होंगे। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने शनिवार को इसका ऐलान किया। सीजन 11 अक्टूबर से शुरू होगा। हैदराबाद का पहला मुकाबला त्रिपुरा से होगा। तेज गेंदबाज चामा मिलिंद को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। हैदराबाद को रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप बी में रखा गया है। इस ग्रुप में सौराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और त्रिपुरा भी हैं।सिराज ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में भी हैदराबाद की दो मैचों में कप्तानी की थी।

श्रीलंका दौरे पर कम हुई थी रफ्तार- श्रीलंका दौरे के दौरान सिराज की रफ्तार को लेकर चिंता जताई गई थी। उनकी रफ्तार सामान्य 140 किलोमीटर प्रति घंटे के मध्य स्तर से घटकर 120 किलोमीटर प्रति घंटे के आखिरी स्तर तक पहुंच गई थी। दो मैचों की सीरीज में सिराज ने 44 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्होंने इस दौरान चार विकेट लिए थे। दलीप ट्रॉफी फाइनल के बाद चेन्नई में सिराज ने कहा, दो महीने के ब्रेक के बाद सीधे मैच में उतरने से मेरी लय पूरी तरह नहीं बन पाई थी। मैं पूरी तरह लय पर निर्भर रहने वाला गेंदबाज हूं। अगर मैं लय में नहीं हूं, तो क्रीज से पूरी ताकत के साथ गेंद नहीं फेंक पाता। उन्होंने कहा, श्रीलंका में यही परेशानी थी। मेरा रन-अप बिखरा हुआ लग रहा था।

भारत और श्रीलंका के बीच एशिया कप ख़िताब के लिए स्पिनर्स की टक्कर

दुबई

अगर स्पिन गेंदबाज़ी महिला टी 20 एशिया कप के फ़ाइनल का फ़ैसला करती है, तो भारत और श्रीलंका दोनों के पास इसके लिए पर्याप्त विकल्प हैं। दीप्ति शर्मा की अगुवाई वाले भारत के स्पिन आक्रमण ने टूर्नामेंट में 26 विकेट लिए हैं, जो किसी भी टीम से सबसे ज़्यादा हैं। श्रीलंका 25 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर है। ऐसे में यह स्पिन बनाम स्पिन और फिर स्पिन की टक्कर वाला ख़िताबी मुक़ाबला नज़र आता है। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि वह कुल मिलाकर हर विभाग में संतुलित नज़र आया है। स्मृति मंधाना और शेफ़ाली वर्मा ने ज़्यादातर रन बनाए हैं। इसके उलट, दुबई की धीमी पिचों पर श्रीलंका को बल्लेबाज़ी में लय हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ सेमीफ़ाइनल में उनकी स्थिति 33 रन पर चार विकेट थी, जिसके बाद हर्षिता समरविक्रमा और कविशा दिलहारी ने पारी को संभाला और फिर लक्ष्य हासिल कराया। इससे पहले बंगलादेश के ख़िलाफ़ उनकी टीम 44 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी और सेमीफ़ाइनल में जगह पक्की करने के लिए उन्हें समरविक्रमा की संयमित पारी पर निर्भर रहना पड़ा था। लीग चरण में इंडोनेशिया के ख़िलाफ़ भी वे 45 रन पर पांच विकेट गंवा चुके थे, तब निलाक्षिका सिल्वा ने टीम को संभाला था। श्रीलंका का बल्लेबाज़ी क्रम अस्थिर नज़र आया है। चामरी अतापत्तू ने चार पारियों में सिर्फ़ 63 रन बनाए हैं, जबकि इमेशा दुलानी के नाम चार पारियों में 64 रन हैं, जो चिंता का विषय है। भारत के लिए तेज़ गेंदबाज़ नंदनी शर्मा भी अच्छी फ़ॉर्म में हैं। श्रीलंका को इस मैच में अब तक के विरोधियों के मुक़ाबले ज़्यादा मुश्किल हो सकती है। श्रीलंका के ख़िलाफ़ भारत का हालिया रिकॉर्ड भी उसे फ़ाइनल का प्रबल दावेदार बनाता है। भारत ने दिसंबर 2025 में घरेलू मैदान पर पांच मैचों की टी20 सीरीज़ में श्रीलंका का 5-0 से सफ़ाया किया था और उनके ख़िलाफ़ पिछले 10 टी20 में से नौ जीते हैं। लेकिन इस दौरान श्रीलंका की एकमात्र जीत सबसे बड़े मुक़ाबले में आई थी। 2024 के एशिया कप फ़ाइनल में। दांबुला में उन्होंने 166 रन का लक्ष्य आठ विकेट शेष रहते हासिल कर ख़िताब अपने नाम किया था। इसका मतलब है कि श्रीलंका के सामने चुनौती भी है और उम्मीद की वजह भी। उसे नंदनी और भारत की स्पिन तिकड़ी दीप्ति, एन श्री चरणी और प्रेमा रावत का सामना करना होगा। श्रीलंकाई बल्लेबाज़ों को टिके रहना होगा और साझेदारियां बनानी होंगी। उन्हें मध्य और निचले क्रम पर बहुत ज़्यादा निर्भर रहने से बचना होगा। भारत के पास संतुलन और फ़ॉर्म है, जबकि मौजूदा चैंपियन श्रीलंका बेहतर जानता है कि फ़ाइनल में समीकरण बदल सकते हैं। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि बल्लेबाज़ी में संघर्ष के बावजूद श्रीलंका का एशिया कप में अब तक जीत का रिकॉर्ड 100 प्रतिशत है।

यूएस ओपन फाइनल में भिड़ेंगे ज्वेरेव और शेल्टन

नई दिल्ली। यूएस ओपन के मेंस सिंगल्स फाइनल में जर्मनी के वर्ल्ड नंबर-1 एलेक्जेंडर ज्वेरेव और अमेरिका के बेन शेल्टन आमने-सामने होंगे। शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल में ज्वेरेव ने रूस के करेन खाचानोव को 6-3, 7-6, 7-6 से हराया, जबकि शेल्टन ने हमवतन फ्रांसेस टियाफो को 4-6, 6-3, 6-3, 7-5 से शिकस्त दी। खिताबी मुकाबला रविवार को न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेला जाएगा। ज्वेरेव ने इस साल फ्रेंच ओपन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था और इसके बाद विंबलडन के फाइनल में पहुंचे, जहां उन्हें जैनिक सिनर से हार मिली। अब उनके पास इस साल दूसरी मेजर ट्रॉफी जीतने का मौका है। यह उनके करियर का छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल होगा।

दोनों टाईब्रेकर में पिछड़कर भी जीते- खाचानोव ने दूसरे सेट में 0-2 से पिछड़ने के बाद ज्वेरेव ने वापसी की। इसके बाद सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा। यहां खाचानोव ने ज्वेरेव के दो सेट पॉइंट बचाए, लेकिन ज्वेरेव ने दबाव बनाए रखा और सेट 7-6 से अपने नाम कर लिया। तीसरे सेट में भी खाचानोव ने टाईब्रेकर में 3-0 और फिर 5-2 की बढ़त बनाई।

ब्रिक्स ने की आईएमएफ, विश्व बैंक में उभरते बाजारों के लिए ज्यादा प्रतिनिधित्व की मांग

नयी दिल्ली

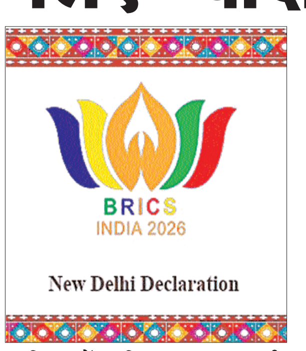

ब्रिक्स देशों ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक में उभरते बाजारों के लिए ज्यादा प्रतिनिधित्व की मांग की है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शनिवार को जारी नयी दिल्ली घोषणापत्र में कहा गया है कि वैश्विक उत्पादन और आर्थिक वृद्धि में उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की बढ़ती हिस्सेदारी को देखते हुए वैश्विक वित्तीय संस्थानों में इन देशों को ज्यादा प्रतिनिधित्व संगठन की मांग बनी हुई है। घोषणापत्र में कहा गया है, हम ब्रेटन वुड्स सिस्टम के तहत स्थापित संस्थानों में सुधार की तत्काल आवश्यकता को दोहराते हैं, ताकि उन्हें अधिक चुस्त, प्रभावी, विश्वसनीय, समावेशी, उद्देश्य के अनुरूप, निष्पक्ष, जवाबदेह और प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाया जा सके। इसमें इन संस्तानों की शासन संरचना में सुधार की मांग की गई है ताकि उनकी स्थापना के बाद से वैश्विक अर्थव्यवस्था में हुए बदलावों को प्रतिबिंबित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि ब्रेटन वुड्स सिस्टम के तहत ही आईएमएफ और विश्व बैंक का गठन किया गया था। ब्रिक्स ने कहा है कि उभरते बाजारों एवं विकासशील देशों की आवाज और उनका प्रतिनिधित्व वैश्विक अर्थव्यवस्था में उनकी सापेक्ष स्थिति के अनुरूप होना चाहिए। उसने योग्यता-आधारित, समावेशी और पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाने की मांग की जिससे आईएमएफ और विश्व बैंक के नेतृत्व में इन देशों की क्षेत्रीय विविधता और प्रतिनिधित्व में इजाफा होगा। संगठन ने एक मजबूत, कोटा-आधारित और पर्याप्त संसाधनों से युक्त आईएमएफ की आवश्यकता बताई ताकि वह अपने सदस्यों, विशेष रूप से सबसे कमजोर देशों, को प्रभावी रूप से सहायता प्रदान कर सके। घोषणापत्र में कहा गया है कि आईएमएफ में कोटा की पुनर्संरचना वैश्विक अर्थव्यवस्था में देशों की स्थिति के अनुरूप हो। वह इस प्रकार किया जाए जिससे उभरते बाजारों और विकासशील देशों के लिए कोटा और मतदान हिस्सेदारी बढ़े, हालांकि यह विकासशील देशों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। ब्रिक्स ने नयी कोटा प्रणाली में यह सुनिश्चित करने की भी मांग की है कि सबसे गरीब देशों के कोटा अप्रभावित रहें।

शेयर बाजार में सोमवार को नहीं होगी ट्रेडिंग

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को गणेश चतुर्थी के कारण 14 सितंबर को शेयर बाजार में छुट्टी घोषित की गई है। ऐसे में इक्विटी सेगमेंट और इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट में ट्रेडिंग बंद रहेगी। करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट और एनडीएस-आरएसटी और ट्राई-पार्टी रेपो सेगमेंट में भी ट्रेडिंग नहीं होगी। हालांकि, कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स सेगमेंट में ट्रेडिंग पहले हाफ में बंद रहेगी। ट्रेडिंग दूसरे हाफ़ में शाम 5 बजे से फिर से शुरू होगी। इसका मतलब है कि कमोडिटी मार्केट सोमवार को सुबह 9:00 बजे से शाम 5 बजे तक बंद रहेगा।गणेश चतुर्थी 2026 के बाद शेयर बाजार की अगली छुट्टी 2 अक्टूबर 2026 को महात्मा गांधी जयंती के मौके पर होगी।

इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में गिरावट रही

चांदी 6,536 गिरकर 2.29 लाख किलो पर आई, 10 ग्राम सोना 2,946

नई दिल्ली

सोने-चांदी की कीमतों में इस हफ्ते गिरावट देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 2,946 रुपए गिरकर 1.52 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 3 सितंबर को सोना 1.55 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम था।वहीं, चांदी की कीमत भी इस हफ्ते कम हुई है। यह 2.35 लाख रुपए प्रति किलो से गिरकर 2.29 लाख रुपए पर आ गई। यानी एक किलो चांदी की कीमत में 6,536 रुपए की गिरावट हुई है। साप्ताहिक गिरावट के बावजूद 2026 में सोने की कीमत अब भी बढ़त में है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.33 लाख रुपए पर था। अब यह 1.52 लाख रुपए पर है। यानी इस साल अब तक सोना 19 हजार रुपए महंगा हो चुका है। दूसरी तरफ, चांदी की कीमत साल की शुरुआत के मुकाबले मामूली नीचे है। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी 2.30 लाख रुपए थी, जो अब करीब 2.29 लाख रुपए पर आ गई है।

जनवरी में दोनों ने बनाया था ऑलटाइम हाई

इस साल सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी तेजी भी देखने को मिली। 29 जनवरी को 10 ग्राम सोने का भाव 1.76 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया था। इसी दिन चांदी भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची थी। इसका भाव 3.86 लाख रुपए प्रति किलो के ऑलटाइम हाई तक गया था। इसके बाद दोनों की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। इस हफ्ते सोने और चांदी दोनों के भाव में गिरावट दर्ज हुई है।

अंबानी-अडाणी की संपत्ति 1.41 लाख-करोड़ घटी

फिर भी टॉप पर, फॉर्च्यून इंडिया टॉप-100 में 56 अरबपतियों की संपत्ति बढ़ी

मुंबई। फॉर्च्यून इंडिया ने देश के टॉप-100 अरबपतियों की नई लिस्ट जारी की है। देश के टॉप 2 अमीरों की संपत्ति साल भर में 1.41 लाख करोड़ रुपए घट गई। इसके बावजूद मुकेश अंबानी पहले और गौतम अदाणी दूसरे नंबर पर बने हुए हैं। टॉप-100 में 30 उद्योगपतियों की संपत्ति कुल 4.26 लाख करोड़ रुपए घटी है। इसमें मुकेश अंबानी की संपत्ति सबसे ज्यादा 82 हजार करोड़ रुपए कम हुई, जबकि अडाणी की संपत्ति 59 हजार करोड़ रुपए घटी।दूसरी तरफ 56 उद्योगपतियों की कुल संपत्ति 7.70 लाख करोड़ रुपए बढ़ी। 31 की संपत्ति घटी है। इस बार 13 लोग पहली बार टॉप-100 में शामिल हुए हैं। सावित्री जिंदल की संपत्ति में सबसे ज्यादा 1 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्ज हुई।इसके अलावा श्याम भारती और हरि भारती की संपत्ति प्रतिशत के हिसाब से सबसे ज्यादा 78 प्रतिशत बढ़ी। माइनिंग कंपनी रुंगटामाइंस के नंदलाल रुंगटा और मुकुंद रुंगटा पहली बार इस लिस्ट में शामिल हुए है। वे 61वें नंबर पर हैं।

जोमैटो से खाना मंगवाना महंगा हुआ

कैश ऑन डिलीवरी पर 5 से 20 रुपए तक ज्यादा देने होंगे, ऑनलाइन पेमेंट पर छूट मिलेगी

नई दिल्ली

फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो से खाना ऑर्डर करना अब महंगा हो गया है। अब आप जोमैटो से खाना ऑर्डर करते समय कैश ऑन डिलीवरी यानी डिलीवरी के वक्त नकद भुगतान का ऑप्शन चुनते हैं, तो आपको 5 रुपए ज्यादा देने होंगे। यह नया शुल्क एप के बिल समरी में पे ऑन डिलीवरी फीस के नाम से अलग से जुड़ेगा। कुछ यूजर्स के एप बिल में यह फीस 7 रुपए से लेकर 20 रुपए तक अलग-अलग भी दिखाई दे रही है। हालांकि, जो यूजर यूपीआई, क्रेडिट/डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग जैसे डिजिटल माध्यमों से ऑनलाइन भुगतान करेंगे, उन पर यह एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लगेगा।जोमैटो की ओर से लगाया गया यह नया पे ऑन डिलीवरी फीस कंपनी के प्लेटफॉर्म फीस, रेस्टोरेंट पैकेजिंग चार्ज, डिलीवरी चार्ज और जीएसटी से अलग है। यानी अब आपको खाने के साथ-साथ पैकेजिंग, डिलीवरी, प्लेटफॉर्म और कैश में भुगतान करने तक के अलग से पैसे देने होंगे। हालांकि, स्विगी ने फिलहाल ऐसा कोई चार्ज लागू नहीं किया है।

छोटे शुल्क से कंपनी को करोड़ों रुपए का फायदा- जोमैटो पर हर दिन करीब 23 से 25 लाख ऑर्डर किए जाते हैं। अगर सिर्फ 5 रुपए का छोटा सा एक्स्ट्रा चार्ज भी लगाया जाए, तो कंपनी को हर दिन 1.25 करोड़ रुपए तक की ज्यादा कमाई हो सकती है। भले ही सभी ग्राहक कैश ऑन डिलीवरी का विकल्प न चुनें, फिर भी इस फैसले से जोमैटो का मुनाफा सालाना सैकड़ों करोड़ रुपए बढ़ जाएगा। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स की ओर से ऑर्डर पर अलग-अलग शुल्क जोड़ने का सिलसिला नया नहीं है। अप्रैल 2023 में जोमैटो और स्विगी ने सिर्फ 2 प्लेटफॉर्म फीस से शुरुआत की थी, जो अब बढ़कर 14.99 प्रति ऑर्डर हो चुकी है। दिखने में यह 2 से 15 का चार्ज छोटा लगता है, लेकिन ई-कॉमर्स और फूड डिलीवरी कंपनियां इन छोटे चार्जेस से ही सालाना 3,500 से 4,000 करोड़ की मोटी कमाई कर लेती हैं।

चीनी का भाव चढ़ा, चावल नरम

दालों, खाद्य तेलों में घटबढ़ का दौर

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चीनी का औसत भाव बढ़ गया। वहीं, चावल में गिरावट रही जबकि दालों और खाद्य तेलों के दाम बढ़ गए। गेहूं में टिकाव देखा गया। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 23 रुपये बढ़कर 5,523 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गुड़ भी 36 रुपये महंगा होकर 6,021 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत छह पैसे घटकर 59.92 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 100 रुपये टूटकर 4,072 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं तीन 2,863 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटे की कीमत 24 रुपये बढ़ी।

दाल-दलहनों में मसूर दाल की औसत कीमत 70 रुपये और चना दाल की 37 रुपये प्रति क्विंटल उतर गई। मूंग दाल चार रुपये सस्ती हुई। उड़द दाल 13 रुपये और तुअर दाल 11 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गई। स्थानीय बाजार में आज मूंगफली तेल की औसत कीमत 141 रुपये और पाम ऑयल की 24 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। वनस्पति 14 रुपये और सरसों तेल चार रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सूरजमुखी तेल की कीमत 28 रुपये और सोया तेल की 18 रुपये प्रति क्विंटल टूट गई।

मुख्य सचिव बर्णवाल ने की सेवा संकल्प अभियान 2026 की तैयारियों की समीक्षा

-विभागाध्यक्षों से अभियान के उत्कृष्ट क्रियान्वयन की अपेक्षा, 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक के लिए गतिविधियां निर्धारित

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा है कि आगामी 17 सितंबर से चलने वाले एक माह के सेवा संकल्प अभियान-2026 की सभी सेवा गतिविधियों में संबंधित विभाग हिस्सा ले। श्री बर्णवाल ने शनिवार को मंत्रालय में अभियान की गतिविधियों के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। अभियान के पहले दिन सेवा आशीर्वाद का दिया प्रज्वलन के अलावा रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। आशीर्वाद का दीया 17 सितम्बर को शाम 7 बजे पूरे प्रदेश में एक साथ दीप प्रज्जवलन होगा। आयोजन प्रत्येक जिले के 10 आइकॉनिक लोकेशंस पर विशिष्ट व्यक्तियों की उपस्थिति मे होगा। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रत्येक हितग्राही परिवार के घर पर दिए जलाए जाएंगे। प्रत्येक ग्राम पंचायत में न्यूनतम 500 दीपक, प्रत्येक नगर पालिका वार्ड में न्यूनतम 500 दीपक, प्रत्येक नगर निगम वार्ड में न्यूनतम 1,000 दीपक और प्रत्येक नगर परिषद वार्ड में न्यूनतम 250 दीपक प्रज्वलित किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त जिला स्तर पर चिन्हित ऐतिहासिक स्थल, प्रमुख सार्वजनिक स्थान अथवा विगत 12 वर्षों में प्रधानमंत्री के कार्यकाल से जुड़ी उपलब्धियों के स्थल पर भी दीप प्रज्ज्वलन होगा। प्रदेश में निर्मित और निर्माणाधीन सभी आध्यात्मिक लोक जैसे - श्री महाकाल लोक, श्री राम राजा लोक, सलकनपुर देवी लोक आदि में विशेष रूप से सामूहिक दीप प्रज्जवलन के कार्यक्रम होंगे। जहाँ विभिन्न कारणों से दीपक प्रज्वलित करना संभव न हो, उन स्थानों पर लाईटिंग/रोशनी भी की जा सकेगी। लाभार्थी परिवारों, व्यक्तियों एवं संस्थाओं द्वारा दीप प्रज्जवलन के फोटो/वीडियो/रील अपलोड किए जायेंगे। लाड़ली बहना योजना की हितग्राहियों और स्वामित्व योजना के हितग्राही परिवारों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से ऑडियो संदेश भी प्रेषित किया जाएगा।

रक्त दान शिविर का आयोजन

रक्तदान शिविर का आयोजन भी 17 सितम्बर को दिन में होगा। शिविर जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिविल अस्पताल, जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज में लगाए जाएंगे। रक्तदाताओं एवं इस कार्य से जुड़े व्यक्तियों / संस्थाओं रक्तदान शिविर के फोटो/वीडियो/रील 2अपलोड किए जा सकेंगे। ब्लड बैंक, रेडक्रास एवं मेडिकल कॉलेज से समन्वय होगा और डॉक्टर, पेरामेडिकल टीम, रक्तसंग्रह वाहन और आवश्यक चिकित्सा सुविधा सुलभ रखी जानी होगी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत यह कार्यक्रम दो स्तरों पर होगा । जिला स्तर पर 19 से 26 सितम्बर तक और राज्य स्तर पर 4 एवं 05 अक्तूबर को आयोजित होगा। सरकारी स्कूलों/कॉलेजों के साथ-साथ सभी निजी स्कूलों/कॉलेजों की भागीदारी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाएगी। चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम जिला स्तर पर होगा।प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र और पुरस्कार भी वितरित किए जाएँगे। शेष सभी प्रतिभागियों को जिला कलेक्टर द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र वितरित किये जायेंगे।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नमो सेवा-अनकही कहानियां

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नमो सेवा-अनकही कहानियां का आयोजन 19 सितम्बर से 5 अक्टूबर तक होंगे। प्रत्येक जिले में कम से कम 10 नुक्कड़ नाटक टोलियाँ तैयार की जाएंगी। जिला स्तर पर इन टोलियों के कार्यक्रमों की शेड्यूलिंग की जाएगी। टोलियों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं जिला स्तर पर जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में की जाएंगी। 25 सितम्बर 2026 को जिला स्तर पर इन टोलियों/नाट्य मण्डलियों को सम्मानित किया जाएगा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम 26 सितम्बर से 5 अक्टूबर तक सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों पर आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अपील का एक वीडियो तैयार किया जाएगा और यह वीडियो मोबाइल/टी.व्ही. के जरिए आंगनवाड़ी में महिलाओं और बच्चों को दिखाया जाएगा। प्रत्येक आंगनवाड़ी में इस कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें बच्चों और माताओं के लिए पोषक स्वल्पाहार, खेल सामग्री, पठन सामग्री आदि की व्यवस्था स्थानीय स्तर पर की जाएगी।

सेवा ज्योति कलश यात्रा-विकसित भारत का संकल्प

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा ज्योति कलश यात्रा - विकसित भारत का संकल्प यात्रा 7 अक्टूबर 2026 को आयोजित होगी। इस दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोक सेवा के 25 वर्ष पूरे हो रहे है। जिले के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से एक यात्रा निकलेगी। हर यात्रा के वाहन पर कार्यक्रम और सरकार की उपलब्धियां प्रदर्शित की जाएगी। यात्रा में आगे एक कलश और एक कृत्रिम मशाल भी रहेगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की यात्रा विभिन्न मार्गो से होती हुई जिला मुख्यालय पर पहुँचेगी, जहाँ जन-प्रतिनिधियों की उपस्थिति में एक सार्वजनिक कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को जिला विकास पुस्तिका भी वितरित की जाएगी। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। यात्रा का रुटचार्ट जिला कलेक्टर द्वारा स्थानीय जन-प्रतिनिधियों से परामर्श कर बनाया जाएगा।

वडनगर गुजरात-वाराणसी उत्तर प्रदेश सेवा यात्रा

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत वडनगर गुजरात - वाराणसी उत्तर प्रदेश सेवा यात्रा का आयोजन 2 स्थानों से एक साथ चलेगी एक यात्रा वडनगर से वाराणसी की ओर तथा दूसरी यात्रा वाराणसी से वडनगर की ओर। यात्राओं के आयोजन की अवधि 17 सितम्बर से 7 अक्टूबर 2026 तक रहेगी। मध्यप्रदेश के सभी 55 जिलों में 13 यात्रा मार्गो से यह यात्रा गुजरेगी। एक यात्रा टोली में 25 मोटर साईकिल सवार होंगे। इस प्रकार 10 टोलियाँ वाराणसी और 10 टोलियाँ वडनगर से निकलेंगी। इसके अतिरिक्त प्रत्येक टोली में 03 बड़े वाहन भी रहेंगे। इस प्रकार प्रति टोली व्यक्तियों की संख्या लगभग 100 रहेगी। यात्रा में शामिल होने वाले प्रतिभागियों के लिए मध्यप्रदेश के जिले में आगमन पर जिला स्तर से आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित की जाएंगी।

यात्रा के लिए जिले की सीमा में प्रवेश से लेकर जिले की सीमा से प्रस्थान तक सुरक्षा, सुविधा, समन्वय, जिले से सहभागिता आदि सभी सुनिश्चित की जाएगी। इन्क्यूबेटर्स, स्टार्ट-अप लीडर्स और इनोवेटर्स राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में भी सहभागिता करेंगे। इसके लिये उत्तरदायी विभाग औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमम, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज को आगर मालवा से अंतरित करेंगे लाड़ली बहना योजना की 40वीं किस्त

प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में पहुंचेंगे 1,835 करोड़ रुपये

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 13 सितंबर को आगर मालवा से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की सितंबर माह की 40वीं किस्त का अंतरण करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 10 हजार 150 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 1,835 करोड़ 09 लाख 22 हजार 450 रुपये की मासिक आर्थिक सहायता सीधे अंतरित की जाएगी। सितंबर की किस्त के साथ ही योजना के प्रारंभ से अब तक महिलाओं को नियमित मासिक सहायता के रूप में अंतरित राशि 65,395.99 करोड़ रुपये हो जाएगी। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की शुरुआत जून 2023 में हुई थी। उस समय पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती थी। अक्टूबर 2023 से इसमें 250 रुपये की वृद्धि कर सहायता राशि 1,250 रुपये प्रतिमाह की गई। नवंबर 2025 से एक बार फिर 250 रुपये की वृद्धि के बाद पात्र महिला हितग्राहियों को वर्तमान में 1,500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जा रही है। योजना में ऐसी पात्र लाभार्थी महिलाओं को भी प्रावधान के अनुसार लाभ दिया जा रहा है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से प्रतिमाह 900 रुपये प्राप्त हो रहे हैं। इस व्यवस्था के तहत उन्हें अंतर की राशि उपलब्ध कराई जा रही है । जून 2023 से अगस्त 2026 तक लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत 39 नियमित मासिक किस्तों का भुगतान किया जा चुका है। अब सितंबर में 40वीं किस्त अंतरित की जाएगी। इसके अतिरिक्त रक्षाबंधन के अवसर पर अगस्त 2023, अगस्त 2024, अगस्त 2025 और अगस्त 2026 में लाभार्थी महिलाओं को 250 रुपये की विशेष आर्थिक सहायता भी दी गई है।

महिलाओं तक पहुंची 65 हजार करोड़ से अधिक की राशि- लाड़ली बहना योजना के माध्यम से जून 2023 से अगस्त 2026 तक 63,560.90 करोड़ रुपये की राशि महिलाओं के खातों में अंतरित की जा चुकी है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में सितंबर 2026 तक योजना के अंतर्गत 11,300 करोड़ रुपये व्यय होने का अनुमान है।वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत 23,882.81 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इसके अलावा आगर मालवा में 225 करोड़ रुपये से अधिक के कुल 33 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और 28 करोड़ से अधिक के17 कार्यों का लोकार्पण भी करेंगे।

रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए अंतिम अतिरिक्त सीएलसी चरण 12 से 16 सितंबर तक

भोपाल (स्वतंत्र मत)। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को एक और अवसर प्रदान किया गया है। इसके लिए अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण 12 से 16 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। उच्च शिक्षा संचालनालय द्वारा पूर्व में जारी आदेश के अनुसार रिक्त सीटों पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रवेश की प्रक्रिया 21 से 31 अगस्त तक निर्धारित की गई थी। छात्र हित में विद्यार्थियों को रिक्त सीटों पर प्रवेश का अतिरिक्त अवसर प्रदान करने के लिए कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण की अवधि में वृद्धि की गई है। अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण के अंतर्गत 12 से 16 सितंबर तक शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में उपलब्ध रिक्त सीटों पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रवेश की कार्यवाही की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित अवधि में प्रवेश की कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए विद्यार्थियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें। विद्यार्थी उपलब्ध रिक्त सीटों का लाभ उठाते हुए निर्धारित अवधि में संबंधित महाविद्यालय में प्रवेश की कार्यवाही पूर्ण कर सकते हैं। 16 सितंबर को निर्धारित समय के पश्चात प्रवेश मान्य नहीं होगा। उच्च शिक्षा संचालनालय ने सभी संबंधित महाविद्यालयों एवं विद्यार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए प्रवेश प्रक्रिया समय पर पूर्ण करें।

जनता का विश्वास ही शासन की पहचान है : कलेक्टर

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत पटेरा में आयोजित हुआ शिविर

दमोह (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत पटेरा में शिविर का आयोजन प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसुमरिया, विधायक उमा देवी खटीक, संभागायुक्त सागर संभाग दिलीप कुमार, कलेक्टर प्रताप नारायण यादव, जनपद अध्यक्ष मल्लो बाई और गंगाराम पटेल सहित जनप्रतिनिधियों की गरिमामय मौजूदगी में आयोजित हुआ। इस अवसर पर संभाग आयुक्त दिलीप कुमार ने उद्यमियों से संवाद किया और कहा शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं और अपने उद्यम को स्थापित करें। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आज जनपद पंचायत पटेरा प्रांगण में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पटेरा नगरीय निकाय के 15 वार्डों सहित जनपद पंचायत पटेरा की 37 ग्राम पंचायतों को सम्मिलित किया गया। अभियान के अंतर्गत अधिकारियों के 37 दल गठित किए गए। इन दलों ने जनपद क्षेत्र की सभी 37 ग्राम पंचायतों में पहुंचकर विभिन्न शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों द्वारा स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र, छात्रावास, राशन दुकान सहित अन्य शासकीय संस्थाओं की व्यवस्थाओं एवं कार्यप्रणाली का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित कर क्षेत्र की वास्तविक स्थितिए स्थानीय समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। साथ ही शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का भी फीडबैक लिया गया। इस अवसर पर मप्र राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा कि सरकार द्वारा नागरिकों के जन्म से लेकर जीवन के अंतिम पड़ाव तक विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। जन्म के समय सहायता से लेकर बच्चों की शिक्षा और अन्य आवश्यकताओं के लिए योजनाओं के माध्यम से आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लोगों का कल्याण हो सके। डॉ. कुसमरिया ने कहा कि शिविर में किए गए कार्यों की शाम को समीक्षा की जाएगी जिससे यह स्पष्ट हो सके कि कितने लोगों की समस्याओं का समाधान हुआ और कितने पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिला।

हितग्राहियों से किया सीधा संवाद- श्रीमति खटीक ने कहा भ्रमण के दौरान वे ग्रामीणों और हितग्राहियों से सीधे संवाद कर यह जानकारी लेती हैं कि उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिला है अथवा नहीं। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार एक संवेदनशील सरकार है और संवेदना के आधार पर जनहित में कार्य कर रही है। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा कि जनता का विश्वास ही शासन की पहचान है। प्रशासन का दायित्व है कि आमजन की समस्याओं और शिकायतों पर शासन के नियमों के दायरे में रहते हुए निष्पक्षता एवं कार्य करने की भावना के साथ निर्णय लिया जाए। उन्होंने कहा नामांतरण, बंटवारा अथवा किसान से संबंधित कोई छोटा सा कार्य भी आम नागरिक के लिए महत्वपूर्ण होता है। हमारा लक्ष्य है कि ऐसे सभी कार्य तत्परता और निश्छलता के साथ किए जाएं। शासन की विभिन्न योजनाओं का वास्तविक लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंच रहा है अथवा कोई पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित तो नहीं है, इसकी भी धरातलीय स्तर पर लगातार समीक्षा आवश्यक है।

37 ग्राम पंचायतों में पहुंचे जिला स्तरीय अधिकारी- कलेक्टर ने कहा अभियान के तहत पटेरा विकासखंड की 37 ग्राम पंचायतों में 37 जिला स्तरीय अधिकारियों के दल भेजे गए। अधिकारियों ने संबंधित ग्रामों में पहुंचकर शासकीय संस्थानों एवं कार्यों का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओंए आवश्यकताओं और क्षेत्र के विकास के लिए जरूरी कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

कमिश्नर-कलेक्टर ने दमोह शहर से पटेरा तक किया भ्रमण

दमोह (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत सागर संभाग कमिश्नर दिलीप कुमार एवं कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने दमोह शहर से पटेरा विकासखंड तक विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर निर्माण कार्यों एवं जनसुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान आमजन से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। भ्रमण की शुरुआत दमोह शहर के अथाई क्षेत्र से हुई। यहां नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज एवं निर्माणाधीन सांदीपनि स्कूल का निरीक्षण किया गया। ड्राइंग के अनुरूप किए गए निर्माण कार्यों का अवलोकन करते हुए मेडिकल कॉलेज में पार्किंग व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए गए। पटेरा विकासखंड के ग्राम तिंदनी एवं बेला में ग्रामीणों ने बारिश से प्रभावित पहुंच मार्ग के कारण आवागमन में हो रही परेशानी से अवगत कराया। समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को गिट्टी मुरम बिछाकर सड़क को तत्काल आवागमन योग्य एवं सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए। मौके पर ही समस्या सुने जाने और समाधान की कार्रवाई के निर्देश मिलने से ग्रामीणों में चेहरे पर खुशी राहत और संतोष दिखाई दिया। पटेरा में ब्यारमा समूह जलप्रदाय योजना के वाटर प्लांट का निरीक्षण कर जल शुद्धीकरण प्रक्रियाए जल भंडारण एवं प्रयोगशाला में जल परीक्षण की व्यवस्था देखी गई। अधिकारियों ने बताया कि योजना के माध्यम से वर्तमान में 46 ग्रामों में जलप्रदाय किया जा रहा है।

संभागायुक्त ने पटेरा में सांदीपनि विद्यालय और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का किया निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)। संभागायुक्त सागर संभाग दिलीप कुमार ने पटेरा में संदीपनी विद्यालय के निर्माणधीन भवन का जायजा लिया। इस दौरान पटेरा में फिल्टर प्लांट पहुंचे जहां पर प्लांट की गतिविधियों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। परिसर में जिला कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के साथ पौधारोपण भी किया। उन्होंने जल निगम के महाप्रबंधक गौरव सराफ से कहा पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण न केवल किया जाए बल्कि उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अपने भ्रमण के दौरान सांदीपनि विद्यालय के कार्यकारी एजेंसी एवं अधिकारियों से कहा पूर्ण गुणवत्ता युक्त निर्माण कार्य सुनिश्चित कराया जाए इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी इस बात का विशेष ध्यान रखें । संभागायुक्त दिलीप कुमार ने इस अवसर पर क्षेत्र के उद्यमियों के साथ चर्चा की उनकी बातें सुनी और उनका उत्साहवर्धन किया।शासन ने उद्यमियों के हित में अनेकों योजनाएं चलाई है उनको समझे और उसका लाभ उठाएं और अपने उद्यम को आगे बढ़ाएं। उन्होने कहा सरकार उद्यमियों को हर संभव सहायता देने तत्पर है। इस अवसर पर कलेक्टर प्रताप नारायण यादव, एसडीम हटा राकेश सिंह मरकाम तहसीलदार उमेश तिवारी, तहसीलदार मानसी अग्रवाल एवं लोनिवि पीआईयू कार्यपालन यंत्री श्री विश्वकर्मा, अनुविभागीय अधिकारी श्री पटेल भी मौजूद रहे।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर जबलपुर में भवन क्रमांक LIG - 86 श्री ओम प्रकाश कोरी पिता श्री एच. आर. कोरी के नाम आर्वटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 26.08.2013 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री ओम प्रकाश कोरी पिता श्री एच.आर. कोरी ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 25.08.2026 के माध्यम से श्री अमन दुबे पिता श्री सतीश कुमार दुबे को विक्रय किया है। अतः श्री अमन दुबे पिता श्री सतीश कुमार दुबे द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज़ हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. /अ-6/ वर्ष 2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार पंजीकृत बैनामा के आधार पर नामांतरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 30/09/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

नजूल शीट क्रमांक	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट नं.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में अंकित/धारक/धारकों का नाम/पिता/माता/ पिता का नाम तथा पूर्ण पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता/माता/ पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
1	2	3	4	5	6
10	कंदेली	14/2/6	2155 वर्गफुट में से 572 वर्गफुट	चंद्रेश कटियार आ. राजकुमार कटियार निवासी विवेकानंद वार्ड, वार्ड नं. 11, पुरानी बस्ती नैनपुर	प्रीति रूसिया पति शैलेन्द्र रूसिया सा. शंकरवार्ड (काछी मोहल्ला) नरसिंहपुर

आज दिनांक 12/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर म.प्र.

निविदा सूचना क्रं./उ.वि./2026-27/PRO-561 दिनांक - 11/09/2026

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रापत्र मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD_535495_1	स.क्र.01, शंकरशाह वार्ड क्र. 04 अंतर्गत अर्जुन देव कॉलोनी गेट के पारा दायें तरफ पार्क का निर्माण / सौदर्यीकरण कार्य।	04 Month 38,97,636=00	5,000=00 29,300=00	15/10/2026
2	2026_UAD_535495_2	स.क्र.01, इंदिरा गांधी वार्ड क्र. 06 अंतर्गत गौतम मढ़िया के पास लेफ्ट टर्न पार्क का निर्माण/ सौदर्याकरण कार्य।	03 Month 14,68,682=00	2,000=00 11,100=00	15/10/2026
3	22026_UAD_535195_3	स.क्र.01, महाराणा प्रताप वार्ड क्र. 16 धनवंतरी नगर अंतर्गत श्रीराम परिसर, नवीन सामुदायिक भवन, जैन मंदिर के पास पार्क का निर्माण / सौदर्याकरण कार्य।	05 Month 43,86,432=00	5,000=00 32,900=00	15/10/2026
4	2026_UAD_535495_4	स.क्र.01, सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड क्र . 05 अंतर्गत नर्मदा विहार कॉलोनी पार्क का निर्माण / सौंदर्यीकरण कार्य।	03 Month 20,77,163=00	5,000=00 15,600=00	15/10/2026
5	2026_UAD_535495_5	स.क्र.01, महाराणा प्रताप वार्ड क्र. 16 धनवतरी नगर, भूकंप कॉलोनी अंतर्गत मकान न. 660 के पास पार्क का निर्माण/ सौंदर्यीकरण कार्य।	04 Month 33,11,648=00	5,000=00 24,900=00	15/10/2026

नोट- नविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

उद्यान अधिकारी
नगर पालिक निगम, जबलपुर

गोसलपुर थाने का मामला, पुलिस ने शुरू की जांच

फांसी के फंदे पर लटककर युवक ने की आत्महत्या

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोसलपुर थाने में बाबुल कोल उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम टिकरिया ने सूचना देकर बताया कि वह मजदूरी करता है। उसके बड़े भाई धनीराम का बेटा साहिल उसे रात लगभग 11 बजे मोहल्ले में घूमते हुये मिला था, वह अपने घर में आकर सो गया था। सुबह शाहिल का बड़ा भाई सागर घूमने गया था जो आकर बताया कि शाहिल आम के पेड़ की डाल से साड़ी बांधकार फांसी लगाकर लटका हुआ है। वह एवं मोहल्ले के लोग जाकर देखे साहिल कोल उम्र 19 वर्ष रोड़ किनारे आम के पेड़ की डाल से साड़ी बांधकर फांसी लगाकर मृत अवस्था में लटका था। सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

लार्डगंज थाने मामला, जांच में जुटी पुलिस

ऑटो की टक्कर से युवक की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। लार्डगंज थाने में सूरज रैकवार उम्र निवासी दुर्गानगर ग्वारीघाट ने सूचना देकर बताया कि वह टाईल्स का काम करता है । उसके मामा तीरथ अहिरवार ने उसके बड़े भाई शिवा रैकवार को फोन किया तो आटो वाले द्वारा बताया कि शिवा का एक्सीडेंट हो गया जिसे उपचार हेतु जबलपुर अस्पताल लेकर जा रहे हैं। वह अपने परिजनों के साथ जबलपुर अस्पताल पहुॅचा जहां डाक्टर ने चैक कर शिवा रैकवार उम्र 26 वर्ष निवासी दुर्गानगर ग्वारीघाट को मृत घोषित कर दिया है। सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

1427 खण्डपीठों के साथ हुआ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

61580 लंबित प्रकरणों तथा 110771 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का का हुआ निराकरण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र में सुलभ, त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वर्ष 2026 की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का शनिवार को प्रदेशभर में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन प्रदेश में एक साथ तालुका न्यायालयों एवं जिला न्यायालयों से लेकर मप्र उच्च न्यायालय की मुख्यपीठ जबलपुर तथा इंदौर एवं ग्वालियर स्थित खण्डपीठों तक किया गया। इसके माध्यम से पक्षकारों को अपने विवादों के आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से निराकरण हेतु प्रभावी एवं सुलभ मंच उपलब्ध कराया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन न्यायमूर्ति अल्पेश वाई. कोगजे, मुख्य न्यायाधीश, मप्र उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दूरदर्शी नेतृत्व तथा न्यायमूर्ति विवेक रूसिया, कार्यपालक अध्यक्ष, मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। आपसी सहमति, सुलह पर दिया विशेष जोर - जबलपुर में राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल, न्यायाधीश, मप्र उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, जबलपुर, न्यायमूर्ति विशाल धगट एवं न्यायमूर्ति अवनिन्द्र कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। यह आयोजन लोक अदालत तंत्र के उद्देश्यों को आगे

बढ़ाने में उच्च न्यायालय की सक्रिय सहभागिता को दर्शाता है। प्रदेशभर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में पक्षकारों एवं उनके अधिवक्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बड़ी संख्या में पक्षकारों ने कार्यवाही में भाग लेकर आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण समझौते के माध्यम से अपने विवादों का निराकरण कराने का अवसर प्राप्त किया। पक्षकारों के मध्य संवाद स्थापित करने तथा परस्पर स्वीकार्य समाधान तक पहुंचने में अधिवक्ताओं एवं न्यायिक अधिकारियों की सक्रिय भूमिका रही। कार्यवाही में आपसी सहमति, सुलह एवं समझौते पर विशेष जोर देते हुए पक्षकारों को लंबे समय तक चलने वाले न्यायिक विवाद से प्रभावी राहत प्रदान करने का प्रयास किया गया।

61580 लंबित प्रकरणों का हुआ निपटारा

राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए कुल 1427 खण्डपीठों का गठन किया गया, जिसमें मप्र उच्च न्यायालय की प्रधानपीठ जबलपुर तथा इंदौर एवं ग्वालियर स्थित खण्डपीठों में 07 खण्डपीठें तथा जिला एवं तहसील स्तर पर 1420 खण्डपीठें गठित की गई। अंतिम आंकड़े प्राप्त होना अभी शेष हैं। प्रारंभिक प्राप्त रिपोटों के अनुसार 61580 लंबित प्रकरणों तथा 110771 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से निराकरण किया गया। इन प्रकरणों में कुल रु. 9,64,99,25,400/- (लगभग) की समझौता राशि रही। उक्त आंकड़े लोक अदालत की प्रभावशीलता को दर्शाते हैं तथा लंबित प्रकरणों के बोझ को कम करने और पक्षकारों के मध्य आपसी समझ एवं सौहार्दपूर्ण समाधान को बढ़ावा देने में लोक अदालत की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हैं।

सिहोरा लोक अदालत में 870 प्रकरणों का निराकरण

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 12 सितंबर को व्यवहार न्यायालय सिहोरा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत का शुभारंभ जिला न्यायाधीश (तृतीय) संतोष कुमार कोल एवं सिहोरा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता रविदीप सिंह बैस द्वारा मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। लोक अदालत में न्यायालय में लंबित लिटिगेशन के 1,016 प्रकरण समझौते के आधार पर निराकरण के लिए रखे गए, जिनमें से 165 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इन प्रकरणों में 1 करोड़ 45 लाख 98 हजार 220 रुपए की राशि का अवार्ड/समझौता हुआ। इसी प्रकार प्री-लिटिगेशन के 4,016 प्रकरण निराकरण के लिए रखे गए, जिनमें से 705 प्रकरणों का निराकरण करते हुए ?85 लाख 22 हजार 98 रुपए की राशि का अवार्ड/समझौता किया गया। दोनों श्रेणियों को मिलाकर कुल 5,032 प्रकरणों में से 870 प्रकरणों का निराकरण हुआ तथा 2 करोड़ 31 लाख 20 हजार 318 रुपए की कुल समझौता राशि रही। प्रेस-नोट के अनुसार करीब 1,700 पक्षकार लाभान्वित हुए।

एक के बाद एक गिरे बिजली के खंभे, बाल-बाल बचे कर्मचारी

लाइन शिफ्ट करते समय मिलौनीगंज क्षेत्र में हुआ हादसा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर के व्यस्त मिलौनीगंज बाजार में गुड़हाई तिराहे पर शनिवार सुबह बिजली के खंभे गिरने से एक बड़ा हादसा टल गया। यहां बिजली विभाग केबल डालने और लाइन शिफ्ट करने का काम कर रहा था।

इसी दौरान खिंचाव और नीचे से कमजोर होने के कारण एक के बाद एक खंभे गिर गए और कुछ तिरछे हो गए। हादसे के वक्त बिजली विभाग का एक कर्मचारी 11 केवी लाइन पर काम कर रहा था। खंभा गिरते देख स्थानीय लोगों ने चिल्लाकर उसे नीचे कूदने के लिए कहा, जिससे उसकी जान बच गई। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक सुबह के समय एक खंभा नीचे से टूटकर सामने की इमारत से टकरा गया, जबकि दूसरा तिरछा हो गया। यहां लगे तीनों खंभे नीचे से काफी खराब हो चुके थे। खंभे गिरने के बाद तेज स्पार्किंग हुई। आसपास के दुकानदारों और राहगीरों ने तत्काल लोगों को वहां से हटाकर बड़ा हादसा होने से रोक लिया।

पुख्ता नहीं थे सुरक्षा के इंतजाम

बताया जा रहा है कि यह खंबे

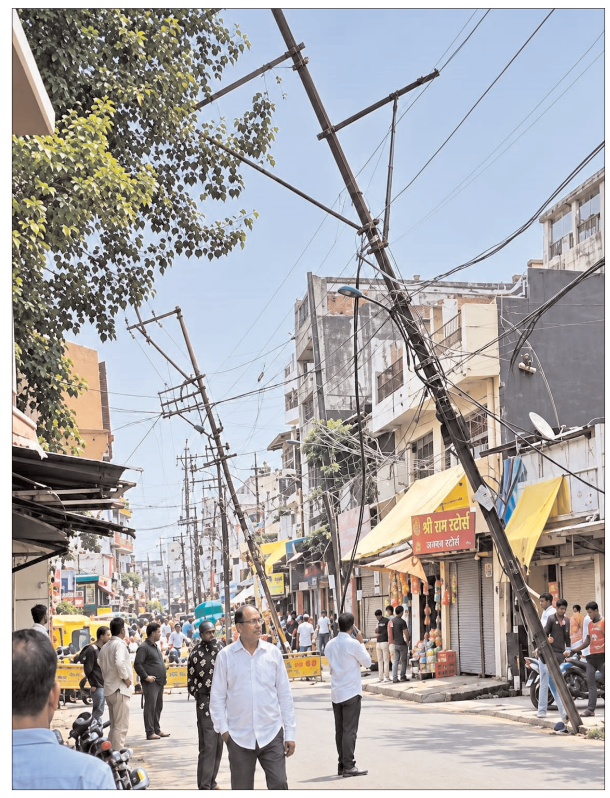

लगभग 50 साल पुराने थे और नीचे से पूरी तरह सड़ चुके थे। इन्हें बदलने के लिए प्रशासन और बिजली विभाग से पहले भी शिकायत की जा चुकी थी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इतने व्यस्त बाजार और पास में स्कूल होने के बावजूद काम के दौरान सुरक्षा के इंतजाम या बैरिकेडिंग नहीं की गई थी। मिलौनीगंज बाजार में गुड़हाई तिराहे पर शनिवार सुबह बिजली के खंभे गिर गए। हादसे के करीब 2 से ढाई घंटे बाद प्रशासन ने मौके पर बैरिकेडिंग कराई। इससे पहले स्कूल से आने-जाने वाले बच्चे, राहगीर और वाहन खतरनाक स्थिति के बीच से गुजरते रहे। स्थानीय निवासियों और क्षेत्रीय पार्षद प्रतिनिधि ने प्रशासन व बिजली विभाग से त्योहारों को देखते हुए इलाके के सभी खराब खंभों को तुरंत बदलने की मांग की है।

एनसीसी छात्रों ने चलाया टीबी मुक्त भारत अभियान

हितकारिणी विद्यालय देवताल गढ़ा में हुआ आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी विद्यालय देवताल गढ़ा में एनसीसी छात्रों द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पोस्टर बनाकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने आकर्षक एवं संदेशपरक पोस्टर तैयार किए और लोगों को टीबी के लक्षण, बचाव तथा समय पर जांच एवं उपचार के प्रति जागरूक किया। छात्रों ने टीबी को हराना है, भारत को टीबी मुक्त बनाना है जैसे संदेशों के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया। विद्यालय के प्राचार्य रजनीश श्रीवास्तव एवं एनसीसी अधिकारी फस्ट ऑफिस रोहित कुमार ने छात्रों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना विकसित होती है। इस कार्यक्रम मे कैडेट साक्षी यादव और हंशिका ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया कैडेट को 1 मप्र बटालियन से आये हवालदार प्रवीण कोले ने उत्साह वर्धन किया।

राज्य अंतर-जोन पुरुष कबड्डी की तैयारियों को लेकर बैठक आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आगामी 23 से 25 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली महापौर कप मध्य प्रदेश राज्य अंतर-जोन पुरुष कबड्डी चैंपियनशिप की व्यापक तैयारियों के संबंध में आज 13 सितंबर (रविवार) को एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। यह बैठक रानीताल स्थित यूथ हॉस्टल प्रेक्षागृह में आयोजित होगी। मध्य प्रदेश कबड्डी संघ के उपाध्यक्ष एवं जबलपुर कॉरपोरेशन कबड्डी संघ के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह पप्पू, आयोजन समिति के सचिव शानू यादव तथा कॉरपोरेशन कबड्डी संघ के सचिव सुनील ताम्रकार ने संयुक्त रूप से यह जानकारी दी।

खेत में बिछाए करंट से 5 मवेशियों की मौत

सिहोरा के बरने गांव का मामला, किसान पर मामला दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सिहोरा के बरने गांव में खेत में फैलाए गए बिजली के करंट की चपेट में आने से 5 मवेशियों की मौत हो गई। मक्का की फसल को बचाने के लिए खेत के चारों तरफ लोहे के तार में बिजली का करंट छोड़ा गया था। शनिवार को शिकायत पर मझगवां पुलिस ने आरोपी किसान के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इस मामले में बरने निवासी 21 वर्षीय मनीष कुमार यादव ने पुलिस को बताया कि गुरुवार सुबह वह अपने दो बैल और गांव के ही अशोक मेहरा व बल्लू सिंह की तीन गायों को जंगल में चरने के लिए छोड़ आया था। शुक्रवार तक मवेशी घर वापस नहीं लौटे। शनिवार को जब उनकी खोजबीन की गई, तो पांचों मवेशी अतरिया निवासी लालजी राय के खेत में मृत अवस्था में मिले। जांच में सामने आया कि लालजी राय ने अपने खेत में लगी मक्का की फसल की सुरक्षा के लिए चारों तरफ लोहे का पतला तार बिछाकर उसमें करंट छोड़ रखा था। चारा चरते समय मवेशी इस तार की चपेट में आ गए और मौके पर ही दम तोड़ दिया। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर आरोपी ने बिजली की सप्लाई बंद कर तार हटा दिए थे। इस मामले में मझगवां थाना प्रभारी शंकर सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी लालजी राय के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एमपी ट्रांसको में आई गॉट कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र शासन के उपक्रम मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) में भारत सरकार के क्षमता निर्माण मिशन 'मिशन कर्मयोगी' के अंतर्गत आई गॉट कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों-कर्मचारियों में कर्तव्यनिष्ठा, नैतिक मूल्यों, नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम मुख्य अभियंता (मानव संसाधन एवं प्रशासन) धीरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन तथा नोडल अधिकारी अधीक्षण अभियंता नवीन पांडे के समन्वय से आयोजित हुआ। मुख्य अभियंता धीरेंद्र सिंह ने 'राष्ट्रीय कर्मयोगी' की अवधारणा, कर्तव्य आधारित कार्य संस्कृति, टीमवर्क, नेतृत्व और सतत सीखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने दैनिक कार्यों में सेवा भावना को शामिल करते हुए 'कर्मयोगी मोमेंट्स' विकसित करने की बात कही।

विश्व हिंदू परिषद ने सिहोरा में किया जमकर प्रदर्शन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा में शनिवार को पुराने बस स्टैंड में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल जिला इकाई ने प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारे लगाते हुए जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में उन्होंने एसडीओपी सिहोरा आदित्य सिंघारिया द्वारा जिला सिहोरा में हिंदू समाज के साथ हो रहे पक्षपात पूर्ण व्यवहार, अवैध गतिविधियों एवं संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी के साथ अभद्रता के संबंध में सिहोरा एसडीओपी को तत्काल पद से हटाए जाने की मांग, प्रशासन द्वारा हिंदू समाज आम नागरिक एवं संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ पक्षपात पूर्ण एवं द्वेशपूर्ण व्यवहार आदि मांगों पर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान मौके पर एसडीओपी पाटन, तहसीलदार सिहोरा, पनागर टी आई, गोसलपुर टीआई सहित प्रशासन का बड़ा अमला मौजूद रहा।

चलती कार से निकलकर किया स्टंट, वीडियो हुआ वायरल

विजयनगर क्षेत्र का मामला, तलाश में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर की सड़कों पर चलती कार से स्टंट करते युवकों का एक वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो में युवक सोशल मीडिया रील्स बनाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे। बताया जा रहा है कि युवक कार की खिड़कियों और दरवाजों से बाहर निकलकर स्टंट करते दिख रहे हैं। इससे यातायात नियमों का उल्लंघन हो रहा है

और दूसरों की जान को भी खतरा है। जानकारी के मुताबिक यह घटना शहर के विजय नगर थाना क्षेत्र के जीरो डिग्री इलाके की बताई जा रही है। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि युवक चलती कार के दरवाजों से लटककर रील बना रहे थे। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने इस पर ध्यान दिया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह वीडियो मीडिया के जरिए उनके सामने आया है। पहली नजर में यह विजय नगर के जीरो डिग्री इलाके का लग रहा है। उन्होंने संबंधित थाना प्रभारी को निर्देश दिए हैं कि वीडियो में दिख रहे वाहन और युवकों की पहचान की जाए। पुलिस अधिकारी ने चेतावनी दी है कि स्टंट करने वाले युवकों की पहचान होने के बाद उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

डॉक्टर्स ने देखी लाइव सर्जरी, समझी आधुनिक घुटना प्रत्यारोपण तकनीक

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज ने मनाया यूनिकम्पार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट दिवस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के अस्थि रोग विभाग द्वारा जबलपुर ऑर्थोपेडिक्स सोसायटी के सहयोग से तथा मप्र इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के तत्वावधान में यूनिकम्पार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट डे का आयोजन किया जा रहा है।

यह कार्यक्रम 12 सितंबर शनिवार को तिलवारा रोड स्थित एक होटल में आयोजित हुआ। इस शैक्षणिक कार्यक्रम का उद्देश्य ऑर्थोपेडिक सर्जनों को घुटना प्रत्यारोपण की आधुनिक तकनीकों से परिचित

कराना तथा उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण का अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम में लाइव सर्जरी के साथ-साथ हैंड्स-ऑन सॉबोन वर्कशॉप भी आयोजित की जाएगी। इसके माध्यम से विशेषज्ञों के अनुभव और ज्ञान को साझा करने के साथ-साथ चिकित्सकों के व्यावहारिक कौशल को और बेहतर बनाने पर जोर दिया जाएगा।

क्या है यूनिकम्पार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट - यूनिकम्पार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट को सामान्य भाषा में आंशिक घुटना प्रत्यारोपण कहा जा सकता है। घुटने के जोड़ में अलग-अलग हिस्से होते हैं। कुछ मरीजों में गठिया या घिसाव मुख्य रूप से घुटने के केवल एक हिस्से तक सीमित रहता है। ऐसे उपयुक्त रूप से चुने गए मरीजों में पूरे घुटने को बदलने के बजाय केवल क्षतिग्रस्त हिस्से को बदला जा सकता है, जबकि घुटने के अन्य स्वस्थ हिस्सों को सुरक्षित रखा जाता है। हालांकि मरीज के लिए उपयुक्त नहीं है। मरीज की बीमारी की स्थिति, घुटने के अन्य हिस्सों की स्थिति और चिकित्सकीय जांच के आधार पर विशेषज्ञ यह तय करते हैं कि आंशिक घुटना प्रत्यारोपण बेहतर विकल्प है या पूर्ण घुटना प्रत्यारोपण। कार्यक्रम में होने वाली लाइव सर्जरी के दौरान प्रतिभागी चिकित्सक वास्तविक ऑपरेशन को शैक्षणिक उद्देश्य से देख सकेंगे और सर्जरी के विभिन्न चरणों तथा उससे जुड़े चिकित्सकीय निर्णयों को समझ सकेंगे।

विशेषज्ञों ने साझा किए अपने अनुभव - वहीं सॉबोन वर्कशॉप में विशेष रूप से तैयार कृत्रिम हड्डी के मॉडल पर चिकित्सकों को सर्जिकल तकनीकों का स्वयं अभ्यास करने का अवसर मिलेगा। इस प्रकार का प्रशिक्षण चिकित्सकों को आधुनिक तकनीकों की बेहतर समझ विकसित करने और अपने व्यावहारिक कौशल को मजबूत करने में सहायता करता है। कार्यक्रम में इंदौर के डॉ. हेमंत मंडोवरा एवं डॉ. अनुराग पनवेल विशेषज्ञ फैकल्टी के रूप में अपनी विशेषज्ञता और अनुभव साझा किए । कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना, अध्यक्ष डॉ. के.के. पांडेय, विभागाध्यक्ष, अस्थि रोग विभाग, तथा आयोजन सचिव डॉ. उत्सव कटाकवार, सहायक प्राध्यापक, अस्थि रोग विभाग उपस्थित रहे ।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**